केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले- घुसपैठियों को बचा रहीं ममता - 7

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी सेंसेक्स 753 अंक उछला - 10

कांग्रेस ने बिरला को दिया प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस - 11

लखनऊ सुपर जॉयंट्स के टॉप आर्डर को जोफ्रा आर्चर से रहना होगा सावधान - 12

आज का मौसम
39.0⁰ अधिकतम तापमान
24.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.40
सूर्यास्त 06.41

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष षष्ठी 10:49 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2083

बुधवार, 22 अप्रैल 2026, वर्ष 36, अंक 74, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

चूल्हे की चिंता

कानपुर में एक गैस एजेंसी के बाहर एलपीजी गैस भरवाने के लिए सुबह से ही लाइनें लगनी शुरू हो गईं, जो दोपहर तक लंबी कतार में बदल गईं। चिलचिलाती धूप और भीषण लू के थपेड़ों के बीच लोग अपनी बारी का इंतजार करते हुए।

शरद पवार मुंबई में अस्पताल में भर्ती

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) के अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य शरद पवार को स्वास्थ्य जांच के लिए मुंबई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि 85 वर्षीय पूर्व केंद्रीय मंत्री पवार को दो दिन पहले ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एक सूत्र ने बताया, उन्हें जांच के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोई गंभीर बात नहीं है। हाल ही में, पवार ने व्हीलचेयर पर बैठकर राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने दिल्ली में मीडिया को भी संबोधित किया था। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पवार को इस साल फरवरी में, सीने में संक्रमण और शरीर में पानी की कमी के कारण दो बार पुणे के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

केजीएमयू में फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार, धर्मांतरण रैकेट की आशंका

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) प्रशासन ने मंगलवार को एक बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश करते हुए धर्मांतरण रैकेट की आशंका में एक युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी की पहचान हस्साम अहमद के रूप में हुई है। आरोपी केवल 12वीं पास है, लेकिन खुद को मेडिकल छात्र बताकर विश्वविद्यालय परिसर में सक्रिय था। केजीएमयू प्रबंधन की तहरीर पर चौक कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। आरोपी हस्साम को गिरफ्तार किया गया है।

केजीएमयू के प्रवक्ता प्रो. केके सिंह ने ब्राउन हॉल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मड़ियांव के अजीज नगर सेमरा गौढ़ी निवासी आरोपी ने कार्डियो सेवा संस्थान नाम से एक ट्रस्ट बना रखा था। वह विश्वविद्यालय में घूमकर खुद को सीनियर छात्र बताता और छात्रों-छात्राओं पर प्रभाव जमाता था। इतना ही नहीं, वह इलाज के लिए आने वाले मरीजों से वसूली भी करता था। जांच में सामने आया कि 13 अप्रैल को आरोपी ने केजीएमयू की कई छात्राओं को दिल्ली में होने वाली एक कथित कॉन्फ्रेंस के नाम पर फर्जी चयन पत्र जारी किया। इस पत्र पर प्रो. केके सिंह के फर्जी हस्ताक्षर किए गए थे और इसमें अमेरिका के डॉक्टरों से मुलाकात का लालच भी दिया गया था। आरोपी इन छात्राओं को 29 अप्रैल को दिल्ली ले जाने की तैयारी में था। इससे पहले 20 अप्रैल को वह छात्राओं को हुसैनाबाद घंटाघर के पास लगे एक चिकित्सा शिविर में भी ले गया था। छात्राएं उसके प्रभाव में थीं और उसके साथ दिल्ली जाने को तैयार थीं। मामला संदिग्ध लगने पर प्रशासन ने फर्जी पत्र जब्त किया और शिविर की जांच की। मंगलवार को जैसे ही आरोपी जनरल सर्जरी विभाग के पास पहुंचा, छात्रों की मदद से उसे पकड़ लिया गया।

साजिश

- 12वीं पास आरोपी हस्साम खुद को सीनियर बताकर जमाता था रौब
- फर्जी कॉन्फ्रेंस के नाम पर मेडिकल छात्राओं को दिल्ली ले जाने की कर रहा था तैयारी

मीडिया के सवालों का जवाब देता आरोपी हस्साम।

व्हाट्सएप पर बनाई फर्जी पहचान

- विश्वास जीतने के लिए आरोपी ने अपने व्हाट्सएप डीपी पर प्रो. केके सिंह की फोटो लगा रखी थी और उसी के नाम से दस्तावेज जारी कर रहा था। चयनित छात्राओं ने पत्र को सोशल मीडिया पर डाल रखा था। जिसके बाद यह मामला पकड़ में आया।

"आरोपी हस्साम अहमद पुलिस के हवाले है। उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए तहरीर दे दी गई है। मामले की आगे की जांच पुलिस करेगी, जिसमें संस्थान पूरा सहयोग करेगा।

– प्रो. केके सिंह, प्रवक्ता केजीएमयू

केजीएमयू प्रशासन की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी हस्साम को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके मोबाइल और कॉल डिटेल्स में कई संदिग्ध जानकारी मिली हैं। उसकी जांच की जा रही है।

–कमलेश कुमार दीक्षित, पुलिस उपायुक्त पश्चिम"

ब्रीफ न्यूज

एप्पल के सीईओ पद से हटेंगे टिम कुक, जॉन को सौंपेंगे कमान

सैन फ्रांसिस्को। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने अपने पद से इस्तीफे की घोषणा कर दी है और उनके बाद कंपनी के हार्डवेयर इंजीनियरिंग प्रमुख जॉन टर्नस यह जिम्मेदारी निभाएंगे। स्टीव जॉब्स के बाद यह जिम्मेदारी संभालने वाले टिम कुक का सीईओ के रूप में लगभग 15 साल का कार्यकाल सितंबर में समाप्त हो जाएगा। उनके कार्यकाल में आईफोन की बढ़ती मांग के कारण कंपनी का बाजार मूल्य 3,600 अरब डॉलर से भी अधिक पहुंच गया। कुक (65) एक सितंबर को सीईओ की जिम्मेदारियां जॉन टर्नस को सौंप देंगे लेकिन वह जुड़े रहेंगे।

20 महिला कर्मियों के उत्पीड़न का आरोप

चंडीगढ़। एक सरकारी स्कूल की 20 से अधिक महिला कर्मियों ने एक पुरुष शिक्षक के खिलाफ उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई और उस पर कामकाज का प्रतिकूल वातावरण बनाने का आरोप लगाया है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। महिला कर्मियों ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013 के तहत शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में, महिलाओं ने अपने पुरुष सहकर्मी पर प्रतिकूल, असुरक्षित और अपमानजनक वातावरण बनाने का आरोप लगाया।

पीएम को आतंकवादी कहने पर घिरे खरगे भाजपा बोली- माफी मांगें, ईसी से शिकायत

शाह बोले- खरगे ने आतंकवादी टिप्पणी कर सार्वजनिक आचरण की सभी सीमाएं लांघी

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यों के चुनावी माहौल के बीच देशभर में मंगलवार को उस वक्त सियासत गरमा गई जब चेन्नई में एक पत्रकारवार्ता के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी बोल दिया।इस पर भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहे जाने की निंदा करते हुए इसे देश के लोगों का अपमान बताया और विपक्षी दल से माफी की मांग की। सत्तारूढ़ दल ने दावा किया कि खरगे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इशारे पर मोदी के खिलाफ इस तरह की अपमानजनक टिप्पणी की है क्योंकि प्रधानमंत्री लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना चाहते हैं। भाजपा ने मोदी के खिलाफ खरगे के बयान की शिकायत चुनाव आयोग में की है।

चेन्नई में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, खरगे ने अन्नाद्रमुक के भाजपा के साथ गठजोड़ की आलोचना करते हुए शुरुआत में प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहा। हालांकि, जब संवाददाताओं ने उनसे टिप्पणी के संदर्भ को स्पष्ट करने का आग्रह किया, तो कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उनका यह मतलब था कि प्रधानमंत्री देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने को आतंकित कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कांग्रेस की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि विपक्षी दल के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'आतंकवादी' कहकर 'सार्वजनिक आचरण की सभी सीमाएं लांघ' दी है और देश को शर्मिंदा' किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, वह लोगों और राजनीतिक दलों को आतंकित कर रहे हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वह (शाब्दिक अर्थ में) आतंकवादी हैं। आतंकित करने का यह अभिप्राय है, वह अपने पद की शक्ति और सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर रहे हैं और विपक्षी दलों को अपशब्द कह रहे हैं। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी ने कहा कि राहुल गांधी की कांग्रेस ने भारत के लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहकर और निम्न स्तर पर पहुंच गई है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, यह वही कांग्रेस पार्टी है जो ओसामा बिन लादेन को ओसामा जी कहकर संबोधित करती थी और दुर्दांत के साथ खड़ी नजर आती है, लेकिन प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहती है।

खरगे का बयान कांग्रेस की गिरती राजनीति की पराकाष्ठा : नबीन

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के बयान को कांग्रेस की गिरती राजनीति की पराकाष्ठा करार दिया है और उनके बयान के लिए कांग्रेस तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से देश से माफी मांगने की मांग की है। नबीन ने कहा कि यह केवल एक व्यक्ति पर टिप्पणी नहीं बल्कि उन 140 करोड़ देशवासियों के जनादेश का भी अनादर है।

खरगे के खिलाफ भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल आज मिलेगा निर्वाचन आयोग से

नई दिल्ली। भाजपा ने निर्वाचन आयोग से आग्रह किया कि वह प्रधानमंत्री के संबंध में खरगे की आतंकवादी टिप्पणी का तत्काल संज्ञान ले और कांग्रेस अध्यक्ष को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का निर्देश दिया जाए। आयोग को सौंपे गए ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत खरगे की टिप्पणियों के लिए उनके खिलाफ उपयुक्त दंडात्मक और नियामक कार्यवाही शुरू की जाए और उन पर उपयुक्त (चुनाव प्रचार) प्रतिबंध लगाए जाएं। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, किरेन रीजीजू और अर्जुन राम मेघवाल सहित, भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को ईसी से मुलाकात करेगा।

संकट में वार्ता...नहीं आएंगे वेंस, ट्रंप बोले- युद्ध विराम नहीं, होगी बमबारी

इस्लामाबाद, एजेंसी

- संघर्षविराम की समय सीमा आज समाप्त ईरान ने इस्लामाबाद जाने से किया इनकार
- ईरानी कमांडर बोले- अगर युद्ध फिर से शुरू हुआ तो क्षेत्रीय तेल उद्योग को कर देंगे नष्ट

ईरान ने अमेरिका के वार्ता प्रस्तावों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, जिसके बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अपनी यात्रा स्थगित कर दी है। वेंस को मंगलवार सुबह इस्लामाबाद के लिए रवाना होना था, जहां बुधवार को वार्ता फिर से शुरू होनी थी। वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अगर तेहरान बुधवार को समाप्त हो रहे दो सप्ताह के युद्धविराम से पहले अमेरिका के साथ किसी समझौते पर सहमत नहीं होता है, तो वह ईरान पर बमबारी शुरू कर देंगे। उन्होंने कहा, मैं बमबारी करने की उम्मीद कर रहा हूं क्योंकि मुझे लगता है कि यही बेहतर रुख है।

दूसरी तरफ ईरान ने भी अमेरिका के साथ प्रस्तावित बातचीत में शामिल होने से इनकार कर दिया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि अभी इस्लामाबाद जाने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने इसके पीछे अमेरिका के विरोधाभासी रवैये को जिम्मेदार ठहराया। ईरान के एक वरिष्ठ कमांडर ने मंगलवार को धमकी दी कि अगर अमेरिका के साथ युद्ध फिर से शुरू हुआ तो ईरानी सेना क्षेत्र के तेल उद्योग को नष्ट कर देगी। रेवोल्यूशनरी गार्ड के एयरोस्पेस प्रमुख जनरल माजिद मूसावी ने ईरानी मीडिया में जारी एक बयान में कहा कि ईरान के खिलाफ आक्रामकता करना एक गलती होगी। उन्होंने यह भी कहा कि अगर पड़ोसी देश अमेरिका को हमले करने की अनुमति देते हैं तो क्षेत्र के तेल भंडारों को नुकसान पहुंचेगा। मूसावी ने कहा, अगर दक्षिणी पड़ोसी देश दुश्मन को ईरान पर हमला करने के लिए अपने अड्डों का इस्तेमाल करने देते हैं, तो उन्हें पश्चिम एशिया क्षेत्र में तेल उत्पादन को अलविदा कहना होगा।

अमेरिकी सेना का ईरान के पूर्व में प्रतिबंधित पोत पर कब्जा

वाशिंगटन। रक्षा विभाग ने मंगलवार को बताया कि अमेरिकी सेना के जवान एक तेल टैंकर पर धावा बोलकर उसपर सवार हो गए और उसे अपने कब्जे में ले लिया है। इस टैंकर पर पहले एशिया में ईरानी कच्चे तेल की तस्करी के आरोप में प्रतिबंध लगाया गया था। पेंटागन ने कहा कि अमेरिकी सेना ने यात्रा के अधिकार के तहत समुद्री अवरोध उत्पन्न किया और एम/टी टिफानी नामक टैंकर पर उसके जवान बिना किसी प्रतिरोध के सवार हो गए। जहाज ट्रैकिंग डेटा से पता चला कि टिफानी श्रीलंका और इंडोनेशिया के बीच हिंद महासागर में था। घोषणा के अनुसार यह घटना रात में घटित हुई।

विपक्ष के खिलाफ मुख्यमंत्री संग सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब

- योगी ने विपक्ष पर लगाया महिला विरोधी होने का आरोप, कहा- सबक सिखाएंगी महिलाएं
- नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में पदयात्रा, हजारों महिलाओं की भागीदारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को सड़कों पर उतरकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में पद यात्रा का नेतृत्व संभाला, तो कड़ी धूप के बावजूद जनसैलाब उमड़ पड़ा। तिरंगा हाथ में लहराते समूचा मंत्रिमंडल, भाजपा और सहयोगी दलों के शीर्ष नेता भी कदमताल करते दिखे।

हजारों महिलाओं का हुजूम कांग्रेस-सपा समेत विपक्षी दलों के खिलाफ बैनर-पोस्टर और तख्तियों के साथ आक्रोशित नजर आया। मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर महिला विरोधी राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आधी आबादी अब सबक सिखाएगी।मुख्यमंत्री आवास से प्रारंभ होकर सिविल हॉस्पिटल होते हुए विधान भवन तक पहुंची इस रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को विधानसभाओं और लोकसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है, किंतु कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके सहित इंडी गठबंधन के दलों द्वारा इसे बाधित करने का प्रयास उनके अलोकतांत्रिक और महिला-विरोधी चेहरे को उजागर करता है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इन दलों को अपनी नकारात्मक छवि सुधारने का अवसर दिया गया था, किंतु इन्होंने उसका दुरुपयोग करते हुए महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय किया।

'जन आक्रोश महिला पद यात्रा' में पहुंचे मुख्यमंत्री योगी व डिप्टी सीएम।

धधक रहा था महिलाओं का आक्रोश

सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री आवास से प्रारंभ हुई इस पदयात्रा के समय भी चुभने वाली तेज धूप थी, लेकिन महिलाओं का आक्रोश उससे कहीं अधिक धधक रहा था। सुबह 7 बजे से ही मुख्यमंत्री आवास पर महिलाओं का जुटना शुरू हो गया था। हाथों में विपक्ष की कुत्सित राजनीति की निंदा करते हुए स्लोगन लिखी हुईं तख्तियां और 'बहन- बेटियों का अपमान-नहीं सहेगा हिंदुस्तान, महिला अधिकारों पर वार-सपा-कांग्रेस जिम्मेदार, कांग्रेस का हाथ-नारी शक्ति के खिलाफ, नारी के सम्मान में-एनडीए मैदान में' जैसे गूंजते नारों के साथ यह रैली विपक्ष को बेनकाब करती हुई आगे बढ़ी। हर कदम पर महिलाओं का हुजूम साफ संदेश दे रहा था कि आधी आबादी के सम्मान और अधिकारों पर कोई समझौता नहीं, कोई चुप्पी नहीं, कोई माफी नहीं। महिलाओं ने सपा और कांग्रेस के विरुद्ध नारेबाजी की और महिला-विरोधी मानसिकता को खुलकर चुनौती दी।

करोड़ों की फर्जी बैंक गारंटी मामले में आर पावर के सीएफओ समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने रिलायंस पावर लिमिटेड के सीएफओ और दो अन्य लोगों को भारतीय सौर ऊर्जा निगम से टेंडर हासिल करने के लिए 136 करोड़ रुपये से अधिक की फर्जी बैंक गारंटी तैयार करने और उनका उपयोग करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने कहा कि आरोपियों की पहचान रिलायंस पावर लिमिटेड के सीएफओ अशोक कुमार पाल (50), ओडिशा स्थित बिस्वाल ट्रेडलिंक प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पार्थ सारथी बिस्वाल (54) और कोलकाता निवासी अमरनाथ (50) के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि सहायक कंपनी रिलायंस एनयू बीईएसएस लिमिटेड ने एसईसीआई द्वारा जारी टेंडर प्रक्रिया के दौरान 68.20-68.20 करोड़ की दो फर्जी बैंक गारंटी जमा की थीं।

दो साल से कम अंतर पर भी दूसरा मातृत्व अवकाश मान्य

विधि संवाददाता, लखनऊ

हाईकोर्ट का फैसला

- कहा, सरकार की वित्तीय हैंड बुक मातृत्व लाभ कानून के ऊपर नहीं

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि पहली मातृत्व अवकाश लेने के दो वर्ष के भीतर दूसरे मातृत्व अवकाश पर रोक नहीं लगाई जा सकती।

कोर्ट ने यह भी कहा कि इस विषय में वित्तीय हैंडबुक के प्रावधान मातृत्व लाभ कानून के ऊपर नहीं हो सकते। उक्त आदेश न्यायमूर्ति करुणेश की एकल पीठ ने मनीषा यादव की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। याचिका में 4 अप्रैल 2026 को पारित उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसके जरिए याची की दूसरी मातृत्व अवकाश की मांग को अस्वीकार कर दिया गया था। याची की ओर से अधिवक्ता चिन्मय मिश्रा ने दलील दी कि मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 एक लाभकारी कानून है और इसके प्रावधानों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वहीं, राज्य की ओर से वित्तीय हैंडबुक के नियम 153(1) का हवाला देते हुए कहा गया कि दो प्रसूति अवकाश के बीच कम से कम दो वर्ष का अंतर होना आवश्यक है। कोर्ट ने पूर्व के निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि मातृत्व लाभ अधिनियम संसद द्वारा बनाया गया कानून है और यह किसी भी कार्यपालिका निर्देश या वित्तीय हैंडबुक के प्रावधानों से ऊपर है।

सबरीमाला मामला | सुप्रीम कोर्ट ने पूछा – क्या जन्म या वंश के आधार पर भगवान को छूने से रोकना संवैधानिक है

क्या संविधान उस श्रद्धालु की रक्षा नहीं करेगा जिसे मूर्ति छूने की अनुमति नहीं

- नौ जजों की संविधान पीठ भेदभाव व धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे से संबंधित मामले पर कर रही सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने मंगलवार को सबरीमाला अयप्पा मंदिर के मुख्य पुजारी से पूछा कि क्या संविधान उस श्रद्धालु की रक्षा नहीं करेगा जिसे मूर्ति छूने की अनुमति नहीं है। कोर्ट की यह टिप्पणी मुख्य पुजारी के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि जब कोई श्रद्धालु पूजा के लिए मंदिर जाता है तो यह किसी देवता की विशेषताओं के विरोध में नहीं हो सकता।

नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव व विभिन्न आस्थाओं को मानने वाले लोगों द्वारा पालन की जाने वाली धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे और सीमा से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई कर रही है। पीठ ने 'तंत्री' की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता वी गिरि ने कहा कि किसी भी मंदिर में संपन्न होने वाले समारोहों और अनुष्ठानों की प्रकृति धर्म का अभिन्न अंग है और इसलिए यह एक धार्मिक प्रथा है। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रथा का जारी रहना, जो एक आवश्यक धार्मिक प्रथा है, पूजा के अधिकार का एक हिस्सा होगा जो धर्म या धार्मिक संप्रदाय में विश्वास रखने वाले प्रत्येक सदस्य के लिए है।

गिरि ने कहा, जब कोई भक्त पूजा के लिए मंदिर जाता है, तो वह देवता के गुणों के विरुद्ध नहीं जा सकता, क्योंकि उसका उद्देश्य देवता की पूजा करना है। भक्त देवता में निहित दिव्य ओज के प्रति समर्पण करता है। उसे देवता के मूल गुणों को स्वीकार करना होता है।

सृष्टिकर्ता और सृष्टि में कोई अंतर नहीं हो सकता : न्यायमूर्ति अमानुल्ला

न्यायमूर्ति अमानुल्ला ने प्रश्न किया, जब मैं किसी मंदिर में जाता हूं, तो मेरी मूल मान्यता यह होती है कि वह भगवान है, वह मेरा सृष्टिकर्ता है, उसने मुझे बनाया है, है ना? न्यायमूर्ति अमानुल्ला ने कहा, मैं वहां शत प्रतिशत आस्था के साथ जाता हूं। मैं पूरी तरह समर्पित हूं, मेरे हृदय में कोई अशुद्धता नहीं है और वहां मुझे बताया जाता है कि जन्म, वंश या किसी विशेष परिस्थिति के कारण, आपको देवता को छूने की अनुमति नहीं है। अब, क्या संविधान मेरी मदद नहीं करेगा? उन्होंने कहा कि सृष्टिकर्ता और सृष्टि में कोई अंतर नहीं हो सकता। इस पर गिरि ने उत्तर दिया कि यदि किसी के पुजारी बनने पर पूर्ण प्रतिबंध है, तो इसका ध्यान या तो अनुच्छेद 25(2)(बी) कानून द्वारा रखा जाए या इसका ध्यान स्वयं राज्य द्वारा रखा जाए। यदि पुजारी का अर्थ वह व्यक्ति है जिसे शास्त्रों में पूजा-अर्चना करने और देवता की आराधना करने का निर्देश दिया गया है, यदि किसी व्यक्ति के जन्म के आधार पर पुजारी बनने और फिर 'सेवा' करने पर पूर्ण प्रतिबंध है, तो इसका समाधान या तो अनुच्छेद 25(2)(ख) के तहत कानून बनाकर किया जाएगा या राज्य द्वारा स्वयं किया जाएगा।" मामले में सुनवाई जारी है।

न्यूज ब्रीफ

यूपी विधानसभा का दूसरा सत्र 30 से

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश की 18वीं विधानसभा का वर्ष 2026 का द्वितीय सत्र 30 अप्रैल से शुरू होगा। विशेष सत्र का मुख्य उद्देश्य नारी शक्ति वंदन अधिनियम का संसद से पारित न होन के खिलाफ चर्चा कराना है। विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने इस सत्र को आहूत करने की मंजूरी दे दी है। विधानसभा सचिवालय प्रशासन के मुताबिक, गुरुवार 30 अप्रैल 2026 को प्रातः 11 बजे से विधानसभा मंडप, विधान भवन, लखनऊ में सत्र की कार्यवाही प्रारंभ होगी। यह सत्र वर्ष 2026 का दूसरा सत्र होगा, जिसमें सरकार विभिन्न विधायी और नीतिगत कार्यों को आगे बढ़ा सकती है। विधानसभा सचिवालय के अनुसार, सत्र बुलाने का यह निर्णय संवैधानिक प्रक्रिया के तहत लिया गया है। आमतौर पर ऐसे सत्रों में सरकार द्वारा विधेयक पेश किए जाते हैं, महत्वपूर्ण नीतिगत मुद्दों पर चर्चा होती है और विपक्ष को भी अपने मुद्दे उठाने का अवसर मिलता है।

आवास विकास बोर्ड बैठक कल

अमृत विचार, लखनऊ : आवास एवं विकास परिषद की बोर्ड बैठक 23 अप्रैल को महात्मा गांधी मार्ग स्थित मुख्यालय के नवीन सभागार में प्रमुख सचिव, आवास एवं शहरी नियोजन की अध्यक्षता में होगी। बैठक में परिषद की विकसित कालोनियों में सम्पत्तियों के दाम बढ़ाने की तैयारी है। इनमें लखनऊ की वृंदावन योजना और अवध विहार योजना शामिल हैं। यहां डीएम सर्किल रेट के बराबर जमीन की कीमत निर्धारित की जाएगी। जहां कालोनियां अभी विकसित हो रही हैं वहां 8 .7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से जमीन की कीमत बढ़ाई जाएगी। बोर्ड बैठक में मार्जिन कॉस्ट लैंड रेट (एमसीएलआर) अधिनियम परिषद अंगीकृत करेगा। नई योजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण और संचालन के लिए बजट बढ़ाया जाएगा। भूमि अधिग्रहण के लिए करीब 1500 करोड़ और विकास के लिए 1000 करोड़ रुपये का बजट पास हो सकता है। लखनऊ के मोहनलालगंज में न्यू जेल रोड पर जल्द ही लैंड पूलिंग पर अपनी पहली योजना शुरू करने जा रहा है।

ऊर्जा संविदा कर्मियों का सत्याग्रह तेज

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में बिजली विभाग के संविदा कर्मियों ने मांगों को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है। विद्युत संविदा कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर मंगलवार को सभी जिलों में सत्याग्रह किया गया। महासंघ अध्यक्ष आरएस राय ने कहा कि मुख्यमंत्री ने विधानसभा में संविदा कर्मियों को विभाग से वेतन भुगतान, वेतन वृद्धि और ईपीएफ की सुविधा देने की घोषणा की गई थी, लेकिन पावर कॉर्पोरेशन प्रबंधन ऊर्जा निगमों के संविदा कर्मियों को इससे बाहर रखना चाहता है। प्रदेश प्रभारी पुनीत राय ने कहा कि छंटनी और ठेकेदारों के शोषण से बचने के लिए आउटसोर्स निगम में शामिल होना आवश्यक है। महासंघ के मीडिया प्रभारी विमल चंद्र पाण्डेय ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 7 मई को प्रस्तावित कार्य बहिष्कार के बाद भी मांगें पूरी नहीं हुई, तो पूरे प्रदेश में अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार शुरू किया जाएगा। संविदा कर्मियों का यह आंदोलन आने वाले दिनों में और व्यापक रूप ले सकता है, जिससे प्रदेश की बिजली व्यवस्था के प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

विधानसभा और लोकसभा चुनाव में दिखेगी 'आधी आबादी' की ताकत

लखनऊ में हुए प्रदर्शन में महिलाओं ने कुछ ऐसे विरोध दर्ज कराया।

- नारी शक्ति वंदन विधेयक को लेकर हर स्तर पर जवाब की तैयारी
- महिला मंत्रियों समेत हजारों की भागीदारी, विपक्ष पर तीखा हमला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर राजधानी में आयोजित 'जन आक्रोश महिला पदयात्रा' ने साफ संकेत दिया कि आने वाले 2027 विधानसभा और 2029 लोकसभा चुनाव में महिलाएं निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

पदयात्रा में प्रदेश सरकार की कई महिला मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों और संगठन पदाधिकारियों ने भाग लिया। मंच से वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि नारी शक्ति वंदन विधेयक को गिराकर विपक्ष ने महिलाओं के अधिकारों का हनन किया है, जिसका जवाब अब पंचायत से लेकर संसद तक दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि महिलाओं को विपक्ष की "संकीर्ण सोच" को पहचानना होगा और अपने अधिकारों के लिए संगठित होना होगा। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे अपने वोट की ताकत से 2027 और 2029 में स्पष्ट संदेश दें।

महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि संसद में विधेयक के विरोध के दौरान विपक्षी महिला सांसदों का व्यवहार "दुर्भाग्यपूर्ण" रहा। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे इस "अपमान" को याद रखें और लोकतांत्रिक तरीके से जवाब दें। पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने के लिए यह पहल लेकर आए, लेकिन विपक्ष ने इसे रोककर अपनी मानसिकता उजागर कर दी। उन्होंने कहा कि अब महिलाएं एकजुट होकर अपनी शक्ति का परिचय देंगी। पदयात्रा में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई महिलाओं की भागीदारी ने इसे व्यापक जनसमर्थन का स्वरूप दिया। नेताओं का कहना है कि यह आंदोलन केवल एक दिन का प्रदर्शन नहीं, बल्कि महिलाओं के अधिकारों और सम्मान की लड़ाई का प्रतीक है, जो आने वाले चुनावों में निर्णायक असर डालेगा।

चुनावी असर का संकेत

- इस पदयात्रा ने साफ कर दिया है कि महिला मतदाता अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि राजनीति की दिशा तय करने वाली शक्ति बन चुकी हैं। नेताओं ने बार-बार इस बात पर जोर दिया कि यदि महिलाओं के अधिकारों की अनदेखी हुई, तो उसका जवाब सीधे चुनाव में मिलेगा। 2027 के विधानसभा और 2029 के लोकसभा चुनाव को लेकर दिया गया संदेश इस आंदोलन को राजनीतिक रूप से और महत्वपूर्ण बनाता है। महिला भागीदारी का यह स्तर संकेत देता है कि आने वाले समय में चुनावी रणनीतियों में 'आधी आबादी' केंद्र में रहेगी और कोई भी दल इसे नजरअंदाज नहीं कर सकेगा।

महिला नेतृत्व की मजबूत उपस्थिति

- पदयात्रा की एक खास बात महिला नेतृत्व की सक्रिय भागीदारी रही। प्रदेश सरकार की महिला मंत्रियों से लेकर संगठन की पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि तक, सभी ने मंच और सड़क दोनों जगह अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इससे यह संदेश गया कि महिलाओं की भूमिका केवल समर्थक की नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता की भी है। विभिन्न जिलों से आई महिलाओं ने भी इस आंदोलन को मजबूती दी। यह सहभागिता दर्शाती है कि महिला सशक्तिकरण अब केवल नीतियों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर एक सशक्त जनआंदोलन का रूप ले चुका है।

विपक्ष के खिलाफ सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में मुख्यमंत्री योगी की अगुवाई में निकली पदयात्रा में शामिल हुईं हजारों महिलाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को सड़कों पर उतरकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में पद यात्रा का नेतृत्व संभाला, तो कड़ी धूप के बावजूद जनसैलाब उमड़ पड़ा। तिरंगा हाथ में लहराते समूचा मंत्रिमंडल, भाजपा और सहयोगी दलों के शीर्ष नेता भी कदमताल करते दिखे। हजारों महिलाओं का हुजूम कांग्रेस-सपा समेत विपक्षी दलों के खिलाफ बैनर-पोस्टर और तख्तियों के साथ आक्रोशित नजर आया। मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर महिला विरोधी राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आधी आबादी अब सबक सिखाएगी।

मुख्यमंत्री आवास से प्रारंभ होकर सिविल हॉस्पिटल होते हुए विधान भवन तक पहुंची इस रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को विधानसभाओं और लोकसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है, किंतु कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके सहित इंडी गठबंधन के दलों द्वारा इसे बाधित करने का प्रयास उनके अलोकतांत्रिक और महिला-विरोधी चेहरे को उजागर करता है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इन दलों को अपनी नकारात्मक छवि सुधारने का अवसर दिया गया था, किंतु इन्होंने उसका दुरुपयोग करते हुए महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय किया। उन्होंने कहा कि देशभर में महिलाएं इस अन्याय के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठा रही हैं और लखनऊ की यह पदयात्रा उसी जनभावना का प्रतीक है। सुबह 7 बजे से ही 5 कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर महिलाओं का पहुंचना शुरू हो गया था। जैसे-जैसे दिन चढ़ा और धूप तेज होती गई, वैसे-वैसे महिलाओं का जोश और आक्रोश भी बढ़ता गया। हाथों में पोस्टर-बैनर लिए महिलाएं समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करती नजर आईं। पदयात्रा शुरू होने से पहले ही मुख्यमंत्री आवास के बाहर हजारों महिलाओं का हुजूम जुट चुका था।

मुख्यमंत्री योगी की अगुवाई में 5-कालीदास मार्ग से निकली जन आक्रोश यात्रा में तिरंगे, तख्तियां और बैनर लेकर शामिल महिलाएं व अन्य।

सूरज से अधिक धधकता दिखा महिलाओं का आक्रोश

- सुबह करीब 10 बजे मुख्यमंत्री आवास से प्रारंभ हुई इस पदयात्रा के समय भी चुभने वाली तेज धूप थी, लेकिन महिलाओं का आक्रोश उससे कहीं अधिक धधक रहा था। सुबह 7 बजे से ही मुख्यमंत्री आवास पर महिलाओं का जुटना शुरू हो गया था। हाथों में विपक्ष की कुत्सित राजनीति की निंदा करते हुए स्लोगन लिखी हुईं तख्तियां और 'बहन- बेटियों का अपमान-नहीं सहेगा हिंदुस्तान, महिला अधिकारों पर वार-सपा-कांग्रेस जिम्मेदार, कांग्रेस का हाथ-नारी शक्ति के खिलाफ, नारी के सम्मान में-एनडीए मैदान में' जैसे गूंजते नारों के साथ यह रैली विपक्ष को बेनकाब करती हुई आगे बढ़ी। हर कदम पर महिलाओं का हुजूम साफ संदेश दे रहा था कि आधी आबादी के सम्मान और अधिकारों पर कोई समझौता नहीं, कोई चुप्पी नहीं, कोई माफी नहीं। महिलाओं ने सपा और कांग्रेस के विरुद्ध नारेबाजी की और विपक्ष की महिला-विरोधी मानसिकता को खुलकर चुनौती दी।

सपा के विरोध में बैनर लहराती महिला।

तख्तियां और पोस्टर पर दिखे विपक्ष के खिलाफ तीखे संदेश

पदयात्रा में शामिल महिलाओं के हाथों में तख्तियां और पोस्टर थे, जिन पर विपक्ष के खिलाफ तीखे संदेश लिखे थे। 'सपा की पहचान—नारी शक्ति का अपमान', 'महिला आरक्षण पर घटिया राजनीति बंद करो', 'आधी आबादी का हक दिलाओ' जैसे नारों ने पूरे माहौल को गरमा दिया। महिलाओं ने एक स्वर में कहा कि उनके अधिकारों के साथ समझौता स्वीकार नहीं है। यह विरोध केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सम्मान और बराबरी की लड़ाई है। नारों की गूंज ने यह स्पष्ट कर दिया कि महिलाएं अब अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और मुखर हो चुकी हैं।

पूरे मार्ग पर दिखा अनुशासन और उत्साह का अद्वितीय संगम

- राजधानी लखनऊ के लिए यह एक अभूतपूर्व दृश्य था, पूरी सरकार ही सड़क पर थी। हजारों महिलाओं संग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सबसे आगे थे। उनके साथ केंद्रीय राज्य मंत्री व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, सहयोगी दलों के नेता, मंत्रिमंडल के सदस्यों और भाजपा की विभिन्न इकाइयों के पदाधिकारी अग्रिम पंक्ति में चल रहे थे। रैली के दौरान पूरे मार्ग पर अनुशासन और उत्साह का अद्वितीय संगम देखने को मिला। युवा, वृद्ध, छात्राएं और कामकाजी महिलाएं, हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी रही। जगह-जगह आम जनता ने भी तालियों और नारों के साथ इस पदयात्रा का समर्थन-स्वागत और फूल भी बरसाए।

धूप से बचने को सिर पर पंफलेट पहने महिला।

मंच से नेताओं ने इस भागीदारी को नारी शक्ति का प्रतीक बताया और महिलाओं के संकल्प को नमन किया। करीब 9 बजे जैसे ही कार्यक्रम ने गति पकड़ी, महिलाओं ने 'नारी शक्ति का अपमान नहीं सहेगा हिन्दुस्तान', 'महिला आरक्षण पर राजनीति बंद करो' जैसे नारों के साथ विरोध दर्ज कराया। पोस्टरों पर विपक्ष पर महिला विरोधी होने के आरोप लिखे हुए थे।

मंच पर पहुंचते ही महिलाओं ने योगी का किया नारों से स्वागत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: करीब 9:40 बजे योगी आदित्यनाथ के मंच पर पहुंचते ही माहौल और उत्साहित हो उठा। महिलाओं ने जोरदार नारे लगाते हुए उनका स्वागत किया। इसके बाद करीब 10 बजे मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पदयात्रा शुरू हुई, जो मुख्यमंत्री आवास से सिविल हॉस्पिटल होते हुए विधान भवन तक पहुंची। तपती धूप के बावजूद हजारों महिलाएं बिना रुके, बिना थके पदयात्रा में शामिल रहीं।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी पूरी यात्रा पैदल तय की। रास्ते भर लोगों ने उनका अभिवादन किया और पदयात्रा में शामिल महिलाओं के समर्थन में नारे लगाए। विधान भवन के सामने समापन पर मुख्यमंत्री ने सभी महिलाओं का आभार जताते हुए कहा कि यह आक्रोश नारी सम्मान के लिए है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

कई जिलों से आईं महिलाएं

- इस पदयात्रा में केवल राजधानी ही नहीं, बल्कि प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई महिलाओं की भागीदारी देखने को मिली। हरदोई, बाराबंकी, उन्नाव और अयोध्या सहित कई जिलों से महिलाएं सुबह-सुबह लखनऊ पहुंचीं। छात्राएं, गृहिणियां और कामकाजी महिलाएं—हर वर्ग की भागीदारी ने इस आयोजन को व्यापक स्वरूप दिया।

जन आक्रोश यात्रा में शामिल मुख्यमंत्री योगी, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य, ओपी राजभर, पंकज चौधरी व अन्य।

मुद्दा | जन आक्रोश पदयात्रा में सरकार के दिग्गजों का विपक्ष पर तीखा प्रहार, महिला आरक्षण रोकने का आरोप, 2027 में राजनीतिक नुकसान की चेतावनी

'एंटी-वुमेन एलाइंस' बना इंडी गठबंधन, भाजपा का हमला तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर राजधानी में आयोजित 'जन आक्रोश पदयात्रा' के दौरान भाजपा और सहयोगी दलों के नेताओं ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में निकली इस पदयात्रा में उपमुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और सांसदों ने एक स्वर में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर महिला विरोधी राजनीति करने का आरोप लगाया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि इंडी एलाइंस अब एंटी-वुमेन एलाइंस साबित हो चुका है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण भाजपा की प्राथमिकता रही है और नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि महिलाओं को आरक्षण नहीं मिला, तो 2027 में सपा-कांग्रेस को कोई वोट नहीं मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार महिलाओं को आरक्षण दिलाकर रहेगी और इसके लिए संघर्ष जारी रहेगा।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की आक्रोशित बहनें सड़कों पर उतरकर सपा और कांग्रेस का बैंड बजा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष की "दुरभिसंधि और संकीर्ण मानसिकता" के कारण संसद में महिला आरक्षण का रास्ता रोका गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की महिलाएं अब इसका जवाब लोकतांत्रिक तरीके से देंगी और आने वाले चुनावों में इसका असर दिखाई देगा। राज्यसभा सांसद अरुण सिंह ने कहा कि संसद में इस विधेयक के विरोध और उसके बाद खुशी मनाना विपक्ष की मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने इसे नारी अधिकारों का अपमान बताते हुए कहा कि देशभर की महिलाएं इसे कभी नहीं भूलेंगी।

पदयात्रा के दौरान हजारों महिलाओं की मौजूदगी ने इस मुद्दे को व्यापक जनसमर्थन का संकेत दिया। हाथों में तख्तियां और नारों के साथ महिलाएं पूरे मार्ग में विपक्ष के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करती नजर आईं। नेताओं का कहना है कि यह सिर्फ एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिला अधिकारों के समर्थन में जनभावना का सशक्त प्रदर्शन है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि महिला मतदाता आने वाले चुनावों में निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का बयान इसी रणनीति की ओर संकेत करता है, जिसमें महिला आरक्षण को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया जा रहा है। यदि यह मुद्दा व्यापक जनसमर्थन हासिल करता है, तो 2027 के विधानसभा चुनाव में इसका सीधा असर देखने को मिल सकता है। खासकर उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में, जहां महिला मतदाताओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है, यह मुद्दा राजनीतिक समीकरण बदलने की क्षमता रखता है।

क्या है विवाद की जड़

- नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर राजनीतिक टकराव तेज हो गया है। यह विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान करता है। सत्तापक्ष का आरोप है कि विपक्ष ने संसद में इसे पारित होने से रोकने की कोशिश की, जबकि विपक्ष इस पर प्रक्रिया और अन्य मुद्दों को लेकर सवाल उठाता रहा है। यही कारण है कि यह विधेयक अब राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गया है। सत्तारूढ़ दल इसे महिला सशक्तिकरण का ऐतिहासिक कदम बता रहा है, जबकि विपक्ष इसे अधूरा या राजनीतिक रूप से प्रेरित बता रहा है।

5-कालीदास मार्ग से निकली जन आक्रोश यात्रा में शामिल छात्राएं। अमृत विचार

40.32 लाख महिलाओं का सहारा बनी विधवा पेंशन

- मुख्यमंत्री का निर्देश, कोई भी पात्र महिला योजना से न रहे वंचित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर सरकार लगातार सक्रिय है। प्रदेश की 40.32 लाख से अधिक विधवा महिलाओं को आर्थिक सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री की स्पष्ट हिदायत है कि कोई भी पात्र महिला योजना से वंचित न रहे।

निदेशालय की निदेशक डॉ. वंदना वर्मा ने बताया कि निराश्रित महिला (विधवा) पेंशन योजना प्रदेश की लाखों महिलाओं के लिए संबल बनकर उभरी है। इस योजना के अंतर्गत सहायता राशि वर्ष में चार किस्तों में दी जाती है। हर तीन महीने की राशि एक साथ लाभार्थियों के खातों में भेजी जाती है। अप्रैल-जून, जुलाई-सितंबर, अक्टूबर-दिसंबर और जनवरी-मार्च—इन चार चरणों में भुगतान सुनिश्चित किया जाता है। वर्ष 2021 में सरकार ने बड़ा निर्णय लेते हुए पेंशन राशि को 500 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये कर दिया था। यह धनराशि सीधे आधार लिंक बैंक खातों में ट्रांसफर की जाती है, जिससे पारदर्शिता बनी रहती है। वर्ष 2016-17 से पहले जहां लगभग 17.31 लाख महिलाएं इस योजना का लाभ ले रही थीं, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 40 लाख से अधिक हो गई है। यह वृद्धि दर्शाती है कि सरकार अधिक से अधिक जरूरतमंद महिलाओं तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। योजना का लाभ केवल उत्तर प्रदेश की स्थायी निवासी उन महिलाओं को मिलता है, जिनके पति का निधन हो चुका है, जिनकी आयु 18 वर्ष से अधिक है और परिवार की वार्षिक आय 2 लाख रुपये से कम है।

न्यूज ब्रीफ

घायल युवती की इलाज के दौरान मौत

अमृत विचार, सरोजनीनगर : सरोजनी नगर के गिन्दन खेड़ा स्थित आनंद विहार कॉलोनी निवासी शिवानी सिंह (25) 11 अप्रैल को बाबा की दवा लेने स्कूटी से जा रही थी। अमौसी एयरपोर्ट के पास बेकाबू कार ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रुप से घायल शिवानी को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। जहां मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। पिता अरुण कुमार सिंह सिटी स्टेशन के पास जनरल स्टोर चलाते हैं। शिवानी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही थी। परिवार में दो बहने और एक भाई है।

निर्माणाधीन मकान में करंट से गाय की मौत

अमृत विचार, लखनऊ : इंदिरानगर अमराई गांव स्थित श्यामनगर कॉलोनी निवासी वीरेंद्र कुमार मौर्या के अनुसार उनके घर के पास निर्माणाधीन मकान है। जहां काम चल रहा है। निर्माण कार्य के दौरान बिजली की आपूर्ति के लिए कटिया डालकर कनेक्शन लिया गया है। सोमवार शाम करीब 6.30 बजे चार माह की गर्भवती गाय को करंट लग गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पीड़ित ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। पुलिस के सामने मौजूद मजदूरों और मुंशी ने कुबूल किया कि गाय की मौत करंट लगने से हुई है। इंदिरानगर इंस्पेक्टर अजय नारायण सिंह के मुताबिक तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

मारपीट में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, हरदोई : कोतवाली के मोहल्ला उधरनपुर मे युवक को मारपीट कर घायल करने के मामले में पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। घायल युवक के पिता रामवीर के अनुसार 19अप्रैल की शाम को मोहल्ले के कीर्ति कुमार रावत ने सोनू अग्निहोत्री, मोहितपाल और आकाश के साथ मिलकर गाली गलौज करते हुए उसके पुत्र संदीप को मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाइक की टक्कर से बच्चा घायल

अमृत विचार, उन्नाव, : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के सहजनी निवासी अनिमेष (10) सुबह करीब साढ़े 10 बजे सड़क पार कर रहा था। तभी शुक्लागंज से उन्नाव जा रहे तेज रफ्तार बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर से बच्चा सड़क पर गिरकर घायल हो गया। घटना के बाद वहां मौजूद लोगों ने उसे उठाया और प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा।

1.93 लाख उपभोक्ताओं को समय पर बिजली नहीं, मुआवजे का हक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- नियामक आयोग को सौंपी गई पावर कॉरपोरेशन की रिपोर्ट ने खोली पोल
- आयोग के अगले कदम पर टिकी सभी उपभोक्ताओं की नजरें

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर प्रणाली को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग में पावर कॉरपोरेशन की ओर से सौंपी गई रिपोर्ट से साफ हुआ कि रिचार्ज के बाद भी बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं की बिजली समय पर बहाल नहीं हो सकी।

रिपोर्ट के अनुसार 13 मार्च-26 से 10 अप्रैल के बीच नेगेटिव बैलेंस के चलते लाखों कनेक्शन काटे गए। इनमें से 24,14,179 उपभोक्ताओं ने रिचार्ज किया, लेकिन लगभग 1,93,143 उपभोक्ताओं की बिजली 2 घंटे की निर्धारित समयसीमा के बाद बहाल हुई। नियमानुसार दो घंटे के भीतर आपूर्ति बहाल न होने पर पचास रुपये प्रतिदिन मुआवजा देय है।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने इस मामले को गंभीर बताते हुए सभी प्रभावित उपभोक्ताओं को स्वतः मुआवजा देने की मांग की है। परिषद का कहना है कि 1912 शिकायत प्रणाली में पारदर्शिता नहीं है और उपभोक्ताओं को मुआवजा पाने का कोई प्रभावी तरीका उपलब्ध नहीं है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि कई तिथियों पर 18 से 23 प्रतिशत तक उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति को निर्धारित समय में बहाल नहीं किया जा सका। जो स्मार्ट मीटर प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करता है।

परिषद ने आयोग से मांग की है कि स्टैंडर्ड ऑफ परफॉर्मेंस रेगुलेशन 2019 का कड़ाई से पालन कराया जाए, स्वचालित मुआवजा प्रणाली लागू की जाए और पूरी व्यवस्था की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराई जाए। मामले के तूल पकड़ने के बाद अब आयोग के अगले कदम पर सभी उपभोक्ताओं की नजरें टिकी हैं।

कई इलाकों में आज गुल रहेगी बिजली

अमृत विचार, लखनऊ : शहर के कई इलाकों में बुधवार को फीडर और ट्रांसफॉमरों के मरम्मत का काम किया जाएगा, इससे करीब दो लाख उपभोक्ताओं को बिजली कटौती का सामना करना पड़ेगा। डालीबाग में सुबह 11 से दोपहर दो बजे तक बिजली गुल रहेगी। इससे न्यू बेरी रोड, श्रीराम अपार्टमेंट, पैरामाउंट अपार्टमेंट, हेरिटेज अपार्टमेंट सहित आसपास के क्षेत्र प्रभावित रहेंगे। वहीं कल्याणपुर उपकेंद्र से सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक आपूर्ति बाधित रहेगी। इसके साथ ही अहिबरनपुर उपकेंद्र से पोषित कई इलाकों में सुबह 11 से शाम चार बजे तक बिजली बंद रहेगी। इससे शिवपुरम, श्रीपुरम 60 फीट रोड, शिवलोक, आजाद नगर प्रभावित रहेगा। सरोसा उपकेंद्र से सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक आपूर्ति ठप होने से इब्राहिमगंज, भरोसा, टिकरा, न्यू कांशीराम, नारायनपुर व आसपास के इलाके प्रभावित होंगे।

दुष्कर्म कर वीडियो बना ब्लैकमेल करने वाला गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : सरोजनीनगर थाने में युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। अश्लील वीडियो बनाई। उसे वायरल करने की धमकी दी। इंस्पेक्टर सरोजनीनगर राजदेव प्रजापति के मुताबिक पीड़िता ने 15 नवंबर 2025 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया कि उसकी दोस्ती आजादनगर निवासी उवैश अली से हुई थी। आरोप है कि उवैश ने उसे कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और इसका वीडियो बना लिया। इसके बाद शादी का झांसा देकर लगातार संबंध बनाता रहा। जब पीड़िता ने शादी का दबाव बनाया तो आरोपित मुकर गया और शिकायत करने पर वीडियो वायरल करने व जान से मारने की धमकी देने लगा। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। मंगलवार को पुलिस टीम ने उवैश अली को कामर्शियल तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी बरामद किया है।

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत, साथी घायल

संवाददाता, मलिहाबाद

मोनू गौतम

- रहीमाबाद के राधे लाल ढाबे के सामने सोमवार देर रात हुआ हादसा

अमृत विचारः रहीमाबाद थाना के निकट राधे लाल ढाबे के सामने सोमवार देर रात उल्टी दिशा में जा रहे बाइक सवारों को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक की मौत हो गई और उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। कार चालक की पुलिस कर तलाश रही है।

माल के चमरखेड़ा निवासी संजय के संजय ने बताया कि बेटा मोनू गौतम (24) रहीमाबाद के कुटी गांव में रिश्तेदारी में तिलक समारोह में गया था। वहां जाने के लिए सोमवार देर शाम बाइक से घर से निकला। उसके साथ हरदोई के ढ़िकुन्नी निवासी रवि भी था। देर रात मोनू के मोबाइल से हादसे की जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस के मुताबिक 2 बजे रात बाइक सवार संडीला की तरफ जा रहे थे। रास्ते में कार ने सामने से टक्कर मार दी। बाइक का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को सीएचसी मलिहाबाद में भर्ती कराया, जहां मोनू को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। गंभीर हालत के चलते रवि को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। मोनू के परिवार में मां सरिता व बड़ा भाई राहुल है। रहीमाबाद कार्यवाहक प्रभारी उमेश यादव ने बताया कि सीसीटीवी की मदद से कार का नंबर और गाड़ी की पहचान कर ली गई।प्रार्थना पत्र मिलने पर एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी।

सहारा वेलकेयर हॉस्पिटल संचालक के बयान दर्ज, कुछ दस्तावेज लाई टीम

संवाददाता, बख्शी का तालाब

- नोटिस के बाद भी दस्तावेज नहीं दे पाया प्रबंधन, टीम ने करीब पौन घंटे की पूछताछ

अमृत विचार Follow UP

अमृत विचार : नगर पंचायत महोना स्थित सहारा वेलकेयर हॉस्पिटल कथित 'किराए की कोख' से जुड़े वायरल वीडियो को लेकर विवादों में आ गया है। इंटरनेट मीडिया पर कई दिनों से प्रसारित इस वीडियो में अस्पताल का एक कथित कर्मचारी सौदेबाजी करता नजर आ रहा है। हालांकि, वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। बावजूद इसके, मामला सामने आने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई की रफ्तार सवालों के घेरे में है।

मामले का संज्ञान लेते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ.किसलय वाजपेई ने अस्पताल संचालक को नोटिस जारी कर दो दिनों के भीतर आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। इसमें चिकित्सालय का पंजीकरण प्रमाण पत्र, कार्यरत चिकित्सकों व पैरामेडिकल स्टाफ की सूची, बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र, अग्नि सुरक्षा एनओसी सहित अन्य जरूरी दस्तावेज शामिल थे। निर्धारित समय सीमा के भीतर अस्पताल प्रबंधन कोई भी अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद मंगलवार को मुख्य चिकित्साधिकारी के निर्देश पर गठित जांच टीम अस्पताल पहुंची। एसीएमओ (आरसीएच) डॉ. बीएन यादव के नेतृत्व में टीम ने बंद कमरे में करीब 45 मिनट तक अस्पताल संचालक डॉ.हयात (बीयूएमएस) से पूछताछ कर उनका लिखित बयान दर्ज किया और कुछ दस्तावेज जांच के लिए अपने साथ ले गई। टीम में डॉ.ए.पी. मिश्रा (प्रशासनिक) भी शामिल रहे।

जवाबदेही पर उठे सवाल, कार्रवाई क्यों नहीं

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब अस्पताल आवश्यक दस्तावेज तक प्रस्तुत नहीं कर पाया, तो तत्काल प्रभाव से संचालन पर रोक या कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं की गई। एक सप्ताह से अधिक समय बीतने के बाद भी जांच केवल नोटिस और बयान तक सीमित रहना विभागीय कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न लगा रहा है।स्थानीय लोगों में भी चर्चा है कि यदि इस तरह की गतिविधियां चल रही थीं, तो संबंधित विभागों को इसकी भनक क्यों नहीं लगी।

लेटलतीफी से बढ़ी शंका

संवेदनशील मामले में कार्रवाई में देरी ने जांच की गंभीरता पर संदेह पैदा किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मामलों में त्वरित और दृढ़ कार्रवाई आवश्यक होती है, ताकि संभावित अनियमितताओं पर तुरंत रोक लग सके और साक्ष्य सुरक्षित रह सकें।वहीं अस्पताल की पैनल डॉक्टर प्रियंका त्रिपाठी को भी आज बुधवार को सीएमओ कार्यालय में बयान के लिए बुलाया गया है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि स्वास्थ्य विभाग इस मामले में ठोस कार्रवाई कर जिम्मेदारी तय करता है या जांच महज औपचारिकता बनकर रह जाती है।

दुकान और मकान का ताला तोड़ लाखों की चोरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बिजनौर, मड़ियांव और चिनहट थाने में दर्ज हुई एफआईआर

अमृत विचारः बिजनौर में जनरल स्टोर का शटर तोड़कर और चिनहट व मड़ियांव में बंद मकान का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों रुपये के सामान पार कर दिया। पीड़ितों ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामे की जांच कर रही है।

आलमबाग के प्रेमनगर निवासी कृष्ण मुरारी का बिजनौर स्थित शहीद पथ के पास जनरल स्टोर है। कृष्ण मुरारी के मुताबिक 23-24 मार्च की रात को चोर शटर उखाड़कर अंदर दाखिल हुए। चोरों ने 14 हजार का सामान और चार हजार रुपये नकदी चोरी कर ली। पीड़ित की तहरीर पर करीब एक माह बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज किया है। मूलतः सुल्तानपुर के रहने वाले रणविजय चिनहट के निजामपुर मल्हौर में परिवार समेत रहते हैं। रणविजय के मुताबिक 19 अप्रैल को वह सुल्तानपुर गये थे। घर पर ताला बंद था। चोरों ने ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवर, मोबाइल, गेमिंग डिवाइस और 20 हजार रुपये चोरी कर लिये। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसी तरह मड़ियांव के महेंश चंद्र रावत ने दो युवकों पर घर का सामान चोरी करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित के मुताबिक दोनों युवक उनके घर की एसी, गैस चूल्हा और अन्य सामान ऑटो में भरकर ले गये हैं। इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्रा के मुताबिक तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

बंद मकान का ताला तोड़कर 8 लाख की चोरी

अमृत विचार, काकोरी : पारा के खुशहालगंज गांव निवासी शान बाबू के मकान का ताला चोरों ने 20 अप्रैल की रात को तोड़ दिया। अंदर रखे करीब 8 लाख रुपये के जेवर व 65 हजार नकदी चोरी कर लिये। घटना के समय वह परिवार के साथ कहीं गये थे। जब वह पहुंचे तो अंदर पूरा सामान बिखरा हुआ था। पीड़ित ने पारा थाने में तहरीर दी। पुलिस के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

चोरी हुआ मोबाइल, खाते से निकल गये 90 हजार

अमृत विचार, लखनऊ : हसनगंज गोखरन नाथ रोड डालीगंज निवासी गौरव के मुताबिक 11 अप्रैल की रात अतुल चौराहे के पास उनका मोबाइल किसी ने चोरी कर लिया। इसके बाद पिता इंद्रपाल के खाते से चोर ने 90 हजार रुपये निकाल लिये। इंस्पेक्टर हसनगंज चितवन कुमार के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

विधायक निधिः 12.47 अरब रुपये मंजूर

- हर जनप्रतिनिधि को 2.5 करोड़ 499 सदस्यों को मिलेगा लाभ

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद ने विधान मंडल क्षेत्र विकास निधि के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 12 अरब 47 करोड़ 50 लाख की धनराशि जारी करने की स्वीकृति दी है।

इस राशि में विधानसभा के 403 में से 400 सदस्यों (3 सीटें रिक्त) के लिए 10 अरब तथा विधान परिषद के 100 में से 99 सदस्यों (1 सीट रिक्त) के लिए 2 अरब 47 करोड़ 50 लाख शामिल हैं। इस प्रकार कुल 499 (400 99) जनप्रतिनिधियों को प्रथम किश्त के रूप में प्रति सदस्य 2 करोड़ 50 लाख (जीएसटी सहित) की धनराशि दी जा रही है। उप मुख्यमंत्री ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग निर्धारित दिशा-निर्देशों और शासनादेशों के अनुरूप ही किया जाए। विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना प्राथमिकता होनी चाहिए।

बाइक की टक्कर से अधेड़ की मौत

अमृत विचार, उन्नाव : बहन के घर गए बीमार भाई को देखने जाने के लिए सड़क पार करते समय बाइक की टक्कर से अधेड़ की मौत हो गई। अचलगंज थानाक्षेत्र के मंझरा भिखना गांव निवासी रामविलास (55) असोहा थानाक्षेत्र के सरांय जोगा गांव स्थित एक आन लाइन सामान बेचने वाली कंपनी के वेयर हाउस में मजदूरी करता था।

लापता महिला का बाग में मिला शव

संवाददाता, सफीपुर उन्नाव,

- महिला के चेहरे पर मिले चोट के निशान, पड़ताल में जुटी पुलिस

घटनास्थल की जांच करती पुलिस व फोरेंसिक टीम। अमृत विचार

अमृत विचार। एक दिन पूर्व घर से निकली कस्बा निवासी महिला का 5 किलोमीटर दूर निहालपुर गांव में शव मिलने से सनसनी फैल गई। फॉरेंसिक टीम के साथ एएसपी व सीओ पहुंचे और साक्ष्य एकत्र कर जांच के निर्देश दिए। परिजनों ने उसके शराब का लती बता किसी पर आरोप नहीं लगाया है। लेकिन चेहरे पर चोट के निशान होने से मौत को संदिग्ध मान पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सफीपुर कस्बा के मोहल्ला सराय मुबारक अली निवासी कमलेश मजदूरी के सिलसिले में बाहर रहता है। उसकी 50 वर्षीय पत्नी फूल कुमारी बच्चों के साथ रहती थी। सोमवार सुबह किसी काम से जाने की बात कहकर फूल कुमारी घर से निकली थी। लेकिन वह वापस घर नहीं लौटी। अक्सर उसके घर से गायब रहने की आदत से परिजनों ने भी कोई खोज खबर नहीं की। मंगलवार सुबह कस्बे से 5 किलोमीटर दूर कोतवाली क्षेत्र के निहालपुर गांव के बाहर ग्रामीणों ने अविनाश गौड़ के बाग में एक महिला का शव पड़ा देख पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर एएसपी शैलेन्द्र कुमार, सीओ सोनम सिंह, प्रशिक्षु आईपीएस संचित शर्मा, कोतवाली प्रभारी एसएन त्रिपाठी फोरेंसिक टीम के घटना स्थल पर पहुंचे और साक्ष्य जुटाए। मौके पर शराब के पाउच व खाली गिलास पड़े थे। मृतका की नाक पर चोट के निशान मिले। उधर शव मिलने की सूचना पर कमलेश लोधी के पुत्र जीतू भी वहां पहुंच गया और उसने मृतका की शिनाख्त अपनी मां फूलकुमारी के रूप में की।

जीतू ने बताया कि मां शराब की लती थी। वह अक्सर कई कई दिन घर से गायब रहती थी। उसकी तहरीर पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उसकी मौत से बेटों जीतू, मिथलेश व दिनेश, बेटी नीतू व खुशबू का रो-रोकर बुरा हाल है। सीओ सोनम सिंह ने बताया कि परिजनों ने कोई आरोप नहीं लगाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

रिश्तेदारी मे आये युवक को पीटकर किया घायल

अमृत विचार, हरदोईः कोतवाली के मोहल्ला दिलेरगंज मे रिश्तेदारी मे आये युवक को दो भाइयों ने मारपीट कर घायल कर दिया। घायल युवक के रिश्तेदारों ने भी आरोपियों के साथ मारपीट की है। दोनों पार्टियों ने कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर दी है। शाहजहांपुर के शहर कोतवाली थाना के मोहल्ला हुसैनपुरा निवासी गौतम गुप्ता के अनुसार वह 20 अप्रैल की रात एक वैवाहिक कार्यक्रम मे शाहाबाद आया था। मोहल्ला दिलेरगंज मे उसके साढ़ू धर्मेन्द्र गुप्ता रहते है। वह रात करीब 9 बजे उनके घर मिलने गया था। तभी उसके साढ़ू के पडोसी गौतम रस्तोगी ने अपनी भाई ऋषभ रस्तोगी और साथी प्रांजल गुप्ता के साथ उसे गाली गलौज कर लाठी डंडा सरिया से मारपीट कर घायल कर दिया।

विवाद के बीच फायरिंग से हड़कंप

संवाददाता, हरदोई

मौके पर जांच-पड़ताल करती पुलिस। अमृत विचार

अमृत विचारः पचदेवरा थाने के सहसोगा गांव में दो पक्षों के बीच हुए झगड़े में मंगलवार की देर शाम फायरिंग होने की बात सामने आई है, आरोप है कि हवाई फायर में गोली एक कर में लगी। पुलिस के मुताबिक, मौके से उन्हें कार नहीं मिली। सीसीटीवी में भी कोई सुराग नहीं लगा है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

बताते है कि पचदेवरा थाने के लखनौर की प्रधान मुन्नी देवी हैं। लखनौर के मजरा सहसोगा निवासी उनके पुत्र मनोज हैं। चर्चा है कि लखनौर निवासी सुमित शुक्ला आने वाले पंचायत चुनाव में प्रधान पड़ की दावेदारी करेंगे। मंगलवार की शाम सुमित सरसों का गांव निवासी महिपाल सिंह के यहां आए थे। सुमित का दावा है कि इस दौरान वहां मनोज आ गए। दोनों में गाली गलौज होने लगी। सुमित का आरोप है कि इस दौरान मनोज ने हवाई फायर कर दिया। फायर वहां खड़ी एक कार में लगी। मौके पर अफरा तफरी मच गई। ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर एसएचओ शिवनारायण सिंह पुलिस टीम के साथ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने महिपाल सिंह के मकान के बाहर लगे सीसीटीवी खंगाले। एसएचओ के मुताबिक सीसीटीवी में गोली चलने से संबंधित कोई सुराग अब तक नहीं दिखा है। सुमित द्वारा कार का नंबर बताया गया। नंबर से कर का विवरण निकल गया मालूम चला कि कर दिल्ली के पत्ते पर पंजीकृत है। इससे संबंधित मोबाइल नंबर स्विच ऑफ था।

केजीएमयू

विदेश में छात्राओं से अनैतिक गतिविधियां कराने की आशंका

मेडिकल छात्राओं को विदेश भेजने की थी साजिश!

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में पकड़ा गया फर्जी छात्र हस्साम अहमद से हिंदू छात्राओं को निशाना बनाता था।

प्रारंभिक जांच में ये संदेश सामने आया है कि वह हिंदू छात्राओं को अपने जाल में फंसाकर उन्हें विदेश भेजने की साजिश रच रहा था। विदेश में इन छात्राओं के साथ अनैतिक गतिविधियों की आशंका जताई जा रही है। हिन्दू लड़कियां आसानी से उसके झांसे में आ जाएं इसके लिए वह अपने धर्म के लोगों को जोड़ने के साथ ही एमबीबीएस कर रहे लड़कों को भी जोड़ता था। पूछताछ में आरोपी ने दावा किया कि उसके ट्रस्ट से एसजीपीजीआई और शहर के दो नामी निजी मेडिकल कॉलेजों के डॉक्टर जुड़े हैं। उसने मीडिया के सामने इन डॉक्टरों के नाम भी बताए। हालांकि, इन दावों की सत्यता की जांच की जा रही है।

पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए डॉ.केके सिंह, डॉ.प्रेमराज सिंह, डॉ.ओपी सिंह और डॉ.अमिय अग्रवाल व अन्य।

ऐसे लेता था झांसे में

आरोपी हस्साम अहमद ने स्वीकार किया है कि वह केजीएमयू का डीन बनकर व्हाट्सएप पर छात्रों से संपर्क करता था। उसकी प्रोफाइल फोटो में डीन की तस्वीर लगी होने के कारण छात्र-छात्राएं आसानी से उसके प्रभाव में आ जाते थे। जांच में सामने आया कि आरोपी पहले छात्रों से विश्वास कायम करता, फिर उन्हें एक कथित कॉर्डियो सेवा फाउंडेशन से जोड़ने का लालच देता था। वह फाउंडेशन के नाम पर पुरस्कार, सम्मान और करियर में मदद का झूठा सपना दिखाता था। इसी जाल में फंसकर एक छात्रा पूरी तरह प्रभावित हो गई। उसने बिना अपने परिवार या केजीएमयू प्रशासन को सूचना दिए दिल्ली जाने का फैसला तक कर लिया। पूछताछ के दौरान छात्रा ने बताया कि आरोपी ने उसे कई पुरस्कार मिलने का भरोसा दिलाया था। पत्रकार वार्ता में ट्रॉमा सीएमएस डॉ.प्रेमराज सिंह, डॉ.ओपी सिंह, डॉ.अमिय अग्रवाल, डॉ.भास्कर अग्रवाल, डॉ.अंकुर बजाज डॉ.कुमार शांतनु मौजूद रहे।

निर्माणाधीन इमारत में करंट उतरा, युवक की मौत

अमृत विचार, हरदोई : निर्माणधीन सरकारी इमारत में अचानक करंट उतरने से उसकी चपेट में आए युवक की दर्दनाक मौत हो गई। इसका पता होते ही हादसे के शिकार हुए युवक के घर में कोहराम बरपा हो गया। पुलिस जांच कर रही है। बताया गया है कि कोतवाली देहात के कौढ़ा गांव निवासी 18 वर्षीय सुभाष चंद्र गांव के अपने साथियों विमलेश, सत्यम, नवल और सत्येंद्र के साथ शहर स्थित सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग कार्यालय परिसर में मंगलवार की सुबह निर्माणाधीन इमारत में शटरिंग का काम करने के लिए गए थे। दोपहर बाद वह पानी पीने के लिए सबमर्सिबल का तार बिजली बोर्ड में लगाने गए। उनके साथी सत्यम का दावा है कि इस दौरान बिजली का लगाते समय सुभाष चंद्र को करंट लग गया।

झाड़ियों में फंदे से लटकता मिला दिव्यांग छात्र का शव

संवाददाता, हरदोई, सुरसा

अमृत विचार। इन्टर की पढ़ाई कर रहा दिव्यांग छात्र घर से बगैर बताए निकल गया जा, मंगलवार की सुबह पांचवें दिन उसका शव फांसी पर लटकता हुआ देखा गया, घर वाले आत्महत्या की बात कह रहें है, लेकिन उसकी वज़ह नही बता सके। पुलिस ने शव को कब्ज़े में लेकर उसका पोस्टमार्टम कराया है।

सुरसा थाने के रेंदा पुरवा मजरा तुर्तीपुर निवासी 18 वर्षीय प्रियांशु पुत्र राधेश्याम लखनऊ में रहकर इन्टर की पढ़ाई कर रहा था। पांच भाइयों मे तीन उससे बड़े और दो छोटे है। प्रियांशु एक पैर से दिव्यांग था। पिता राधेश्याम ने बताया कि प्रियांशु एक माह से घर पर था। गुरुवार को वह घर से बगैर बताए निकल गया था,घर वालों को लगा कि वह वापस लखनऊ चला गया होगा,उसी बीच मंगलवार की सुबह राधेश्याम जब शौच करने के लिए खेतों की तरफ पहुंचा,वहां झाड़ियों से बदबू लगी,उसने अन्दर बढ़ कर देखा,जहां नीम के पेड़ मे दुपट्टे के फंदे से उसके दिव्यांग बेटे का शव लटक रहा था,इसका पता होते ही घर-परिवार में कोहराम बरपा हो गया। पिता राधेश्याम ने आत्महत्या करने की बात कही है, लेकिन उसकी वज़ह नही बता सका। सूचना पर वहांपहुंची पुलिस ने शव को कब्ज़े में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया है,उसका कहना है कि रिपोर्ट आने केबाद ही इस बारे में आगे कुछ कहा जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

ग्रामोद्योग को 10 लाख तक ऋण

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए लखनऊ में बेरोजगार युवाओं और युवतियों से आवेदन मांगे गए हैं। इस योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योग स्थापना के लिए अधिकतम 10 लाख रुपये तक का ऋण बैंकों के जरिए उपलब्ध कराया जाएगा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी एके गौतम ने बताया कि जनपद के लिए इस वर्ष 12 इकाइयों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना लागत में सामान्य वर्ग के पुरुष आवेदकों को 10 प्रतिशत और आरक्षित वर्ग के लाभार्थियों को 5 प्रतिशत अंशदान स्वयं करना अनिवार्य होगा। आवेदन के लिए आयु 18 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए और न्यूनतम शैक्षिक योग्यता कक्षा 8 उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। इसके साथ ही, आवेदक ने पूर्व में किसी बैंक या खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड से अनुदानित ऋण न लिया हो। इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जिसमें पासपोर्ट साइज फोटो, शैक्षिक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, परियोजना रिपोर्ट और अन्य आवश्यक दस्तावेज अपलोड करना अनिवार्य होगा।

32 जिलों में लू का अलर्ट 25 अप्रैल तक राहत नहीं

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है और अप्रैल में ही मई-जून जैसी तपिश महसूस की जा रही है। मौसम विभाग ने बुधवार के लिए प्रदेश के सीतापुर, बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, 32 जिलों में लू चलने की चेतावनी जारी की है। अनुमान है कि 25 अप्रैल तक लोगों को इस गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है। पूर्वी और पश्चिमी दोनों क्षेत्रों में गर्मी का असर तेजी से बढ़ा है। खासकर बुंदेलखंड और मध्य प्रदेश से सटे दक्षिणी जिलों में गर्म हवाएं और लू के थपेड़े लोगों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। मंगलवार को 44 .2 डिग्री सेल्सियस के साथ बांदा प्रदेश में सबसे गर्म रहा, जबकि सुल्तानपुर 43 .4 डिग्री और प्रयागराज 43 .2 डिग्री सेल्सियस के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार कई जिलों में लू की स्थिति बनी हुई है।

रत्नेश सिंह बने एसीपी गोमतीनगर

अमृत विचार, लखनऊ : पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर ने मंगलवार देर रात को दो एसीपी के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया। कैसरबाग के एसीपी रहे रत्नेश सिंह को गोमतीनगर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गोमतीनगर के एसीपी बीएन सिंह का पदोन्नत होने के बाद सुल्तानपुर स्थानांतरण हो गया था। वहीं, यातायात में तैनात नवरत्न गौतम को कैसरबाग का एसीपी बनाया है।

गैंगस्टर को तीन साल की सजा, 5 हजार जुर्माना

अमृत विचार, उन्नाव : क्षेत्र में भय व्याप्त कर व गैंग बनाकर अपराध करने के दोषी को कोर्ट ने 3 साल की सजा सुनाई है। वहीं, न्यायाधीश ने उस पर 5 हजार का अर्थदंड भी लगाया है। बता दें कि धनोपार्जन के लिए गैंग बनाकर विभिन्न प्रकार के अपराध करने के आरोप में अचलगंज पुलिस ने सदर कोतवाली क्षेत्र के डीह गांव निवासी सोनू सिंह पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्यवाई की थी। पुलिस ने 1 नवंबर 2019 को उसे पकड़कर कोर्ट में पेश किया था। जहां से उसे जेल भेज दिया गया था। तभी से मुकदमा कोर्ट में विचाराधीन था। मंगलवार को हुई मुकदमे की अंतिम सुनवाई में न्यायाधीश ने अभियोजन पक्ष से विश्वास त्रिपाठी, अलंकार द्विवेदी व हरीश रावत की दलील व साक्ष्य के आधार पर गैंगस्टर सोनू सिंह को 3 साल की सजा सुनाई है।

सांप्रदायिक राजनीति को जनता की ताकत से हराएंगे: अखिलेश यादव

- सीएम के पैदल मार्च पर तंज, सरकार में रहकर विपक्ष की प्रैक्टिस कर रही भाजपा
- महिला आरक्षण पर भी सरकार को घेरा, मजदूर मुद्दे और बिजली घोटाले उठाए

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सांप्रदायिक राजनीति को जनता की ताकत से हराया जाएगा। सपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने मुख्यमंत्री के पैदल मार्च पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में रहकर विपक्ष में आने की तैयारी कर रही है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक पहले ही संसद में 2023 में पारित हो चुका है और सभी दलों का उसमें सहयोग रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपने ही बनाए कानून को लेकर संघर्ष करती दिख रही है, जो अभूतपूर्व है। उन्होंने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा को सत्ता से बाहर कर देगी। इतिहास में पहली बार एकजुट समाज भाजपा को हराएगा। साथ ही, उन्होंने इंडिया गठबंधन के नेताओं को लोकतंत्र की ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई भी दी। महिला आरक्षण के मुद्दे पर सपा अध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा महिलाओं के अधिकार और भागीदारी के पक्ष में रही है। उन्होंने भाजपा पर महिलाओं को आगे बढ़ने से रोकने का आरोप लगाते हुए कहा कि हमने उनकी मंशा को सफल नहीं होने दिया।

अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए कहा कि झूठ बोलने में भाजपा हिटलर राज से भी आगे निकल गई है। उन्होंने कहा कि संसद में पारित और अधिसूचित विधेयक को लेकर गलत बयानबाजी की जा रही है। उन्होंने महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ-साथ सुरक्षा और संरक्षण की आवश्यकता पर भी जोर दिया। गाजीपुर की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सपा का प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिलेगा और पार्टी हर संभव कानूनी व आर्थिक मदद करेगी।

'मुझे ऐसा मित्र नहीं चाहिए'

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लोकसभा में 'मित्र' कहे जाने के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि उन्होंने उसी समय स्पष्ट कर दिया था कि उन्हें ऐसा मित्र नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री ही बता सकते हैं कि उन्होंने उनकी क्या मदद की। यह बयान उन्होंने परिसीमन बिल पर चर्चा के संदर्भ में दिया, जब संसद में प्रधानमंत्री ने उन्हें अपना मित्र बताया था।

सीमा राजभर को मिली बड़ी जिम्मेदारी

- अखिलेश यादव ने बलिया की रहने वाली सीमा राजभर उर्फ भावना को महिला सभा का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। सीमा राजभर पहले ओमप्रकाश राजभर की पार्टी सुभासपा से जुड़ी रही हैं और सपा छात्रसभा में राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी निभा चुकी हैं। उनकी नियुक्ति को पूर्वांचल की राजनीति में बड़ा संदेश माना जा रहा है।

1126 अधोमानक पानी की बोतलें जब्त

अमृत विचार, लखनऊ: रेलवे ने सत्याग्रह एक्सप्रेस, वैशाली एक्सप्रेस, आम्रपाली एक्सप्रेस तथा सिलचर एक्सप्रेस में अवैध वेंडरों के विरुद्ध जांच की गई। इसमें 1126 अधोमानक पेयजल बोतलें पकड़ी गईं। ये बोतलें एल.पी.ओ. में जमा करा ली गई। दो अनाधिकृत वेंडरों को रेलवे सुरक्षा बल को सौंपा गया। मंडल प्रशासन ने इसके साथ ही यात्रियों से अपील की गई है कि स्टेशनों और फुट ओवर ब्रिज पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं, निर्धारित स्थानों से ही रेलवे ट्रैक पार करें।

स्वास्थ्य, ऊर्जा, वित्त और कृषि समेत 17 विशेष सचिव बदले गए

सचिवालय प्रशासन ने अधिकारियों को जल्द कार्यभार ग्रहण करने के दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश सचिवालय प्रशासन 17 विशेष सचिव स्तर के अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। यह सभी स्थानांतरण तत्काल प्रभाव से लागू किए गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार कई महत्वपूर्ण विभागों में अधिकारियों की जिम्मेदारियां बदली गई हैं। विनोद कुमार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से सचिवालय प्रशासन विभाग, प्रभात कुमार को चिकित्सा शिक्षा से ऊर्जा विभाग तथा आनंद प्रकाश सिंह को ग्रामीण अभियंत्रण विभाग से दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग में तैनात किया गया है। इसी क्रम में लाल बहादुर यादव को कृषि विभाग से उपभोक्ता मामले विभाग, विनय कुमार सिंह को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग से धर्मार्थ कार्य विभाग और विनीत प्रकाश को नियुक्ति विभाग से सार्वजनिक उद्यम विभाग भेजा गया है। जय प्रकाश भारती को सूचना विभाग से खाद्य एवं औषधि विभाग तथा सुनील कुमार पाण्डेय को एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन से समाज कल्याण विभाग में नई जिम्मेदारी दी गई है।

इसके अलावा अनिल कुमार को राजस्व विभाग से सहकारिता विभाग, मंजुलता सिंह को गृह/गोपन से अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग, वेद प्रकाश द्विवेदी को गृह-गोपन विभाग से राजनैतिक पेंशन विभाग और महावीर प्रसाद गौतम को वित्त विभाग से नागरिक सुरक्षा विभाग में स्थानांतरित किया गया है। प्रेम कुमार पाण्डेय को वित्त से सचिवालय प्रशासन, उमा द्विवेदी को संस्कृति विभाग से परिवहन विभाग, आनंद कुमार राय को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य से रेशम विकास विभाग, संजय शुक्ला को ऊर्जा विभाग से प्रशासनिक सुधार विभाग तथा राजाराम द्विवेदी को राजस्व विभाग से लोक सेवा प्रबंधन विभाग में तैनाती दी गई है।

आदेश में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि सभी अधिकारी अपने नए तैनाती स्थल पर तत्काल कार्यभार ग्रहण करें। संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। इस फेरबदल में स्वास्थ्य, ऊर्जा, वित्त, राजस्व, कृषि और समाज कल्याण जैसे प्रमुख विभागों पर विशेष ध्यान दिया गया है। कई अधिकारियों को ऐसे विभागों में तैनात किया गया है, जहां योजनाओं का सीधा असर आम जनता पर पड़ता है। विशेष रूप से ऊर्जा, चिकित्सा और ग्रामीण विकास से जुड़े विभागों में बदलाव को प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। शासन की मंशा स्पष्ट है कि प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाई जाए और विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए।

13 संयुक्त सचिवों के भी हुए तबादले

- **अमृत विचार, लखनऊ :** उत्तर प्रदेश सचिवालय प्रशासन विभाग ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए 13 संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार कई अहम विभागों में अधिकारियों की जिम्मेदारियां बदली गई हैं। नई तैनाती पर जल्द कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। अमिताभ श्रीवास्तव को आवास एवं शहरी नियोजन विभाग से गृह विभाग भेजा गया है, जबकि दिलीप कुमार शुक्ला को भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग से पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में तैनाती दी गई है। दुर्गा सिंह को एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन से नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग भेजा गया है। इसी क्रम में रवीन्द्र प्रताप सिंह को पशुधन विभाग से सैनिक कल्याण विभाग, चंद्रशेखर मिश्र को चिकित्सा शिक्षा से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा राजेश प्रताप सिंह को लोक निर्माण विभाग से रेशम विकास विभाग में स्थानांतरित किया गया है। धर्मेंद्र कुमार पाठक को लोक निर्माण से राजस्व विभाग, राज कुमार को औद्योगिक विकास से संस्कृति विभाग और अजीत प्रताप सिंह को सतर्कता विभाग से ग्राम्य विकास विभाग में नई जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा उदयवीर सिंह राठौर को परती भूमि विकास से सचिवालय प्रशासन, कृपा शंकर यादव को न्याय विभाग से कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग, राजेन्द्र कुमार को वित्त से परिवहन विभाग और सजीवन को वित्त से गृह विभाग में तैनात किया गया है।आदेश में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि सभी अधिकारी अपने नए तैनाती स्थल पर तत्काल कार्यभार ग्रहण करें।

प्रधानमंत्री के संभावित दौरे के दृष्टिगत सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक में मौजूद अधिकारी।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में सुरक्षा और व्यवस्था रहे चाक-चौबंद : मुख्यमंत्री

- वाराणसी में सीएम ने की समीक्षा महिला सम्मेलन पर खास फोकस
- स्टेडियम, रोपवे और शहर की स्वच्छता पर भी दिए सख्त निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचे और प्रधानमंत्री के संभावित कार्यक्रम को लेकर सर्किट हाउस में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रहे और किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो।

मुख्यमंत्री ने महिला सम्मेलन के दृष्टिगत सभी तैयारियां समय से पूरी कराने पर जोर देते हुए कहा कि कार्यक्रम स्थल पर महिलाओं के आवागमन की सुचारु व्यवस्था, पर्याप्त पार्किंग और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने निर्देश दिया कि कार्यक्रम से जुड़े सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित और सुरक्षित हों। स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते हुए योगी आदित्यनाथ ने पूरे शहर में साफ-सफाई बेहतर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्ट्रीट डॉग और छुट्टा पशुओं को आश्रय स्थलों में रखने तथा स्ट्रीट वेंडरों के समुचित प्रबंधन की व्यवस्था करने को कहा। आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए मुख्यमंत्री ने रूट डायवर्जन की बेहतर योजना बनाने का निर्देश दिया। बैठक में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के दौरान प्रस्तावित लोकार्पण और शिलान्यास परियोजनाओं की जानकारी भी प्रस्तुत की गई।

विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने रोपवे परियोजना को तेजी से पूरा करने और गंजारी में बन रहे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण को युद्धस्तर पर आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि स्टेडियम का कार्य जुलाई के प्रथम सप्ताह तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने मणिकर्णिका घाट और दालमंडी सड़क चौड़ीकरण कार्य को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री के संभावित दौरे के दृष्टिगत सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

मुख्यमंत्री योगी ने काशी के कोतवाल और बाबा विश्वनाथ के चरणों में झुकाया शीश

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा बैठक के बाद ''काशी कोतवाल'' बाबा कालभैरव एवं श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत दर्शन पूजन किया। इसके बाद उन्होंने बीएलडब्ल्यू का दौरा कर प्रधानमंत्री के संभावित कार्यक्रम की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के साथ श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, स्टाम्प राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, महापौर अशोक तिवारी, विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, राय धर्मेंद्र सिंह, अश्वनी त्यागी, विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, डॉ. अवधेश सिंह, भाजपा के महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि आदि उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण से बनता है समर्पित और वैचारिक कार्यकर्ता : शिव प्रकाश

- दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के तहत भाजपा की जोनल वक्ता कार्यशाला
- यूपी, बिहार और उत्तराखंड के प्रतिनिधियों को मिला वैचारिक व संगठनात्मक प्रशिक्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: भाजपा के राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) शिव प्रकाश ने कहा कि भाजपा में प्रशिक्षण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि कार्यकर्ता निर्माण की सशक्त परंपरा है। प्रशिक्षण के माध्यम से अनुशासित, समर्पित, परिश्रमी और वैचारिक रूप से दृढ़ कार्यकर्ता तैयार होते हैं, जो संगठन, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व को समझते हैं। उन्होंने वक्ताओं को सलाह दी कि वे विषय की गहन तैयारी, सरल प्रस्तुति और प्रभावी संवाद शैली अपनाएं।

वे मंगलवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026 के अंतर्गत एसआर कॉलेज, बख्शी का तालाब में जोनल स्तर की वक्ता कार्यशाला में बोल रहे थे। इसमें उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर जिला स्तर पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षण वर्गों के लिए वक्ता के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि व्यक्ति निर्माण से संगठन निर्माण और संगठन निर्माण से राष्ट्र निर्माण का मूलमंत्र इस प्रशिक्षण का आधार है। राष्ट्रीय मंत्री ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि निरंतर सीखने की प्रवृत्ति ही कार्यकर्ता को दक्ष बनाती है। देश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बूथ और चुनाव प्रबंधन को संगठन की रीढ़ बताते हुए कहा कि प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत बनाता है। उत्तराखंड के प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजय कुमार ने विचार परिवार की अवधारणा को समझाया, जबकि बिहार के भीकूभाई डलसानिया ने संगठन की कार्यपद्धति पर विस्तार से चर्चा की। प्रदेश महामंत्री अमर पाल मौर्य ने देश के समक्ष चुनौतियों पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष नरेश बंसल ने पार्टी के इतिहास और विकास यात्रा को रेखांकित किया, जबकि युवा मोर्चा के वरुण झावेरी ने सोशल मीडिया की बढ़ती भूमिका पर प्रशिक्षण दिया।

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र एवं अजय जामवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही, केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा, उत्तराखण्ड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी, पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रमापति राम त्रिपाठी, डा. महेंद्र नाथ पांडेय, भूपेंद्र चौधरी, प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यशाला में 12 सत्रों की रूपरेखा तय की गई है, जिनके माध्यम से कार्यकर्ताओं को वैचारिक, संगठनात्मक और व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद जिला स्तर पर प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए जाएंगे।

घर में घुसकर मारपीट में पिता व पुत्री घायल

अमृत विचार, हरदोई: पचदेवरा थाना क्षेत्र ग्राम धानीनगरा निवासी विनोद सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 अप्रैल को शाम करीब 6:30 बजे गांव के ही मुकेश सिंह व राजेश सिंह पुत्र सरेपाल सिंह नशे की हालत में उसके घर में घुस आए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर दोनों ने लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी। बचाने पहुंची पुत्री शिवानी सिंह को भी आरोपियों ने पीट दिया।

35 जातियों को मिलेगा आवास योजना का लाभ

- योगी सरकार का बड़ा फैसला, अब सभी अनुसूचित जनजातियां होंगी पात्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि योगी सरकार ने मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का दायरा बढ़ाते हुए अब प्रदेश की सभी अनुसूचित जनजातियों को इसके अंतर्गत शामिल करने का निर्णय लिया है। इससे भुनिया समेत 35 जातियों को योजना का लाभ मिल सकेगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना है। वर्ष 2018 में शुरू हुई इस योजना में शुरुआत में वनटांगिया और मुसहर जातियों को शामिल किया गया था। बाद में कोल, थारू, सहरिया, नट, चेरो, बैगा, बोक्सा, बंजारा और सपेरा जैसी जातियों को जोड़ा गया। अब भोटिया, जौनसारी, राजी, गोंड, धुरिया, ओझा, नायक, पठारी, राजगोंड, खरवार, खैरवार, परहिया, पंखा, पनिका, अगरिया, पटारी, भुइयां व भुनिया समेत अन्य जातियों को भी पात्रता सूची में शामिल कर लिया गया है।

केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि योजना 'संतृप्ति मॉडल' पर आधारित है, जिसके तहत शामिल जातियों के सभी पात्र लाभार्थियों को कम समय में आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा जाता है। उन्होंने कहा कि मुसहर और वनटांगिया समुदाय के अधिकांश पात्र लोगों को पहले ही आवास दिए जा चुके हैं। इस योजना के तहत प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित परिवारों, गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों, निराश्रित महिलाओं और दिव्यांगजनों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार का कहना है कि यह पहल वंचित वर्गों को सम्मानजनक जीवन देने की दिशा में अहम कदम है।

बढ़ते कदम — ग्रीन ट्रांसपोर्ट कॉन्क्लेव में दमदार प्रस्तुति, यूपी के विजन को मिली सराहना

राष्ट्रीय मंच पर चमका यूपी का हरित परिवहन मॉडल

- हरित मोबिलिटी, लॉजिस्टिक्स और आधुनिक अवसंरचना पर पेश किया रोडमैप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: नई दिल्ली में आयोजित ग्रीन ट्रांसपोर्ट कॉन्क्लेव में यूपी ने हरित, आधुनिक और तकनीक-आधारित परिवहन मॉडल की प्रभावशाली प्रस्तुति देकर राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। यूपी स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के सीईओ मनोज कुमार सिंह ने प्रदेश के सतत मोबिलिटी, मजबूत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और भविष्य उन्मुख अवसंरचना के विजन को विस्तार से रखा।

इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय कॉन्क्लेव में देशभर के नीति-निर्माता, उद्योग प्रतिनिधि और विशेषज्ञ शामिल हुए। उद्घाटन नितिन गडकरी ने किया। अपने संबोधन में मनोज कुमार सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश हरित परिवहन, स्वच्छ ऊर्जा आधारित मोबिलिटी और आधुनिक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के जरिए नए मानक स्थापित कर रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में एक्सप्रेस-वे नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ है, जिसमें पूर्वांचल, बुंदेलखंड, गंगा और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे जैसी परियोजनाएं कनेक्टिविटी को मजबूत बना रही हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ई-बसों और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा दे रही है। साथ ही एथेनॉल, बायोगैस और संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) जैसे वैकल्पिक ईंधनों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आधुनिक तकनीकों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट, डिजिटल टोलिंग और रीयल-टाइम मॉनिटरिंग जैसी पहलें भविष्य की मोबिलिटी को नई दिशा देंगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि हरित परिवहन, कुशल लॉजिस्टिक्स और सतत अवसंरचना 'विकसित उत्तर प्रदेश-2047' और ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस प्रस्तुति को राष्ट्रीय मंच पर सराहना मिली, जिससे प्रदेश का विकास मॉडल व निवेश संभावनाएं और मजबूत होकर उभरी हैं।

ग्रीन ट्रांसपोर्ट कॉन्क्लेव में यूपी का दमदार प्रदर्शन, एसटीसी के सीईओ मनोज कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया हरित परिवहन मॉडल।

हरित परिवहन विजन

- उत्तर प्रदेश का फोकस स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन प्रणाली विकसित करने पर है। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा, चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार और सार्वजनिक परिवहन को पर्यावरण के अनुकूल बनाना शामिल है। साथ ही, मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के जरिए सड़क, रेल और जलमार्ग को जोड़ने की दिशा में काम हो रहा है। लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत करने से माल परिवहन तेज और किफायती हो रहा है। यह मॉडल न केवल पर्यावरण संरक्षण में मदद करेगा, बल्कि आर्थिक विकास को भी गति देगा और प्रदेश को वैश्विक निवेश के लिए आकर्षक बनाएगा।

मिशन कर्मयोगी 'साधना सप्ताह' में यूपी दूसरे स्थान पर

- 1.25 करोड़ शिक्षण घंटे पूरे, देश के कुल प्रशिक्षण में 40% योगदान
- 11.3 लाख कर्मचारियों ने न्यूनतम 4 घंटे का प्रशिक्षण पूरा किया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मिशन कर्मयोगी के तहत आयोजित 'साधना सप्ताह' में उत्तर प्रदेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देशभर में दूसरा स्थान हासिल किया है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य के कार्मिकों ने इंटीग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग (आईगोट) प्लेटफॉर्म पर उल्लेखनीय भागीदारी दर्ज कराई।

प्रदेश के 14.25 लाख से अधिक कर्मचारियों ने 1.25 करोड़ से ज्यादा शिक्षण घंटे पूरे किए, जो देश के कुल प्रशिक्षण का लगभग 40 प्रतिशत है। वहीं, 'साधना सप्ताह' (2 से 10 अप्रैल) के दौरान 11.3 लाख कर्मचारियों ने न्यूनतम 4 घंटे का प्रशिक्षण पूरा किया। इसे शासन प्रणाली में गुणात्मक सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। 'ओवरऑल बेस्ट परफॉर्मेंस' श्रेणी में उत्तर प्रदेश को दूसरा स्थान मिलना राज्य की प्रशासनिक क्षमता, अनुशासन और सतत अधिगम के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह उपलब्धि प्रभावी क्रियान्वयन, टीम वर्क और विभागीय समन्वय का परिणाम मानी जा रही है।

मुख्यमंत्री सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और 'उपाम' टीम को दी बधाई

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस उपलब्धि पर सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और नोडल संस्था 'उपाम' की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अभियान की सफलता में विभागीय स्तर पर किए गए समन्वय, निगरानी और प्रोत्साहन की अहम भूमिका रही है। प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना, सांस्कृतिक मूल्यों की समझ विकसित करना और नागरिक-केंद्रित शासन प्रणाली को मजबूत करना है।

हाईवे पर खड़े वाहन में घुसी बाइक, दो युवकों की मौत

सीतापुर में हादसा, लखनऊ में भर्ती रिश्तेदार को देखकर लौट रहे थे

रफ्तार की मार

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार: लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। लखनऊ से वापस अपने गांव लौट रहे बाइक सवार युवक मनवा के पास सड़क किनारे खड़े एक कैंटर से टकरा गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखचे उड़ गए और दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मृतकों की पहचान कोतवाली सिधौली के सिंहपुर निवासी सूरज (25) पुत्र सुशील और नंदराम (30) पुत्र ढोढे के रूप में हुई है। बताते हैं कि दोनों युवक लखनऊ में भर्ती अपने एक परिजन को देखकर वापस घर लौट रहे थे। मनवा के समीप एक पेट्रोल पंप के पास हाईवे किनारे खड़े भारी वाहन से उनकी बाइक जा भिड़ी। एनएचएआई की एम्बुलेंस से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इधर घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए थे।

खाई में पलटी दूल्हा-दुल्हन की कार, चार घायल

जिला अस्पताल में भर्ती दुल्हन। अमृत विचार

पिसावां/सीतापुर : शादी की खुशियां उस समय गम में बदल गईं जब दुल्हन की विदाई कराकर लौट रही एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में पलट गई। हादसे में दूल्हा-दुल्हन समेत चार लोग घायल हो गए, जिनमें नवविवाहित जोड़े की हालत गंभीर बनी हुई है। महोली निवासी शिवम हरदोई से अपनी पत्नी शालू की विदाई कराकर घर लौट रहा था। पिसावां में ओवरटेक करते समय एक साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खाई में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों और पुलिस की मदद से घायलों को बाहर निकाला जा सका। घायल दूल्हा शिवम, दुल्हन शालू, चालक अंकुल वर्मा व एक अन्य को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। दूल्हा-दुल्हन की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

तालाब में डूबने से किशोर की मौत

मिश्रिख, सीतापुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम महमूदपुर मजरा भिठौली में मंगलवार दोपहर दोस्तों के साथ तालाब में नहाने गए किशोर की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजनों के अनुसार, राम भजन का 17 वर्षीय पुत्र विजय अपने साथियों के साथ सीतापुर मार्ग पर कटेहरी पुलिया के पास स्थित तालाब में नहाने गया था। नहाते समय वह अचानक संतुलन खो बैठा और गहरे पानी में समा गया। साथियों द्वारा शोर मचाने पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद विजय को पानी से बाहर निकाला। उसे तत्काल एंबुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिश्रिख ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक विजय अपने तीन भाइयों में सबसे छोटा था और अभी पढ़ाई कर रहा था। उसके पिता ईंट-भट्ठे पर मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। छोटे बेटे की मौत से मां और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

गुलाब की पंखुड़ियों से उतारी जा रही आरती

राम मंदिर

- गर्भगृह में विराजमान रामलला को गर्मी से बचाने के लिए लगाए गए एसी, कूलर

कार्यालय अयोध्या।

अमृत विचार: चिलचिलाती धूप व गर्मी के प्रकोप का असर मंदिरों में भी पड़ रहा है। गर्भगृह में विराजमान भगवान को गर्मी से बचाने के लिए एसी, कूलर लगाए गए हैं। श्री रामलला को गर्मी से बचाने के लिए गुलाब की पत्तियों से भगवान के शरीर को ढक कर रखने के साथ दोपहर में आरती की जा रही है।

राम मंदिर के एक पुजारी ने मंगलवार को बताया कि राम जन्मभूमि परिसर में विराजमान श्री रामलला बालक रूप में पूजा की जाती है। जिस प्रकार से मां अपने बच्चे की सेवा करती है उसे तरह पुजारी आने भगवान की सेवा करते हैं। इसलिए उनको मौसम के अनुसार सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाती है। गर्मी को लेकर गर्भगृह में एसी, पंखा, कूलर, लगाया गया है।

उन्होंने बताया कि श्री रामलला के शरीर को गुलाब के फूलों से ढका जाता है। दर्शन के दौरान भी चारों तरह गुलाब की पंखुड़ी लगाई गई है। दोपहर के समय गुलाब की पत्तियों से आरती की जाती है। उन्होंने बताया कि भोग में बदलाव करते हुए ठंडे व्यंजनों का प्रयोग किया जाता है।

गुलाब की पंखुड़ियों से रामलला की आरती उतारते पुजारी। ● अमृत विचार

मन की आंखों से किये आराध्य के दर्शन

अयोध्या, अमृत विचार : राम मंदिर में बालक रामलला के दर्शन करने मंगलवार को हरियाणा से 30 दृष्टि बाधित बच्चे पहुंचे। बच्चे श्रीराम की प्रतिमा के समक्ष हाथ जोड़े, चेहरे पर अटूट विश्वास एवं श्रद्धा के भाव लिए नेत्र बंद किए खड़े हुए तो वहां मौजूद अन्य भक्त उन्हें ही निहारते रहे। रामलला के दर्शन के बाद इन बच्चों का उत्साह उल्लास बन कर जय श्री राम के जयकारों से फूट पड़ा। एक स्वर में बच्चों के बोल गूंज उठे – बोले ऐसा आभास हो रहा है जैसे हम स्वर्ग में आ गए हों। हरियाणा रोहतक से आई रानी हुड्डा अहलावत ने कहा कि नारी उदय फाउंडेशन व कपिल प्रकाश विद्यालय से श्री राम जी का दर्शन करने के लिए स्कूल के सभी दिव्यांग बच्चे को लेकर आए है। जो आंखों से नहीं लेकिन मन की आंखों से देख सकते हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

गोसाईगंज, अयोध्या, अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला तेलियागढ़ स्थित ठंडी सड़क, प्रजापति गली में रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में बलराम कसौंधन (32) पुत्र ओमप्रकाश की मौत का मामला सामने आया है।

बताया गया कि रविवार दोपहर बलराम तबियत खराब होने की बात कहकर कार्यस्थल से घर लौट आया था। शाम को पत्नी मायके से घर पहुंची और दरवाजा खोलने के लिए आवाज दी, लेकिन अंदर से दरवाजा बंद था।

इसके बाद उसने अपने ससुर को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां बलराम मृत अवस्था में मिला।

घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली प्रभारी अभिमन्यु शुक्ला पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

गोंडा में युवक को मारी गोली, हालत गंभीर

चुनावी रंजिश

परसपुर, गोंडा

अमृत विचार : परसपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डेहरास के गजराज पुरवा में सोमवार देर रात चुनावी रंजिश को लेकर गोलीबारी की सनसनीखेज घटना सामने आई। गांव के ही कुछ लोगों ने आपसी कहासुनी के बाद जिला पंचायत सदस्य परसपुर पंचम के पति भूपेंद्र सिंह पर फायरिंग कर दी। गोली उनके पेट में लगी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना उस समय हुई जब भूपेंद्र सिंह अपने घर के बाहर खड़ी गाड़ी में बैठ कर जा रहे थे। अचानक हुए हमले में गोली लगने से उनका संतुलन बिगड़ गया और उनकी गाड़ी पास के एक पेड़ से टकरा गई। आनन-फानन में परिजन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसपुर ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज गोंडा रेफर किया गया। हालत नाजुक होने के कारण चिकित्सकों ने उन्हें इलाज के लिए लखनऊ भेज दिया है। बताया जा रहा है कि उनके पेट में गोली के छर्रे लगे हैं, जिससे उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने घायल की पत्नी व क्षेत्र की जिला पंचायत सदस्य अनामिका सिंह से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली।

पुलिस अधीक्षक के अनुसार प्रारंभिक जांच में मामला चुनावी रंजिश और आपसी विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पांच पुलिस टीमों का गठन किया गया है, जो विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही हैं।

भूपेंद्र सिंह पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के करीबी हैं और आगामी प्रधानी चुनाव की तैयारी में भी जुटे थे। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। इस सम्बध में थानाध्यक्ष कमल शंकर चतुर्वेदी ने बताया कि संदिग्धों की तलाश की जा रही है। अतिशीघ्र मामले का खुलासा किया जायेगा।

अवध विश्वविद्यालय की मुख्य परीक्षाएं 5 मई से

अयोध्या, अमृत विचार: डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने मंगलवार को सत्र 2025-26 का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत आवासीय परिसर एवं संबद्ध महाविद्यालयों में संचालित स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं 05 मई से प्रारंभ होकर 5 जून तक संचालित होंगी।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक विनय कुमार सिंह ने बताया कि कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देश पर सभी आवासीय परिसरों एवं संबद्ध महाविद्यालयों को नकल-विहीन एवं शुचितापूर्ण परीक्षा संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। परीक्षाएं प्रतिदिन तीन पालियों में आयोजित होंगी। प्रथम पाली सुबह 8:30 से 10:30 बजे तक, द्वितीय पाली पूर्वाह्न 11:30 से दोपहर 1:30 बजे तक और तृतीय पाली दोपहर 2:30 से शाम 4:30 बजे तक होगी। कहा कि स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं वर्णनात्मक (डिस्क्रिप्टिव) होंगी, जबकि अन्य स्नातक एवं परास्नातक की सेमेस्टर परीक्षाएं बहुविकल्पीय प्रश्न पैटर्न पर आयोजित की जाएंगी। यह परीक्षा कार्यक्रम विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट तथा संबंधित महाविद्यालयों के लॉगिन पर उपलब्ध है। मीडिया प्रभारी डॉ. आर एन पांडेय ने बताया कि परीक्षार्थियों की बाद में घोषित की जायेगी। उसी के साथ ही केंद्रों का निर्धारण किया जाएगा।

37 विषयों की पीएचडी प्रवेश परीक्षा कल

अयोध्या, अमृत विचार : अवध विश्वविद्यालय की सीईटी-2024 पीएचडी प्रवेश परीक्षा 24 अप्रैल को दो केंद्रों पर होगी। इसको लेकर मंगलवार को कुलसचिव कार्यालय सभागार में हुई बैठक में प्रवेश परीक्षा समन्वयक प्रो. फर्रुख जमाल ने बताया कि कुल 37 विषयों के 1650 अभ्यर्थी शामिल होगें।

दुष्कर्म के दोषी को उम्रकैद व 70 हजार रुपये जुर्माना

बाराबंकी, अमृत विचार : ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत एक अहम मामले में सजा दिलाई गई है। नाबालिग से रेप के आरोपी को कोर्ट ने उम्रकैद और 70,500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। मामला थाना असन्द्रा क्षेत्र का है, जहां वर्ष 2021 में नाबालिग के साथ दुष्कर्म और जातिसूचक गाली-गलौज की घटना दर्ज की गई थी। मामले में अभियुक्त रामकरन लोध पुत्र अर्जुन, निवासी लोधपुरवा मजरा गंगवाई पठनान को अपर सत्र न्यायाधीश, विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) कोर्ट नंबर-44 ने दोषी ठहराया। अदालत ने उसे आईपीसी के तहत दुराचार व एससी, एसटी एक्ट और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में दोषी मानते हुए यह सजा सुनाई। हालांकि, अदालत ने धारा 308 में आरोपी को दोषमुक्त कर दिया। 18 मई 2021 को पीड़िता के पिता ने थाना असन्द्रा में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोपी पर उनकी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म और जातिसूचक अपशब्द कहने का आरोप लगाया गया था।

अपर मुख्य सचिव ने गौशाला का किया औचक निरीक्षण

बाराबंकी, अमृत विचार: अस्थाई गौवंश आश्रय स्थल जरहरा का अपर मुख्य सचिव मुकेश कुमार मेश्राम द्वारा औचक निरीक्षण करते हुए मौके पर मौजूद 102 मादा गौवंश का पशु संख्या का सत्यापन किया। गौशाला के स्टोर रूम में जाकर पशु आहार की बोरी पर अंकित बैच नंबर को देखा जो गोदरेज कंपनी से क्रय की गई थी। नांद में पशुओं को पीने हेतु स्वच्छ जल देखकर प्रसन्न हुए। अपर मुख्य सचिव ने हरे चारे के अनुबंध के बारे में जानकारी प्राप्त की। गौशाला में जो नैपियर घास की बुआई की गई हैं,उसको गौशाला के शेष क्षेत्र में भी लगाने की निर्देश दिए हैं। उन्होंने मौके पर स्वस्थ पशुओं को देखकर संतोष व्यक्त किया। उक्त निरीक्षण में डॉ. भानु प्रताप प्रजापति प्रभारी उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सदर, पंकज कुमार वर्मा पशुधन प्रसार अधिकारी, अखिलेश कुमार वर्मा के साथ केयरटेकर सतीश कुमार राकेश आलोक अरविंद कुमार मौजूद रहे।

स्टोर रूम का जायजा लेते अपर मुख्य सचिव।

बाराबंकी में नवागत डीएम ईशान प्रताप ने संभाली कमान

बाराबंकी, अमृत विचार : मंगलवार को नवागत जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने बाराबंकी की कमान संभाल ली है। उन्होने जनपद में 65वें जिलाधिकरी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। नवागत जिलाधिकारी 2017 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। इससे पहले वे विशेष सचिव मुख्यमंत्री के पद पर तैनात थे। पद संभालने के पश्चात् जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जनपद में सुशासन एवं पारदर्शिता के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समय से पहुंचे। इस अवसर पर सीडीओ अन्ना सुदन, एडीएम निरंकार सिंह, एडीएम न्यायिक राजकुमार सिंह आदि अधिकारी उपस्थित रहे। उधर निवर्तमान डीएम शशांक त्रिपाठी के स्थानांतरण उपरांत कलेक्ट्रेट परिसर में विदाई समारोह आयोजित किया गया।

लोक सभागार में मौजूद वर्तमान व निवर्तमान डीएम।

अयोध्या में एयरपोर्ट परिसर में लगी आग, हादसा टला

अयोध्या, अमृत विचार : महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एयर साइड क्षेत्र में मंगलवार को अचानक आग लग गई। एयरपोर्ट अधिकारियों की त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया। घटना के समय कुछ देर पहले ही एक विमान की लैंडिंग हुई थी।

पक्षियों को भगाने के लिए एयरपोर्ट स्टाफ द्वारा मंगलवार दोपहर पटाखे दगाए जा रहे थे। इनकी चिंगारी ने एयर साइड की सूखी घास को चपेट में ले लिया और लपटें उठने लगीं। एयरपोर्ट पर तैनात फायर टेंडरों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर काबू पा लिया।

एयरपोर्ट के डायरेक्टर धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि किसी भी तरह की जान-माल की क्षति नहीं हुई है। फायर सर्विस टीम की सतर्कता से आग पर तुरंत काबू पाया जा सका। यह घटना पक्षियों से होने वाले संभावित बर्ड हिट से बचाव के लिए अपनाई जाने वाली सामान्य प्रक्रिया के दौरान हुई।

सूचना

मैने अपना नाम HIBA KAMRAN से बदलकर HIBA KAMRAN BEG रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **W/O-KAMRAN BEG ADD-105/234 PHOOLBAGH POST - G.P.O DIST - LUCKNOW - 226001 (U.P)**

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरा आधार कार्ड में नाम सफीक Safeeq पुत्र नफीस, पता– ग्राम गांधी नगर सिकंदरा कानपुर देहात अंकित है जो शुद्ध और सही है। मेरे इसी सही नाम सफीक Safeeq पुत्र नफीस को विधिक व विभागीय मान्यता प्रदान की जाए। सफीक Safeeq पुत्र नफीस निवासी गांधी नगर सिकंदरा कानपुर देहात।

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरा आधार कार्ड में नाम Mohd Kamran पुत्र मो उस्मान पता ग्राम बारा कानपुर देहात अंकित है जो शुद्ध और सही है। मेरे इसी सही नाम Mohd Kamran पुत्र मो उस्मान को विधिक व विभागीय मान्यता प्रदान की जाए। Mohd Kamran पुत्र मो उस्मान निवासी बारा कानपुर देहात।

सूचना

मैं रशीद अहमद (RASHEED AHMED) पुत्र स्व0 रफीक अहमद (RAFIQ AHMED), निवासी 109, गढ़ी जिन्दौर, परगना व तहसील मलिहाबाद, जिला लखनऊ, उ0प्र0, मेरे डी0एल0 पर मेरा नाम रशीद अहमद सिद्दीकी (RASHEED AHMAD SIDDIQUIE) लिख गया है। जबकि आधार कार्ड पर रशीद अहमद (RASHEED AHMED) लिखा है जो क सही व सत्य है। मैं दो नामों से जाना–व पहचाना जाता है यह दोनों नाम मेरे ही हैं।

सूचना

मैं NITIN पुत्र श्री DURJAN, निवासी–ग्राम–किरहन खेड़ा, पोस्ट–चैत्रा, किरहन खेड़ा, जिला–उन्नाव, उ0प्र0, अपना नाम बदलकर NITIN KUMAR कर रहा हूँ, अब से मुझे NITIN KUMAR के नाम से जाना पहचाना और माना जाये।

सूचना

मेरा पुत्र अरुन मुझे परेशान करता है। मेरे जीवन काल में ही मेरी संपत्ति हड़पना चाहता है। मेरा मानसिक शोषण करता है जिसके चलते आज की तारीख से मैंने उसे अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। अब मेरी संपत्ति से मेरे पुत्र अरुन का कोई वास्ता सरोकार नहीं रहेगा। मैं/ **राम नारायण पुत्र भगौती पाल पूरे मकरहन मजरे व पोस्ट ऐहार तहसील डलमऊ जिला रायबरेली।**

सूचना

सूचित हो कि मेरी पुत्री के जन्म प्रमाणपत्र के अनुसार उसका नाम तय्यबा है जो कि गलत है, मेरी पुत्री का सही नाम बेबी तय्यबा व मां का नाम सलमा परवीन है, जो कि मेरी पुत्री के जन्म प्रमाणपत्र व अन्य सभी अभिलेखों में सही दर्ज कराना आवश्यक है। **मोहम्मद इकबाल, पुत्र मोहम्मद शफी निवासी– 346/112, मेंहदीगंज, लखनऊ।**

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम NASIR था से बदलकर NASEER AHMAD रख लिया है। अब मुझे NASEER AHMAD के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-ABDUL BAREE ADD-VILL-CHANDNAPUR POST-MALLAPUR PS-RAMNAGAR DIST-BARABANKI-225201(U.P.)

सूचना

पहले मेरा नाम ZABED AHMAD था अब मैंने बदलकर अपना नाम MOHMMAD JAVED रख लिया है भविष्य में मुझे MOHMMAD JAVED के नाम से जाना व पहचाना जाये S/O JAMSHED AHMAD R/O SULEMANPUR GANAULI POST RAUZAGAON AYODHYA-224120

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम GAJALA SIDDIQUI था से बदलकर GAZALA SIDDIQUI रख लिया है। अब मुझे GAZALA SIDDIQUI के नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-MATEEN AHMAD ADD-ED-366 SECTOR-Q ALIGANJ SO-DIST-LUCKNOW-226024 (U.P.)

NOTICE

I hereby inform the general public that I have changed my name from MOHAMMAD NASEEB to MO HASEEB. Henceforth, I shall be known and recognized by the name MO HASEEB for all purposes.MO HASEEBS/o TALUK ALIAddress: Village Bhudehari, Post–Ram Sanehi Ghat,District–Barabanki, Uttar Pradesh, Pin–225409

सूचना

सूचित करना है कि मेरा हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2006 अनुक्रमांक 2032995 एवं इंटरमीडिएट व्यक्तिगत परीक्षा वर्ष 2011 अनुक्रमांक 3163941 का अंकपत्र व प्रमाण पत्र खो गया है। **शिवेंद्र शर्मा पुत्र यज्ञ प्रसाद शर्मा निवासी मकान नंबर 502 निकट गांधी पार्क मालवीय नगर गोंडा। (उत्तर प्रदेश) 271001**

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–गोण्डा

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना नोटिस
द्वितीय कॉल

पत्रांक 204/ग्रा0अ0वि0/ ई–निविदा/निर्माण/2026–27   दिनांक 15.04.2026

महामहिम श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड–गोण्डा के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए.बी, सी, एवं डी श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेन्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है।

1– कार्य से सम्बन्धित विवरण निम्नलिखित है।

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत लाख रू0 में (जी0एस0 टी0 छोडकर)	बिड सिक्योरिटी लाख में	निविदा प्रपत्र का मूल्य जी0एस0 टी0 सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
वित्तीय वर्ष 2025–26 में विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि विधान सभा क्षेत्र करनैलगंज योजनान्तर्गत						
1	गोण्डा	नदायनपुर माझा बकियनपुरवा में पक्की सड़क से अनिल शुक्ला के घर तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग का निर्माण कार्य।	13.661	0.27	300+500 + GST	चार माह
02	गोण्डा	पसका पाण्डेयपुरवा में अरूण सिंह के खेत से गोण्डा सालिकराम यादव के घर तक सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य।	15.669	0.31	300+500 +GST	चार माह
03	गोण्डा	धनौरा गोण्डा डेहरास मार्ग से निर्माण सिंह के घर तक रबरमोल्ड इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य।	9.415	0.19	300+500 + GST	चार माह
04	गोण्डा	विकास खण्ड परसपुर की ग्राम पंचायत पसका में सरयू संगन स्थान घाट पर टीनशेड/रैन बसेरा का निर्माण कार्य।	14.136	0.28	300+500 + GST	चार माह

वेबसाइट पर बिक डाक्यूमेंट की उपलब्धता 23.04.2025 से 30.04.2026 तक।
ई–निविदा प्राप्ति के लिए अंतिम तिथि/समय–30.04.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक ।
ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय–30.04.2026 को अपरान्हन् 12.30 बजे।
निविदा आमन्त्रणकर्ता को आई0टी0बी0 के क्लास के अनुसार परिशिष्ट / शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा सभी निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर लागिन करें तथा डाक्यूमेंट को लोड करें।

UP - 250184 दिनांक: 20/04/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग प्रखण्ड–गोण्डा

कार्यालय समुचित सरकार/जिला कलेक्टर, अयोध्या।

संख्या 1527/वि0भू0अ0अ0/2026   दिनांक 16 अप्रैल, 2026

प्रारूप–1
(नियम–3 का उपनियम (1),
सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन हेतु प्रारम्भिक अधिसूचना

भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम–2013 एवं नियमावली–2016 के नियम–3 (1) के अधीन सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सूची में उल्लिखित भूमि को लोक प्रयोजन अर्थात जनपद अयोध्या की सदर तहसील के ग्राम गंजा में महर्षि बाल्मीकि अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के नवीन टर्मिनल भवन तक पहुंच मार्ग के निर्माण हेतु अधिग्रहण किया जाना है।

भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम–2013 की धारा–4(2) के अन्तर्गत भूमि अर्जन की कार्यवाही से पूर्व अग्रिमा ट्रस्ट द्वारा लोकहित में सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन किया जायेगा, जिसका विवरण निम्नवत है:–

1	अपेक्षक निकाय का नाम	लोक निर्माण विभाग, प्रान्तीय खण्ड, अयोध्या।
2	प्रस्तावित भूमि अर्जन का उद्देश्य	जनपद अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के नवीन टर्मिनल भवन तक पहुंचन के लिए मार्ग का निर्माण हेतु।
3	संगठन जिसके द्वारा अध्ययन किया जायेगा	M/S AGRIMAA TRUST
4	संगठन का सम्पर्क विवरण	D-52, III FLOOR STREET NO- 15, WEST VINOD NAGAR, NEW DELHI, 110092 Mob. No. 8826978266, 9811940598
5	भूमि का विवरण–	

जिला	तहसील	ग्राम	गाटा संख्या	प्रस्तावित क्षेत्र (हे0में)
1	2	3	4	5
अयोध्या	सदर	गंजा	337 मि0	0.0807
			339	0.5290
			340	0.0258
			341	0.0071
			372	0.0980
			376	0.0490
			377	0.1112
			379	0.1221
			381	0.0371
			382	0.0404
			383	0.0381
			384	0.0920
			385मि0	0.0028
			386	0.2370
			387	0.0410
			388	0.0403
			389 मि0	0.1406
			398	0.1036
			399	0.1269
		योग	1.9227	

- प्रस्तावित परियोजना से होने वाले लाभ तथा संक्षिप्त विवरण: पर्यटन एवं ओद्योगिक विकास में सहायक।
- परियोजना क्षेत्र और प्रभावित क्षेत्रफलरू–1.9227हे0
- क्या ग्रान सभा और/अथवा भू–स्वामी की सहमति की आवश्यकता है:– प्रस्तावित निजी भूमि को अधिनियम–2013 के अन्तर्गत अर्जित किया जाना प्रस्तावित है।
- सामाजिक समाघात निर्धारण की पूर्ण होने की तिथि: सामाजिक समाघात निर्धारण नियमानुसार 06 माह की अवधि में पूर्ण कराया जाना अपेक्षित है।
- टिप्पणी – कलेक्टर (भूमि अर्जन प्रयोजनार्थ), अयोध्या के कार्यालय में सभी कार्य दिवसों में विस्तृत विवरण देखा जा सकता है।

UP - 250209 दिनांक: 20/04/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

समुचित सरकार
कलेक्टर,

आय छिपाकर भरण-पोषण से नहीं बच सकता पति : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पति द्वारा आय छिपाकर भरण-पोषण से बचने की कोशिश पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि सरकारी नौकरी में होने के बावजूद कोई पति यदि जानबूझकर अपनी वास्तविक आय का खुलासा नहीं करता और कार्यवाही में भाग लेने से बचता है, तो वह न्यायालय की सहानुभूति का पात्र नहीं बन सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पत्नी और नाबालिग पुत्र को दिया गया 16,000 रुपए प्रतिमाह का समेकित भरण-पोषण न्यायसंगत, उचित और पर्याप्त है तथा इसमें हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं बनता है। यह आदेश न्यायमूर्ति मनोज बजाज की एकलपीठ ने मैनपुरी निवासी नीरू सहित संबंधित अन्य आपराधिक पुनरीक्षण याचिकाओं को खारिज करते हुए दिया। कोर्ट ने अपने फैसले में रेखांकित किया कि वर्ष 2009 में विवाह के बाद दंपति लगभग आठ वर्ष साथ रहे, लेकिन 2017 में अलगाव के बाद पत्नी अपने नाबालिग पुत्र के साथ मायके में रहने को विवश हो गई। पत्नी ने पहले सुलह का प्रयास किया, लेकिन विफल रहने पर 2018 में सीआरपीसी की धारा 125 के तहत भरण-पोषण की मांग की, जिस पर 2020 में पारित एकपक्षीय आदेश में 8,000 रुपए प्रतिमाह (पत्नी व पुत्र के लिए संयुक्त) निर्धारित किया गया। कोर्ट ने यह भी पाया कि पति, जो राज्य सड़क परिवहन विभाग में कार्यरत है और लगभग 45,000 रुपए मासिक वेतन प्राप्त करता है, ने न तो समय पर अपना पक्ष रखा और न ही अपनी कुल आय का खुलासा किया। कोर्ट ने इसे जानबूझकर दायित्व से बचने का प्रयास बताते हुए कहा कि यह विश्वास करना कठिन है कि सरकारी सेवा में कार्यरत व्यक्ति बिना जवाब दाखिल किए कार्यवाही को अनदेखा कर दे।

बिना वैधानिक प्रतिबंध के दो कोर्स साथ करने पर नियुक्ति समाप्त करना अवैध

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक ही शैक्षणिक सत्र में दो पाठ्यक्रम पूर्ण करने के संबंध में कहा कि जब तक किसी कानून या नियम में स्पष्ट निषेध न हो, तब तक एक ही शैक्षणिक सत्र में दो पाठ्यक्रम करने के आधार पर नियुक्ति निरस्त करने का आधार नहीं बनाया जा सकता। कोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि धोखाधड़ी या कूटरचना के बिना किसी ठोस आधार के, लगभग तीन दशक की निष्कलंक सेवा के बाद सेवा समाप्ति मनमानी, अनुपातहीन और विधि-विरुद्ध है। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकलपीठ ने मुकेश कुमार शर्मा की याचिका पर पारित किया, जिसमें गौतम बुद्ध नगर के बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा 11 दिसंबर 2025 को पारित सेवा समाप्ति आदेश को चुनौती दी गई थी।

साम्प्रदायिक तनाव पर एनएसए निरोध सही

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गो-हत्या से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि ऐसी घटनाएं केवल 'कानून-व्यवस्था' का साधारण उल्लंघन नहीं हैं, बल्कि वे अपने व्यापक सामाजिक प्रभाव के कारण 'लोक व्यवस्था' को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं। कोर्ट ने माना कि जब किसी घटना से जन-जीवन की सामान्य गति बाधित होती है, साम्प्रदायिक तनाव उत्पन्न होता है और व्यापक जन-आक्रोश फैलता है, तो उसे लोक व्यवस्था का मामला माना जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत निरोधात्मक कार्रवाई को उचित ठहराया जा सकता है। कोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि किसी घटना का आकलन केवल उसके स्वरूप से नहीं, बल्कि उसके वास्तविक प्रभाव और परिणामों के आधार पर किया जाना चाहिए। यह आदेश न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति संजीव कुमार की खंडपीठ ने समीर व अन्य की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज करते हुए पारित किया। याची ने शामली के जिलाधिकारी द्वारा 15 मई 2025 को एनएसए के तहत पारित निरोध आदेश तथा राज्य सरकार द्वारा 12 जून 2025 को पारित पुष्टि आदेश को चुनौती दी थी।

संदेहों से घिरे साक्ष्य के आधार पर दोषसिद्धि बरकरार रखना अनुचित

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1986 के एक हत्या मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि जब अभियोजन की कहानी स्वयं गंभीर विरोधाभासों और संदेहों से घिरी हो तथा मौखिक और चिकित्सीय साक्ष्य में मूलभूत टकराव हो, तो ऐसे मामले में दोषसिद्धि कायम नहीं रह सकती और आरोपी को संदेह का लाभ दिया जाना अनिवार्य है। कोर्ट ने कहा कि यदि घटना की उत्पत्ति और तरीके पर ही संदेह हो, तो अभियोजन अपना मामला संदेह से परे सिद्ध नहीं कर पाता। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने जगदीश की आपराधिक अपील स्वीकार करते हुए पारित किया। ट्रायल कोर्ट ने आईपीसी की धारा 302/34 के तहत पुलिस स्टेशन खागा, फतेहपुर में 18 जुलाई 1986 को दर्ज मामले में आरोपियों को दोषी ठहराया, जिसके विरुद्ध वर्तमान अपील दाखिल की गई। याचियों पर आरोप था कि कुंजल प्रसाद की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कोर्ट ने पाया कि अभियोजन का पूरा मामला मुख्यतः दो प्रत्यक्षदर्शी गवाहों पर आधारित है, लेकिन दोनों के बयान आपस में मेल नहीं खाते। एक ओर जहां गवाहों की उपस्थिति ही संदिग्ध पाई गई, वहीं उनके बयानों में ऐसे विरोधाभास हैं जो मामले की जड़ को प्रभावित करते हैं। कोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि गवाहों के बीच पूर्व शत्रुता मौजूद थी, जो एक ओर अपराध का कारण बन सकती है, वहीं दूसरी ओर अपराध में झूठा फंसाने का मजबूत आधार भी बन सकती है।

न्यूज ब्रीफ

महिला ने लगाया दुष्कर्म का आरोप, केस दर्ज

संतकबीरनगर, अमृत विचार। करीब एक महीने पहले नित्य क्रिया को घर से बाहर गई महिला से गांव के युवक ने दुष्कर्म किया। उलाहना देने पर आरोपी के परिजनों ने गाली गलौज देते हुए जानमाल की धमकी दी। मंगलवार को पुलिस ने इस मामले में आरोपी पर दुष्कर्म, उसकी मां समेत दो अन्य पर गाली-गलौज और जानमाल की धमकी का केस दर्ज किया। 31 वर्षीय महिला का आरोप है कि वह 21 मार्च 2026 को शाम नित्य क्रिया के लिए गई थी। उसी दौरान गांव का अमित कुमार पीछे से पकड़ लिया और दुष्कर्म किया। शोर मचाने पर आरोपी मारपीट कर धमकी देते हुए चला गया। महिला के अनुसार आरोपी की करतूत की शिकायत जब उसके परिजनों से की तो आरोपी की मां और एक अन्य युवक ने भी मारपीट की। पीड़िता ने कोतवाली पहुंच कर तहरीर दी। कोतवाल जय प्रकाश दूबे ने बताया कि आरोपी अमित कुमार पर दुष्कर्म और दो अन्य पर गाली गलौज और धमकी का केस दर्ज किया गया।

गैर इरादतन हत्या में चार आरोपी गिरफ्तार

संतकबीरनगर, अमृत विचार। दुधारा थाना क्षेत्र के परसा झकरिया गांव में जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट में एक व्यक्ति की मौत के मामले में पुलिस ने मंगलवार को चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। परसा झकरिया गांव निवासी नूरजहां ने तहरीर देकर बताया कि उसका अपने पट्टीदार रोजन से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है, जिसका मुकदमा दीवानी न्यायालय में विचाराधीन है। आरोप है कि 16 अप्रैल की शाम को रोजन की पत्नी अजीजुन्निशा, किताबुन्निशा, मजीबुल्लाह और साहिल गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिए। मारपीट के दौरान मोहम्मद हुसैन के सिर पर गंभीर चोट लग गई, जिससे वह कोमा में चले गए और बाद में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

ट्रक ने ऑटो को मारी टक्कर महिला की मौत, 5 लोग गंभीर

घायलों में दो बच्चे भी शामिल, सभी जिला अस्पताल रेफर

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। धनघटा-रामजानकी मार्ग पर मंगलवार शाम दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो बच्चों समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा धनघटा थाना क्षेत्र के दूल्हापार चौराहे के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार, ऑटो रिक्शा धनघटा से पौली की ओर जा रहा था। उसमें कुल छह लोग सवार थे। दूल्हापार चौराहे के पास पहुंचते ही सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो सड़क पर पलट गया और उसमें सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में परसहर गांव निवासी कमरुन्निशा (35) पत्नी मोहम्मद रईस की मौके पर ही मौत हो गई। वह अपने मायके से घर लौट रही थीं। घायलों में दूल्हापार चकिया निवासी राजन, विश्वनाथपुर निवासी रागिनी व उसके दो छोटे बच्चे, तथा महसो बस्ती निवासी सुशीला शामिल हैं। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैंसर पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। एसओ धनघटा दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि ट्रक को कब्जे में लेने के प्रयास किए जा रहे हैं। चालक की पहचान कर उसके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

पिकअप की टक्कर से तीन शिक्षिकाएं घायल

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। सदर थानांतर्गत नेशनल हाईवे के झंडेनगर बाईपास चौराहे पर पिकअप की टक्कर से टेंपो पर सवार तीन शिक्षिकाएं घायल हो गई। घायल शिक्षिकाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत बेहतर है। जानकारी के अनुसार प्राथमिक विद्यालय सेखुईया स्कूल में तैनात तीन शिक्षिकाएं गीता देवी, सुषमा जायसवाल और हाजिरा खातून मंगलवार दोपहर स्कूल की छुट्टी होने पर एक ही टेंपो पर सवार होकर घर लौट रहीं थीं। जिला मुख्यालय जाते समय रास्ते में नेशनल हाईवे के बाई पास झंडेनगर मोड पर एक पिकअप ने टेंपो के पिछले हिस्से में टक्कर मार दी, जिससे टेंपो में सभी लोग घायल हो गए। टेंपो पलटा नहीं लेकिन सभी लोग टेंपो के अंदर ही चोटिल हो गई। सभी शिक्षिकाओं का इलाज प्राइवेट अस्पताल में हो रहा सभी सुरक्षित है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से उतरे चालक को वाहन ने मारी टक्कर, मौत

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। मेंहदावल थाना क्षेत्र में टड़वरिया- सांथा मार्ग पर तूनियाहवां चौराहे के पास सोमवार की देर रात हुए सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। घटना से पीड़ित परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था। मंगलवार को पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। मेंहदावल क्षेत्र के बाराखाल के रहने वाले जितेंद्र पुत्र स्वर्गीय रामकिशुन ने बताया कि उसके बड़े भाई 36 वर्षीय धर्मेंद्र कुमार कस्बे में संचालित एक टेंट हाऊस का ट्रैक्टर चलाते थे। भाई धर्मेंद्र सोमवार की देर रात टेंट का सामान ट्रैक्टर ट्राली पर लादकर सांथा की ओर जा रहे थे। साथ में ट्राली में रक्शा निवासी पंकज पुत्र रामजीवचन और कौवाठोर निवासी हरिनाथ पुत्र कमलेश भी बैठे थे। रात साढ़े तीन बजे के करीब तुनियहवा चौराहे के पास पानी पीने के लिए बड़े भाई धर्मेंद्र ट्रैक्टर- ट्राली सड़क किनारे रोक कर नीचे उतरे। उसी दौरान तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में भाई धर्मेंद्र कुमार को गंभीर चोटे आई। घायल भाई को पहले मेंहदावल सीएचसी और फिर जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया। मंगलवार को सुबह उपचार के दौरान जिला अस्पताल में भाई धर्मेंद्र की मौत हो गई। उनके चार मासूम बच्चे है। पीड़ित भाभी गीता का रो-रो कर बुरा हाल था। एसओ सुरेंद्र सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाऊस भेज दिया गया।

नदी में डूबकर दो किशोरियों की मौत

संवाददाता, श्रावस्ती

अमृत विचार। सोनवा थाना क्षेत्र स्थित नरायनपुर गांव में मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया। राप्ती नदी में नहाने गई दो किशोरियों की नदी में डूबकर मौत हो गई। घंटों तलाश के बाद दोनों का शव बाहर निकाला गया और पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं दो मौतों से परिजनों में कोहराम मचा रहा।

सोनवा थाना क्षेत्र स्थित नरायनपुर गांव निवासी अंशु देवी (11) पुत्री धर्मराज सोनकर व

गुलशाना की फाइल फोटो।

गुलशना (14) पुत्री छोटकऊ आज दोपहर में नहाने के लिए राप्ती नदी में गई थी। नहाते समय दोनों गहरे पानी में चली गई और डूबने लगी। दोनों किशोरियों को डूबता देख आस पास मौजूद लोग बचाने के लिए दौड़े लेकिन तब तक दोनों पानी में डूबकर लापता हो गई। सूचना परिजनों को दी गई। देखते ही देखते घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई। लोगों ने पुलिस को सूचित किया। साथ ही गांव के ही गोताखोर किशोरियों की तलाश करने लगे। घंटो तलाश के बाद दोनों किशोरियों का शव बरामद कर लिया गया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में ले लिया। बताया जाता है कि दोनों परिवार के लोग कई सालों से राप्ती नदी के दूसरी तरफ खेत में घर बनाकर रहते थे। घर के पास ही राप्ती नदी बह रही है। दोपहर में दोनों परिजनों को बिना बताए नहाने के लिए राप्ती नदी पहुंच गई और नहाते समय यह हादसा हो गया।

जीवन में सफलता दिलाती है शिक्षा : उमा

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। ब्लाक संसाधन केन्द्र शोहरतगढ़ क्षेत्र के अन्तर्गत नगर पंचायत शोहरतगढ़ कस्बे में स्थित सरस्वती शिशु मंदिर इन्टर कालेज में मंगलवार को अंक पत्र वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान संगठन चेयरमैन उमा अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि राम मिलन त्रिपाठी रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया।

ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ियों का होगा संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये 04030/04029 आनन्द विहार टर्मिनस-मुजफ्फरपुर-आनन्द विहार टर्मिनस ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन आनन्द विहार टर्मिनस से 22 अप्रैल से 15 जुलाई तक प्रत्येक बुधवार को तथा मुजफ्फरपुर से 23 अप्रैल से 16 जुलाई तक प्रत्येक गुरुवार को 13 फेरों के लिये किया जायेगा। 04030 आनन्द विहार टर्मिनस-मुजफ्फरपुर ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 22 अप्रैल से 15 जुलाई तक प्रत्येक बुधवार को आनन्द विहार टर्मिनस से 09.00 बजे प्रस्थान करेगी। वापसी यात्रा में 04029 मुजफ्फरपुर-आनन्द विहार टर्मिनस ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 23 अप्रैल से 16 जुलाई तक प्रत्येक गुरुवार को मुजफ्फरपुर से 06.15 बजे प्रस्थान करेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी का 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 12, शयनयान श्रेणी के 04, जनरेटर सह लगेज यान का 01 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित कुल 19 कोच लगाये जायेंगे।

वहीं 05064/05063 गोमती नगर-कोलकाता-गोमती नगर वाया गोरखपुर ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन गोमती नगर से 22 एवं 29 अप्रैल को तथा कोलकाता से 23 एवं 30 अप्रैल दो फेरों के लिये किया जायेगा। 05064 गोमती नगर-कोलकाता ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 22 एवं 29 अप्रैल को गोमती नगर से 08.40 बजे प्रस्थान करेगी। वापसी यात्रा में 05063 कोलकाता-गोमती नगर ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 23 एवं 30 अप्रैल को कोलकाता से 15.20 बजे प्रस्थान करेगी।

इसके अलावा 04028/04027 आनन्द विहार टर्मिनल-मुजफ्फरपुर-आनन्द विहार टर्मिनस ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन आनन्द विहार टर्मिनस से 24 अप्रैल से 15 मई तक प्रत्येक शुक्रवार को तथा मुजफ्फरपुर से 25 अप्रैल से 16 मई तक प्रत्येक शनिवार को 04 फेरों के लिये किया जायेगा।

नेपाल से लायी जा रही किशोरी को एसएसबी ने किया रेस्क्यू

रुपईडीहा (बहराइच)

अमृत विचार। 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) रूपईडीहा ने मानव तस्करी के एक प्रयास को विफल करते हुए एक नेपाली नाबालिग लड़की को सुरक्षित रेस्क्यू किया है। इस कार्रवाई में एक संदिग्ध नेपाली युवक को भी गिरफ्तार कर आगे की विधिक कार्रवाई के लिए नेपाल पुलिस के हवाले कर दिया गया।

कमांडेंट गिरीश चन्द्र पाण्डेय के मार्गदर्शन में बीओपी रुपईडीहा के जवानों ने एएचटीयू टीम के साथ संयुक्त रूप से बीआईटी चेकपोस्ट, रुपईडीहा पर नियमित चेकिंग के दौरान यह सफलता हासिल की। सोमवार शाम को नेपाल से भारत की ओर आ रही एक 17 वर्षीय नेपाली किशोरी को एक 22 वर्षीय युवक के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में रोका गया। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान दोनों ने अपने संबंध के बारे में विरोधाभासी जानकारी दी, जिससे सुरक्षा बलों को संदेह हुआ। इसके बाद एसएसबी एवं एएचटीयू टीम ने गहन पूछताछ की और किशोरी के परिजनों से संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया। जांच के दौरान लड़की के पिता से संपर्क होने पर उन्होंने पुष्टि की कि उनकी पुत्री को दो दिन पूर्व एक अज्ञात युवक फुसलाकर अपने साथ ले गया था। साथ मौजूद युवक को उन्होंने पहचानने से इनकार कर दिया।

पाथ-वे दुरुस्त करने, खुले ड्रेनेज बंद करने के निर्देश

स्टेशन पर निरीक्षण करते अपर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे विनोद कुमार शुक्ल।

- **अपर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे ने स्टेशन का किया निरीक्षण**

गोरखपुर, अमृत विचार। अपर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे विनोद कुमार शुक्ल ने मंगलवार को गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन के पश्चिम तरफ सरकुलेटिंग एरिया का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन के पश्चिम तरफ स्थित कैब-वे के पूर्वी एवं पश्चिमी प्रवेश द्वार पर यात्रियों की सुरक्षा हेतु सी.सी.टी.वी. कैमरा लगाने तथा उत्तर तरफ के कैब-वे के सड़क किनारे सौन्दर्यीकरण हेतु पौधा लगाने एवं साफ-सफाई का निर्देश दिया।

अपर महाप्रबन्धक ने पाथ-वे को दुरूस्त करने एवं खुले ड्रेनेज को बन्द करने तथा टूटी-फूटी सड़कों को मरम्मत करने, आरक्षण कार्यालय के निकट खाली पड़ी भूमि पर पार्क बनाकर फूलों के पौधों से सुसज्जित करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्लेटफार्मो पर खुले में पार्सल न रखने तथा उचित रख-रखाव करने के साथ ही रेलवे की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने तथा खाली स्थानों पर पौधे लगाने का निर्देश दिया। उन्होने निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को उत्तर तरफ के कैब-वे पश्चिमी प्रवेश द्वार पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए समुचित प्रकाश की व्यवस्था करने तथा पश्चिमी प्रवेश द्वार के निकट रेलवे सुरक्षा बूथ पर रेलवे सुरक्षा बल की तैनाती, लाइन किनारे दिवाल के निर्माण करने हेतु निदेर्शित किया। साथ ही नालों के खुले मेन होल को शीघ्र बन्द करने तथा यात्रियों को सुरक्षित आवागमन हेतु पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने अनधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश प्रतिबन्धित करने का रेलवे सुरक्षा बल को निर्देश दियाअपर महाप्रबन्धक ने स्टेशन परिसर में चल रहे निर्माण कार्यो को शीघ्र पूरा करने तथा खाली स्थानों पर पौधा रोपण कर सौंदर्यीकरण को बढावा दिये जाने का निर्देश दिया। इस अवसर पर इंजीनियरिंग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, स्टेशन निदेशक रतनदीप गुप्ता सहित मुख्यालय एवं लखनऊ मंडल के वरिष्ठ अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

गोंडा के दुकानदार से दो लाख रुपये की टप्पेबाजी

संतकबीरनगर, अमृत विचार। गोंडा से कपड़ा खरीदने खलीलाबाद आए दुकानदार से दो लाख रुपये की टप्पेबाजी हो गई। घटना की सूचना पर कोतवाली पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम जांच पड़ताल में जुट गई। पुलिस टीम आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाल रही है।

गोंडा जनपद के वजीरगंज थाना क्षेत्र के बालेश्वरगंज के रहने वाले देवेंद्र कुमार भारतीय कॉपी किताब की दुकान चलाते है। उनके भतीजी की शादी है। मंगलवार को खलीलाबाद में कपड़े की खरीदारी करने कार से अपने 22 वर्षीय बेटे आशुतोष और अवनीश सिंह के साथ आए थे। शहर के नेदुला के पास खड़े एक व्यक्ति से कपड़े की अच्छी दुकान के बारे में पूछा। उस व्यक्ति ने उन्हें विश्वास में लिया और उचित दर पर कपड़ा खरीदवाने के लिए कार में बैठ लिया। आरोपी कार सवारों को नई तहसील खलीलाबाद के आगे वन विभाग के कार्यालय के पास ले गया और वहीं कार खड़ी करवा दिया। वहां से करीब 400 मीटर दूर पैदल ही ले गया और एक दुकान पर सभी लोग चाय पीए। चाय पीकर गाड़ी की ओर लौटते दौरान अति विश्वास में देवेंद्र ने रुपये रखा बैग उक्त व्यक्ति को दे दिए। कुछ ही देर में एक कार में सवार तीन लोग गुजरे। अचानक कार रोके और उसी में रूपये रखा बैग लिए उक्त व्यक्ति को बैठा कर फरार हो गए।

तैयारी | जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ बैठक कर दिए निर्देश

होमगार्ड परीक्षा को सकुशल संपन्न कराएं : डीएम

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जनपद में आगामी 25, 26 एवं 27 अप्रैल को आयोजित होने वाली होमगार्ड भर्ती परीक्षा-2026 को सकुशल शांतिपूर्ण के साथ संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन, की उपस्थिति में परीक्षा की तैयारियों को लेकर सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं स्टेटिक ऑफिसर तथा केंद्र व्यवस्थापक के साथ कैम्प कार्यालय पर बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक करते डीएम व एसपी। अमृत विचार

जिलाधिकारी ने कहा कि संबंधित अधिकारीगण अपनी सभी तैयारियां परीक्षा से पूर्व मानकों के अनुरूप सुदृढ़ करने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं नकल विहीन ढंग से संपन्न कराने में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों का बहुत ही अहम योगदान होता है, इसीलिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारीगण आपसी सामंजस्य स्थापित करते हुए मानकों के अनुरूप अपनी-अपनी तैयारियों को अंतिम रूप प्रदान करेंगे एवं संबंधित अधिकारीगण समय से अपनी-अपनी ड्यूटी स्थलों पर पहुंचकर अपने दायित्व का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि आयोजित होने वाली परीक्षा में यदि किसी भी अधिकारी की लापरवाही संज्ञान में आती है तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्यवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं स्टेटिक ऑफिसर तथा केंद्र व्यवस्थापक को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान करते हुए कहा कि उनके द्वारा अपने-अपने परीक्षा केंद्रों पर भ्रमण कर यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि परीक्षा केंद्र पर सभी मूलभूत सुविधाएं एवं सीसीटीवी कैमरे एवं जैमर सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं।

दो अभियुक्तों को 7-7 वर्ष कारावास

कुशीनगर, अमृत विचार: हाटा कोतवाली पर पंजीकृत मुकदमे में अभियुक्तों के विरुद्ध स्थानीय पुलिस व मॉनिटरिंग सेल के द्वारा प्रभावी पैरवी किया गया। जिसके फलस्वरुप न्यायालय द्वारा अभियुक्तों इन्द्रजीत शर्मा पुत्र शिव मूरत शर्मा व अमित उर्फ मन्तोष शर्मा निवासी देवरिया देहात कोतवाली हाटा जनपद कुशीनगर के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाकर अपराध सिध्द करते हुए 07-07 वर्ष का सश्रम कारावास एवं प्रत्येक को 10,000/- रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अभियुक्त को सजा दिलाने में विवेचक उ0नि0 सुबास चन्द रत्ना, एडीजीसी संजीव कुमार सिंह, प्र0नि हाटा संजय दुबे, पैरोकार कां0 दुर्गेश यादव हाटा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पुलिस टीम पर पथराव मामले में दस नामजद व 15 से 20 अज्ञात पर केस

संवाददाता, संतकबीरनगर।

अमृत विचार। मेंहदावल थाना क्षेत्र के तुलसीपुर गांव में मारपीट के विवाद को शांत कराने पहुंची पुलिस टीम पर पथराव किए जाने का मामले में मंगलवार को पुलिस ने 10 नामजद समेत 15-20 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी और वीडियो फुटेज से आरोपियों की पहचान में जुटी हुई है।

दरोगा संजय कुमार वर्मा ने दिए तहरीर में बताया कि 18 अप्रैल को रोडवेज मेंहदावल से आगे तुलसीपुर में कुछ लोगों के बीच विवाद और मारपीट की सूचना मिली थी। सूचना पर वह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, जहां थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिंह भी पहले से मौजूद थे। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर विवाद कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास किया और शांति व्यवस्था कायम करने के लिए कार्रवाई शुरू की। इसी दौरान वहां मौजूद कुछ लोग अचानक उग्र हो गए और एकजुट होकर पुलिस टीम के खिलाफ आक्रामक हो गए। आरोप है कि उन्होंने सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए पुलिसकर्मियों और सरकारी वाहन पर पथराव कर दिया, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई और पुलिसकर्मियों की सुरक्षा पर खतरा उत्पन्न हो गया। एसओ सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मामले में पुलिस ने परशुराम, धर्मेन्द्र उर्फ गोड़े, राहुल, विजय, बेचन, अरविन्द निषाद, अनिल निषाद, शम्भु निषाद, लालधर निषाद और राजन निषाद समेत 10 लोगों को नामजद करते हुए 15-20 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा, पुलिस पर हमला और शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। जल्द ही अन्य आरोपितों की पहचान कर गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

आईएसआईएस के प्रमुख आतंकी को छह साल कैद की सजा

नई दिल्ली। बेंगलुरु स्थित एनआईए अदालत ने युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और आतंकवादी विचारधारा फैलाने के लिए इस्लामिक स्टेट आतंकी संगठन के प्रमुख साजिशकर्ता को छह साल कठोर कारावास की सजा सुनाई। कर्नाटक के शिवमोगा का निवासी अराफात अली जनवरी 2020 में गिरफ्तारी से बचने के लिए देश छोड़कर भाग गया था हालांकि उसे सितंबर 2023 में नई दिल्ली में एनआईए ने गिरफ्तार कर लिया था। एनआईए के अनुसार, अराफात भारत में आतंकवादी विचारधारा का प्रचार करने की साजिश में शामिल था।

वसुंधरा का पत्र सोशल साझा करने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर केस

इंदौर। कांग्रेस की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दावा किया कि महिला आरक्षण के बारे में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का एक पत्र सोशल मीडिया पर साझा करने के लिए पार्टी के तीन कार्यकर्ताओं पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। महिला आरक्षण से संबंधित संशोधन प्रस्ताव लोकसभा में गिरने के बाद वसुंधरा राजे का एक पत्र सोशल मीडिया पर कुछ दिनों से प्रसारित हो रहा है। हालांकि उन्होंने इसका खंडन किया है। कथित तौर पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को लिखे इस पत्र में उन्होंने महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने पर सवाल उठाए हैं।

ठाणे में पूर्व अधिकारी पर कर्मचारी के साथ बलात्कार का केस

ठाणे। ठाणे महानगरपालिका (टीएमसी) के एक सेवानिवृत्त सहायक आयुक्त के खिलाफ पद का दुरुपयोग करते हुए तीन साल की अवधि में एक महिला कर्मचारी के साथ बलात्कार करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता महानगरपालिका में डेटा एंट्री ऑपरेटर के रूप में काम करती थी। उसने आरोप लगाया कि आरोपी उसे अपने किराए के फ्लैट में ले गया, उसके पेय में नशीला पदार्थ मिलाया और उसके साथ बलात्कार किया। आरोप है कि उसने इस घटना का वीडियो बनाया और बाद में उसका इस्तेमाल करके उससे और यौन संबंध बनाने की अनुचित की मांग की।

टैंकों के लिए महत्वपूर्ण उपकरणों की खरीद के लिए किया अनुबंध

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने टी-72 और टी-90 टैंकों के लिए महत्वपूर्ण उपकरणों की खरीद के लिए लगभग 975 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए, जिससे सेना की बारूदी सुरंग क्षेत्र को भेदने की क्षमता बढ़ेगी। दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए। मंत्रालय ने कहा कि उसने बीईएमएल और इंडिया के लिए ट्रॉल असेंबली की खरीद के वास्ते करीब 975 करोड़ रुपये की लागत से समझौते किए हैं।

यूपी सरकार से पूछा... आपके अधिकारी हमारे साथ लुकाछिपी क्यों खेल रहे हैं

नोएडा में हुए घृणा अपराध के मामले में उपयुक्त धाराएं न लगाने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा में 2021 में हुए घृणा अपराध के मामले में पुलिस द्वारा दाखिल अनुपालन हलफनामे को लेकर सख्त नाराजगी जताते हुए मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार से सवाल किया कि आपका जांच अधिकारी इस अदालत के साथ लुकाछिपी का खेल क्यों खेल रहा है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने यूपी सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज से पूछा कि पुलिस ने इस मामले में आईपीसी की धारा 153-बी क्यों नहीं जोड़ी। शीर्ष अदालत ने कहा कि विधि अधिकारी ने 16 फरवरी को उसके समक्ष कहा था कि शिकायत में लगाए गए आरोपों से आईपीसी की धारा 153-बी और 295-ए के तहत दंडनीय अपराधों के आवश्यक तत्व सिद्ध होते हैं और उक्त अपराधों के लिए प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए थी। धारा 295-ए समाज के किसी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के मकसद से जानबूझकर किये गए और दुर्भावनापूर्ण कृत्यों से संबंधित है, जिसमें उनके धर्म या धार्मिक मान्यताओं का अपमान करना शामिल है।

न्यायालय चार जुलाई 2021 को नोएडा में व्यक्तियों के एक समूह द्वारा किये गए कथित घृणा अपराध में दुर्व्यवहार और यातना के पीड़ित एक वरिष्ठ नागरिक की शिकायत पर निष्पक्ष जांच और सुनवाई का अनुरोध करने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा है। नटराज ने पीठ को सूचित किया कि निचली अदालत ने पुलिस को मामले में आगे की जांच करने की अनुमति दे दी है और पुलिस आवश्यक धाराएं जोड़ेगी।

कोर्ट के आदेश पर जोड़ी गई धारा फिर हटा दी

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले कहा था कि प्राथमिकी में आईपीसी की धारा 153-बी और 295-ए के तहत आरोप जोड़े जाने चाहिए थे। वकील ने कहा, धारा 153-बी को फिर से हटा दिया गया है। इस पर पीठ ने राज्य सरकार से पूछा, धारा 153-बी को क्यों नहीं जोड़ा गया। नटराज ने पीठ को आश्वासन दिया कि पुलिस धारा 153-बी जोड़ देगी। शीर्ष अदालत ने जांच अधिकारी को तलब करने की इच्छा जताई, लेकिन नटराज के अनुरोध पर पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया गया। मामले की अगली सुनवाई 19 मई को निर्धारित की गई है। न्यायालय ने विधि अधिकारी से कहा, कृपया अपने अधिकारियों को सूचित करें अन्यथा वे मुसीबत में पड़ जाएंगे।

बंधुआ मजदूरों की तस्करी पर किया सवाल- अब तक क्या कदम उठाए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने श्रम और रोजगार मंत्रालय के सचिव को मंगलवार को एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया, जिसमें बंधुआ मजदूरों की अंतर्राज्यीय तस्करी के मुद्दे से निपटने के लिए उठाए गए कदमों का ब्योरा शामिल हो। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि हलफनामे में यह भी बताया जाना चाहिए कि इस मामले में शीर्ष अदालत से और क्या निर्देश अपेक्षित हैं। पीठ उन लोगों के मौलिक अधिकारों को लागू करने के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिनकी तस्करी बंधुआ मजदूरों के तौर पर की जाती है। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमानी ने पीठ को बताया कि कई घटनाक्रम हुए हैं। उन्होंने कहा, आप सचिव से हलफनामा दाखिल करने के लिए क्यों नहीं कहते। पीठ ने कहा कि अटॉर्नी जनरल ने उसके समक्ष एक नोट पेश किया है, जिसमें मंत्रालय की ओर से उठाए गए कदमों और योजना की स्थिति के बारे में भी जानकारी दी गई है। उसने कहा, हमारा मानना है कि श्रम और रोजगार मंत्रालय के सचिव का हलफनामा दाखिल करना उचित होगा। हलफनामा तीन हफ्ते के भीतर दाखिल किया जाना चाहिए।

दुर्घटना पीड़ितों को अच्छी गुणवत्ता वाले कृत्रिम अंग पाने का अधिकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फैसला सुनाया कि मोटर दुर्घटना पीड़ितों को अच्छी गुणवत्ता वाले कृत्रिम अंग पाने का अधिकार है, जो उनके जीवन का अभिन्न अंग है। कोर्ट ने कहा कि वे लोग जो दुर्घटना में अंग गंवा देते हैं उनके लिए ऐसे कृत्रिम अंग दिव्यांगता दूर करने का तरीका होते हैं। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि कृत्रिम अंग केवल चिकित्सा उपकरण नहीं बल्कि अंग गंवा चुके व्यक्ति के आत्मविश्वास और सशक्तीकरण का एक अनिवार्य हिस्सा है। शीर्ष अदालत ने रेस्टिट्यूटियो इन इंटीग्रम (वापस मूल स्थिति में आना) के कानूनी सिद्धांत का हवाला देते हुए कहा कि अंग गंवा चुके लोगों के लिए कृत्रिम अंग दिव्यांगता दूर करने का तरीका होते हैं। ऐसे उपकरण उन्हें सशक्त बनाने के अलावा, उनके जीवन का अभिन्न अंग हैं, जो उन्हें आत्मविश्वास प्रदान करता है। इसकी अनिवार्यता को केवल दिव्यांग व्यक्ति ही बेहतर ढंग से समझ सकता है। उच्चतम न्यायालय का यह फैसला प्रहलाद सहाय की अपील पर आया, जो 2007 में हरियाणा रोडवेज की बस की टक्कर से दाहिना पैर गंवा बैठे थे।

दिल्ली से बिना महरम 43 महिलाएं हज के लिए रवाना

नई दिल्ली। सऊदी अरब में अगले महीने के अंत में शुरू होने वाली हज यात्रा के लिए 'बिना महरम' (बिना पुरुष साथी) के 40 से ज्यादा महिला यात्रियों का जत्था सोमवार को यहां से मदीना के लिए रवाना हुआ।

दिल्ली हज कमेटी ने बताया कि इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सऊदी एयरलाइंस के जरिए 43 महिलाएं बिना मरहम हज के लिए रवाना हुईं। दिल्ली हज कमेटी की प्रमुख कौसर जहां ने बिना महरम के महिलाओं के हज पर जाने को महिला सशक्तीकरण का उदाहरण बताया। दिल्ली से हज यात्रा पर रवाना होने वाली 43 महिलाओं में से 12 दिल्ली से, 21 उत्तर प्रदेश से, तीन बिहार से, चार जम्मू-कश्मीर से, दो मध्यप्रदेश से और दो उत्तराखंड से हैं।

जब मानवता की हदें पार कर दी जाती हैं तो जवाब निर्णायक होता है : सेना

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी की पूर्व संध्या पर भारतीय सेना ने मंगलवार को आतंकवाद के खिलाफ लड़ने का अपना संकल्प दोहराया और कहा, जब इंसानियत की हदें पार की जाती हैं, तो जवाब निर्णायक होता है। पिछले साल 22 अप्रैल को, आतंकवादियों ने दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 26 लोगों को मार डाला था, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। भारत ने इसके जवाब में 7 मई को एक सैन्य अभियान शुरू किया और पाकिस्तान तथा उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई आतंकी ढांचों को तबाह कर दिया। सेना ने एक्स पर कहा, भारत एकजुट है। इस पोस्ट में एक पोस्टर भी साझा किया गया जिसमें भारत के मानचित्र की छायांकित तस्वीर के साथ कैप्शन है- 'सम बाउंड्रीज शुड नेवर बी क्रॉस्ड' (कुछ हदें कभी पार नहीं की जानी चाहिए)। इसमें अंग्रेजी शब्द 'क्रॉस्ड' का 'ओ' अक्षर सिंदूर की एक कटोरी की तरह चित्रित किया गया है और नीचे सुर्ख लाल रंग में लिखा है इंडिया डज नॉट फॉरगेट (भारत भूलता नहीं है)। भारत ने पहलगाम हमले के बाद गत वर्ष सात-आठ मई की दरमियानी रात को निर्णायक सैन्य कार्रवाई शुरू की थी।

मैच में शर्त लगाने की स्वीकारोक्ति भारी पड़ी कर्नाटक के गृह मंत्री पर प्राथमिकी का आदेश

बेंगलुरु। बेंगलुरु की एक अदालत ने कबड्डी मैच के दौरान कथित तौर पर सट्टेबाजी संबंधी टिप्पणी करने के मामले में कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है।

मंत्री के करीबी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 42वें अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय ने एच. आर. नागभूषण द्वारा दायर एक निजी शिकायत के बाद पुलिस को जांच शुरू करने का निर्देश दिया। अदालत ने तुमकुरु के कोडिगेहल्ली पुलिस को विस्तृत जांच करने का निर्देश भी दिया। सूत्रों के अनुसार, हाल ही में तुमकुरु में आयोजित राज्य स्तरीय प्री-यूनिवर्सिटी कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान लड़कों के फाइनल में दक्षिण कन्नड़ ने विजयपुरा को 36-26 से हराया। पुरस्कार प्रदान करने के बाद परमेश्वर ने मजाक में कहा, "मुझे 500 रुपये का नुकसान हुआ। मैंने उपायुक्त के साथ शर्त लगाई थी कि विजयपुरा की टीम जीतेगी।

संसद में टिप्पणी के लिए पप्पू यादव को बिहार महिला आयोग का नोटिस

पटना, एजेंसी

संसद में महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक के मुद्दे को लेकर महिलाओं पर विवादित टिप्पणी करने के लिए पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को बिहार राज्य महिला आयोग ने नोटिस जारी कर तीन दिनों के भीतर जवाब मांगा है कि क्यों ना उनकी अयोग्यता की सिफारिश करते हुए लोकसभा अध्यक्ष से संपर्क किया जाए।

आयोग की अध्यक्ष अप्सरा ने कहा, हमने पूर्णिया सांसद द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी का स्वतः संज्ञान लिया है। उनके जवाब मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जा सकती है। यादव की महिलाओं को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने 'एक्स' पर कहा, चौंकाने वाला बयान! जब देश नारी शक्ति को आगे बढ़ाने में जुटा है, तब देखिए कांग्रेस समर्थित सांसद क्या कह रहे हैं। भाजपा नेता तुहिन

कहा था- 75% नेताओं की गिद्ध जैसी नजर, सदन में देखते हैं पोर्न वीडियो

पप्पू यादव ने कहा था, महिलाओं पर गिद्ध जैसी नजर किसकी है, यह नेताओं की है। किसी नेता के कमरे से गुजरे बिना 90 प्रतिशत महिलाएं राजनीति नहीं कर सकतीं। नेताओं के रोज के सीसीटीवी फुटेज में यह देखा जा सकता है। यह एक संस्कृति बन चुकी है। यादव ने दावा किया कि दफ्तरों में महिलाओं का शोषण होता है। लोकसभा और विधानसभा महिलाओं को गिद्ध जैसी नजर से देखती है। मैंने सदन में कहा था कि 75 प्रतिशत नेता अश्लील वीडियो देखते हैं। सबके मोबाइल की जांच कर लीजिए। वहां से कुछ मिटता नहीं है।

महिला आयोग की कई सदस्यों की भी राजनेताओं के साथ आपत्तिजनक फोटो

चुनाव प्रचार करने पश्चिम बंगाल गए पप्पू ने नोटिस की जानकारी पर नाराजगी जताई। कहा, महिला आयोग कांच के घर में रहकर पत्थर फेंक रहा है। पूछा- जब मैं पटना में नीट की एक अभ्यर्थी की संदिग्ध यौन उत्पीड़न के बाद मौत को लेकर आंदोलन कर रहा था, तब आयोग कहां था। पप्पू ने कहा कि उन्होंने महिलाओं के बारे में कोई अशोभनीय टिप्पणी नहीं की। मैंने केवल यह तथ्य सामने रखा कि कई महिलाएं उन लोगों के शोषण का शिकार होती हैं, जिन्हें वे अपना मार्गदर्शक मानती हैं। उन्होंने दावा किया कि उनके पास महिला आयोग की कुछ सदस्याओं की राजनीतिक नेताओं के साथ आपत्तिजनक तस्वीरें हैं।

पूछा- नीट छात्रा केस में कहां था आयोग

शिक्षाविद् मधु किश्वर पर एफआईआर

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के रहने वाली महिला की शिकायत के आधार पर शिक्षाविद् मधु किश्वर के खिलाफ सोशल मीडिया पर फर्जी एवं भ्रामक सामग्री फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

चंडीगढ़ पुलिस की एक टीम ने मंगलवार को दिल्ली में किश्वर को नोटिस जारी कर उन्हें 22 अप्रैल को यहां मामले की जांच में शामिल होने के लिए कहा। चंडीगढ़ पुलिस आधिकारिक बयान के अनुसार, शहर के एक शिकायतकर्ता ने 19 अप्रैल को आरोप लगाया कि कुछ फर्जी और भ्रामक सोशल मीडिया पोस्ट और वीडियो क्लिप, जिनमें अश्लील टेक्स्ट और सामग्री विभिन्न सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं द्वारा प्रसारित किए जा रहे हैं, जिनमें वीडियो में दिख रहे व्यक्ति की गलत पहचान बताई गई है। मामले की जांच जारी है। किश्वर प्रधानमंत्री मोदी की बायोग्राफी मोदीनामा लिखने के लिए जानी जाती हैं।

- महिला ने लगाया सोशल मीडिया पर भ्रामक सामग्री फैलाने का आरोप

बिहार के 12 लड़कों को ट्रेन से बचाया

भद्रक/भुवनेश्वर। बिहार के 12 लड़कों को कथित तौर पर तस्करी किए जाने के दौरान ओडिशा में एक ट्रेन से बचाया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह अभियान चाइल्ड लाइन और पुलिस द्वारा एक सूचना के आधार पर चलाया गया था। जिला चाइल्ड लाइन की समन्वयक सुभाषश्री पधिहारी ने कहा, हम भद्रक स्टेशन पर जनशताब्दी एक्सप्रेस में सवार हुए और उन्हें बचाया।

केजरीवाल के खिलाफ कार्रवाई को जनहित याचिका

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय बुधवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और अन्य के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू करने का अनुरोध करने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करेगा।

आरोप हैं कि इन लोगों ने आबकारी नीति मामले से न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को अलग करने का अनुरोध करने वाली पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल की याचिका पर अदालत की सुनवाई के वीडियो अपलोड करने के साथ और उसे साझा किया। वकील वैभव सिंह द्वारा दायर यह जनहित याचिका मुख्य न्यायाधीश डी. के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। सिंह ने अपनी जनहित याचिका में कहा है कि अदालत की कार्यवाही की अनधिकृत रिकॉर्डिंग को सोशल मीडिया पर साझा करना न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर कर सकता है और उच्च न्यायालय के नियमों के तहत भी निषिद्ध है।

आरक्षण विधेयक पर प्रदर्शन के दौरान लगा जाम, भाजपा के मंत्री पर भड़की महिला

मुंबई। मुंबई के वर्ली इलाके में मंगलवार को महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक के विरोध में भाजपा के प्रदर्शन के दौरान जाम से नाराज एक महिला ने महाराष्ट्र सरकार में मंत्री गिरीश महाजन को फटकार लगाई और उनसे वहां से चले जाने को कहा। यह घटना उस समय हुई, जब महाजन विरोध के दौरान विपक्ष को निशाना बनाते हुए एक रैली में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे।

ठाणे: अस्पतालकर्मियों ने पुरानी पेंशन के लिए शुरू की अनिश्चितकालीन हड़ताल

मुंबई। महाराष्ट्र में ठाणे के सिविल अस्पताल के कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन समेत अपनी लंबित मांगों को पूरा करने के लिए मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी।

कई कर्मचारी संघों के नेतृत्व में शुरू गए आंदोलन ने सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। राज्य सरकारी कर्मचारी संघ, समूह डी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महासंघ, तकनीकी कर्मचारी निकायों और नर्स महासंघ ने हड़ताल संयुक्त रूप से बुलाई है। उनकी मांगों में पुरानी पेंशन योजना को लागू करना, सीधी भर्ती प्रक्रियाओं को तुरंत पूरा करने, 1981 के सरकारी प्रस्ताव को पुनर्जीवित करना, स्वास्थ्य कार्ड जारी करने के साथ कैशलेस बीमा योजना और नर्सों को स्थानांतरण से छूट शामिल है। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में नर्सों, तकनीकी कर्मचारियों और चतुर्थ श्रेणी कर्मी ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

तमिलनाडु व पश्चिम बंगाल में प्रचार थमा, मतदान कल

नई दिल्ली, एजेंसी

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में गुरुवार को होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान मंगलवार शाम पांच बजे थम गया। तमिलनाडु की सभी 234 सीटों और पश्चिम बंगाल के पहले चरण के लिए 152 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होगा। मतदान से 48 घंटे पहले जनसभाएं रोक दी जाती है। प्रचार थमने के बाद उम्मीदवार और उनके कार्यकर्ता मतदाताओं से घर-घर जाकर संपर्क साधते हैं। दोनों राज्यों में 23 अप्रैल को मतदान सुबह सात बजे शुरू होगा। पश्चिम बंगाल में 142 सीटों पर दूसरे चरण का चुनाव 29 अप्रैल को होगा।

चुनाव आयोग के अनुसार तमिलनाडु में कुल 4,023 उम्मीदवार मैदान में हैं। मुख्य मुकाबला वर्तमान सत्तारूढ द्रविड़ मनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन और उसके मुख्य प्रतिद्वंदी अन्नाद्रमुक, गैर-भारतीय जनता पार्टी बीच है। अभिनेता सी जोसफ विजय की नई पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम ने कुछ सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय बना दिया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए 23 अप्रैल को 16 जिलों की 152 सीटों पर मतदान होगा। राज्य में चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आयोग ने सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किये हैं और संवेदनशील इलाकों में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल की सघन तैनाती की गयी है। इनमें उत्तर बंगाल के आठ, दक्षिण बंगाल के तीन व जंगलमहल अंचल के पांच जिले शामिल हैं।

- तमिलनाडु की सभी 234 और पश्चिम बंगाल के पहले चरण में 152 सीटों पर पड़ेंगे वोट

रोड शो

तमिलनाडु में चुनाव प्रचार के अंतिम दिन तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने चेन्नई में रोड शो कर वोट मांगे। विजय की नई पार्टी ने राज्य में मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है।

प्रचार थमने से पहले अन्नाद्रमुक ने किए 10 और वादे

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रचार थमने से कुछ ही घंटे पहले, मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने मतदाताओं को लुभाने के लिए 10 नये चुनावी वादों की घोषणा की है। 23 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले, पार्टी ने अपने पहले से घोषित विस्तृत घोषणापत्र के अतिरिक्त इन नयी योजनाओं को पेश किया है। अन्नाद्रमुक महासचिव और राजग के मुख्यमंत्री पद के चेहरे ई. के. पलानीस्वामी ने बयान जारी कर बताया कि सत्ता में आने पर कामकाजी युवाओं को दोपहिया वाहन खरीदने के लिए 10,000 रुपये की सब्सिडी दी जायेगी, जिससे करीब 10 लाख युवाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है।

इसके अलावा श्री पलानीस्वामी ने आम उत्पादक किसानों के लिए एमएसपी निर्धारित करने की घोषणा की। साथ ही निर्माण श्रमिकों और ताड़ के पेड़ों पर चढ़ने वाले किसानों के लिए मुआवजे की राशि में भारी बढ़ोतरी का वादा किया है। श्रमिक की मृत्यु की स्थिति में मृतक के परिवारों को क्रमशः 25 लाख और 20 लाख रुपये का मुआवजा देने की बात कही गयी है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों को रोकने के लिए राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में 24x7 'वार रूम' स्थापित करने और कुड्डालोर व विल्लुपुरम जैसे जिलों में काजू उद्योग में लगी महिलाओं के लिए मुफ्त उपकरण देने की घोषणा की है। सरकारी केबल टीवी के शुल्कों में 50% की कटौती का वादा किया है।

तृणमूल कांग्रेस फिर लौटेगी: ममता

हल्दिया, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस लगातार चौथी बार राज्य की सत्ता में आएगी और कोई नहीं चाहता कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बनाए। पूर्व मेदिनीपुर जिले के हल्दिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने विपक्षी दलों का आह्वान किया कि केंद्र से भाजपा नीत राजग सरकार को हटाने के लिए सब साथ में आएं।

उन्होंने कहा कि भाजपा इस बार पश्चिम बंगाल में चुनाव नहीं जीतेगी। तृणमूल कांग्रेस एक बार फिर सरकार बनाएगी। हम 2026 में ही दिल्ली से भी भाजपा को हटा देंगे।

पीएम मोदी हैं ममता सरकार के सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर: अभिषेक बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता अभिषेक बनर्जी ने मंगलवार को नरेन्द्र मोदी को पश्चिम बंगाल की मौजूदा सरकार का 'सबसे बड़ा ब्रांड एंबेसडर बताया। कहा कि प्रधानमंत्री का झाड़ग्राम में झालमुड़ी खरीदना सबूत है कि टीएमसी ने इस क्षेत्र को माओवादी हिंसा से बचाया है। उन्होंने भाजपा पर जमीनी हकीकतों को नजरअंदाज करते हुए टीएमसी सरकार पर निराधार राजनीतिक हमले करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने कहा कि जो लोग बंगाल की कानून व्यवस्था की आलोचना करते हैं और राज्य को गुजरात, उत्तर प्रदेश या मध्य प्रदेश में बदलने का वादा करते हैं, उन्हें याद करना चाहिए कि 2011 से पहले यहां जीवन कैसा था। ममता बनर्जी की टीएमसी ने 2011 में पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चा को सत्ता से बेदखल कर दिया था। उन्होंने कहा कि उस समय झाड़ग्राम, गोपीबल्लभपुर, लालगढ़, बिनपुर और निताई में लोग दोपहर के बाद घर से बाहर नहीं निकल सकते थे। उस समय प्रधानमंत्री का हेलीकॉप्टर भी झाड़ग्राम में नहीं उतर पाता। लेकिन आज की स्थिति देखिए।

- उनका झाड़ग्राम में झालमुड़ी खरीदना सबूत है टीएमसी ने खत्म की माओवादी हिंसा

घुसपैठियों को बचा रहीं ममता : शाह

शालबनी (प. बंगाल), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी घुसपैठियों को संरक्षण, और वंशवादी राजनीति को बढ़ावा दे रही हैं। राज्य में बाबरी मस्जिद के समान मस्जिद बनाने के प्रयासों का समर्थन कर रही हैं, जिसे भाजपा किसी भी हालत में स्वीकार नहीं करेगी।

शाह ने पश्चिम मेदिनीपुर जिले के शालबनी में चुनाव के पहले चरण से पहले एक रैली को संबोधित करते हुए इस चुनावी मुकाबले को सीधे भाजपा और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के बीच वैचारिक लड़ाई के रूप में पेश करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव घुसपैठ और भ्रष्टाचार से पश्चिम बंगाल को मुक्त कराने का लेकर है। बोले- मैं आपसे कह रहा हूं, 23 अप्रैल को ईवीएम पर कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) का बटन दबाइए और भाजपा की सरकार बंगाल से हर घुसपैठिये को बाहर निकाल देगी। कहा कि ममता जी अपने भतीजे को बंगाल का मुख्यमंत्री बनाना चाहती हैं। शाह ने कहा कि मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि बंगाल का अगला मुख्यमंत्री भाजपा से होगा, जो बंगाल में जन्मा और पला-बढ़ा होगा और बांग्ला बोलेगा। निश्चित रूप से वह भाईपो नहीं, भाजपा का कार्यकर्ता होगा।

जनसभा के दौरान पारंपरिक वाद्ययंत्र बजाकर जनता का अभिवादन करते अमित शाह।

- शालबनी में केंद्रीय गृहमंत्री बोले- हम पश्चिम बंगाल में नहीं बनने देंगे बाबरी मस्जिद

कभी-कभी क्लास बंक करके दोस्तों के साथ मौज-मस्ती करना बेहतर होता है, क्योंकि अब जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो नंबर मुझे हंसाते नहीं, बल्कि यादें हंसाती हैं।

एपीजे अब्दुल कलाम, पूर्व राष्ट्रपति

रणनीतिक साझेदारी

भारत-दक्षिण कोरिया के बीच हुए हालिया समझौते केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि रणनीतिक साझेदारी का नया अध्याय है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और वैश्विक व्यापार में उत्पन्न अनिश्चितताओं के बीच होर्मुज संकट, आपूर्ति श्रृंखला के टूटने और वैश्विक ध्रुवीकरण के इस दौर में भारत और दक्षिण कोरिया द्वारा द्विपक्षीय सहयोग के तहत 25 अहम समझौते करना तथा 2030 तक आपसी व्यापार को 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य इसके एक रणनीतिक उत्तर के रूप में देखा जाना चाहिए। ये समझौते बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के संकेत हैं।

समझौतों का महत्वपूर्ण पहलू यह है कि सहयोग का विस्तार पारंपरिक व्यापार से आगे बढ़कर रणनीतिक और उच्च तकनीकी क्षेत्रों तक है। सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, शिपबिल्डिंग, रक्षा उत्पादन और महत्वपूर्ण खनिज इसके कुछ उदाहरण हैं। 'चिप से शिप' तक का यह विस्तार भारत की उस नीति के अनुरूप है, जिसमें वह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक विश्वसनीय विकल्प बनना चाहता है। दक्षिण कोरिया की उन्नत तकनीक और भारत के विशाल बाजार और श्रमबल का संयोजन इस साझेदारी को स्वाभाविक मजबूती देता है। शिपबिल्डिंग में सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। दक्षिण कोरिया इस क्षेत्र का वैश्विक नेता है और भारत अपनी समुद्री क्षमता बढ़ाने के प्रयास में है। दक्षिण भारत में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड शिपयार्ड और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल औद्योगिक विकास को गति देंगे, बल्कि भारत को इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सामरिक बढ़त भी दिला सकते हैं। रक्षा क्षेत्र में संयुक्त उत्पादन और टेक्नोलॉजी साझेदारी भारत की 'आत्मनिर्भर रक्षा' नीति को गति दे सकती है। वहीं सेमीकंडक्टर और डिजिटल ब्रिज जैसे समझौते भारत की तकनीकी संप्रभुता को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम हैं। यह विशेष महत्वपूर्ण इसलिए है, क्योंकि वैश्विक चिप आपूर्ति पर अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा का गहरा प्रभाव है। इन समझौतों के कई सकारात्मक पहलू हैं, पर कुछ सवाल भी। भारत और दक्षिण कोरिया के बीच व्यापार असंतुलित है, भारत का आयात अधिक है, निर्यात कम। यदि इस असंतुलन को ठीक नहीं किया गया तो यह साझेदारी एकतरफा लाभ की ओर झुक जाएगी। भारत में 700 से कम कोरियाई कंपनियां सक्रिय हैं, जो बहुत कम है। छोटे और मझोले कोरियाई उद्यमों के लिए औद्योगिक टाउनशिप की योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए हमें अपने नियामक ढांचे, भूमि अधिग्रहण और निवेश का वास्तविक प्रवाह तथा श्रम सुधारों में खासी तेजी लानी होगी।

आखिरी बात यह कि पश्चिम एशिया के संघर्ष के चलते यदि समुद्री मार्ग बाधित होते हैं और ऊर्जा कीमतें बढ़ती हैं, तो निवेश और उत्पादन लागत दोनों प्रभावित होंगे। इन सबके बावजूद समझौतों का व्यापक प्रभाव सकारात्मक है। यह भारत को दुनिया में चीन-निर्भर आपूर्ति श्रृंखलाओं के विकल्प के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा। साथ ही इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में एक स्थिर और नियम-आधारित व्यवस्था को बढ़ावा देगा, जो दोनों देशों के साझा हित में है।

प्रसंगवश

स्वच्छ भारत मिशन ने बदली गांवों की तस्वीर

राागिनी कुमारी
एक्टिविस्ट

स्वच्छता किसी भी समाज की बुनियादी पहचान होती है। यह केवल स्वास्थ्य से नहीं, बल्कि सामाजिक विकास और सम्मान से भी जुड़ी होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता का स्तर किसी जिले के समग्र विकास का आईना होता है। अधिकांश ग्रामीण इलाकों में खुले में शौच एक आम समस्या थी। गांवों की गलियों और खेतों के आसपास गंदगी फैली रहती थी, जिससे मलेरिया, डायरिया और टाइफाइड जैसी बीमारियों का खतरा बना रहता था, लेकिन वर्ष 2014 में स्वच्छ भारत मिशन लागू होने के बाद से इस स्थिति में धीरे-धीरे बदलाव देखने को मिला है।

स्वच्छ भारत मिशन ने ग्रामीण क्षेत्र में अहम किरदार अदा किया है, जिसके तहत सरकार द्वारा प्रत्येक पात्र परिवार को शौचालय निर्माण के लिए 12,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है। इस राशि में केंद्र और राज्य सरकार का संयुक्त योगदान होता है, जिसमें लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार और 40 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार का होता है। इस सहायता राशि ने गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवारों को अपने घर में शौचालय बनवाने के लिए प्रेरित किया। दूसरी ओर अब गांवों की सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर पहले की तुलना में कम गंदगी दिखाई देती है। लोग घर के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित हुए हैं।

केंद्र और राज्य सरकार ने स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए कई अन्य योजनाएं भी लागू की हैं। स्वच्छ भारत मिशन के दूसरे चरण में अब केवल शौचालय निर्माण ही नहीं, बल्कि ठोस और तरल कचरा प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके तहत गांवों में कचरा संग्रहण केंद्र, कम्पोस्ट गड्ढे और प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाइयों के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। छोटे गांवों के लिए प्रति व्यक्ति लगभग 60 रुपये तक ठोस कचरा प्रबंधन और 280 रुपये तक गंदे पानी के प्रबंधन के लिए सहायता दी जाती है। इससे गांवों में स्वच्छता बनाए रखने की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित हो रही है।

वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में भी स्वच्छता को एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में शामिल किया गया है। इस बजट में स्वच्छ भारत मिशन के लिए कुल लगभग 9,692 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम के लिए 7,192 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए यह राशि महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

गांव के विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालय निर्माण होने से बच्चों, विशेषकर लड़कियों की उपस्थिति में भी सुधार हुआ है। इससे न केवल स्वच्छता बढ़ी है, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसके बावजूद चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। कई बार शौचालय बनने के बाद भी उसका नियमित उपयोग नहीं किया जाता या उसकी साफ-सफाई पर ध्यान नहीं दिया जाता।

इसी प्रकार कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण के लिए पर्याप्त संसाधनों और तकनीकी ज्ञान की कमी भी एक बड़ी समस्या है। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी और पुराने व्यवहार भी इस दिशा में बाधा बनते हैं, इसलिए केवल सरकारी योजनाएं ही नहीं, बल्कि सामुदायिक सहभागिता भी इस अभियान की सफलता के लिए आवश्यक है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं)

नया समझौता भारत-रूस मैत्री का अहम पड़ाव

दिग्विजय सिंह
कानपुर

रूस, भारत का स्वाभाविक मित्र है। जब भी भारत पर किसी भी तरह का संकट आया, रूस ने संकटमोचक की भूमिका अदा की। रूस को अपने पाले में करने के लिए पाकिस्तान ने एड़ी-चोटी का जोर लगा रखा है, लेकिन भारत और रूस के बीच हुए एक अहम समझौते ने न सिर्फ पाकिस्तान को परेशान कर दिया है, बल्कि चीन और अमेरिका जैसे देश भी सकते में हैं। अमेरिका तो कभी नहीं चाहता कि रूस और भारत की दोस्ती बनी रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो इस दोस्ती को खत्म कराने के लिए एक के बाद एक चाल चली, लेकिन वे कामयाब नहीं हुए। भारत की रूस से दोस्ती और गहरी हो गई।

भारत और रूस के बीच हुए अहम समझौते के तहत अब दोनों देश एक-दूसरे के देश में तीन हजार सैनिकों के अतिरिक्त 10 लड़ाकू विमान, पांच युद्धपोत तैनात कर सकेंगे। दशकों पुराने दोनों रणनीतिक साझेदारों के बीच हुआ ये ऐतिहासिक करार से पाकिस्तान के हुक्मरान चिंतित हैं। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ इस वक्त क्वाड और नाटो की तर्ज पर ही इस्लामिक नाटो का खाका खींचने में लगे हुए हैं। उनके इस प्लान को तुर्किए, मिश्र और सऊदी अरब ने समर्थन दिया है। इससे भारत की चिंता बढ़ी है।

पाकिस्तान के दोगलेपन का जो इतिहास है, उससे यह सभी को पता है कि इस्लामिक नाटो यदि बन भी जाता है, तो बहुत दिन तक टिक नहीं पाएगा, क्योंकि पाकिस्तान स्वार्थी देश है और जहां उसे लगेगा कि इस गठबंधन से उसका आर्थिक नुकसान हो रहा है, तो वह तुरंत बाहर भी आ जाएगा। पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच नाटो की तरह ही पिछले वर्ष समझौता हुआ था। इसके तहत इनमें से किसी भी देश पर हमला दोनों देशों पर हमला माना जाएगा, लेकिन ईरान द्वारा सऊदी अरब पर की गई बमबारी के दौरान पाकिस्तानी सेना चुप रही। उसने सऊदी अरब की तरफ से ईरान को कोई जवाब नहीं दिया।

भारत और रूस के बीच लॉजिस्टिक्स सपोर्ट के पारस्परिक आदान-प्रदान के इस समझौते से अब पूरी दुनिया को पता लग गया है कि यह दोस्ती अटूट है। उसे न तो ट्रंप टैरिफ रूपी हथियार से तोड़ पाएंगे न ही चीन, रूस पर दबाव बनाकर खत्म करा पाएगा। पाकिस्तानी एक्सपर्ट तो अब यहां तक कहने लगे हैं कि रूस, भारत पर दांव लगाकर बेवकूफी कर रहा है, हालांकि पाकिस्तानी एक्सपर्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति के कायल नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि भारत बड़ी ही खूबसूरती से अमेरिकी निवेश, रूस के हथियार और चीन के उत्पाद एक साथ चाहता है और इसमें सफल भी हो रहा है।

रूस की चीन के साथ पारंपरिक दोस्ती है। कई मौकों पर चीन ने रूस की मदद भी की है। ऐसे में अब पाकिस्तान को यह लग रहा है कि कहीं चीन और भारत के कड़वाहट भरे दिन दूर न हो जाएं। अगर चीन और भारत की दोस्ती रूस के जरिए और गहरी होती है, तो इसका नुकसान पाकिस्तान को ज्यादा होगा। भारत में इसी साल होने वाली ब्रिक्स देशों की बैठक में चीनी राष्ट्रपति के भी आने की उम्मीद है। गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद दोनों देशों के बीच कड़वाहट आई थी, लेकिन अब धीरे-धीरे वह खत्म हो रही है। इसमें रूस भी बहुत हद तक दोनों देशों की मदद कर रहा है।

चीन नहीं चाहता था कि रूस और भारत के बीच यह समझौता हो, लेकिन इस समझौते पर उसने किसी तरह की कोई प्रतिक्रिया भी नहीं दी है, क्योंकि वह भारत से बिगड़ चुके रिश्ते को बहाल करने में लगा हुआ है। इस समझौते से अब भारत, रूस के मुरमांस्क और सेवेरोमोर्स्क में स्थित बड़े बंदरगाहों का उपयोग आसानी से कर सकेगा। यह समझौता सामरिक दृष्टि से भी दोनों देशों के लिए बड़ा मददगार होगा। रूस को हिंद महासागर में भारतीय नौसेना से लॉजिस्टिक्स सहयोग मिलेगा। इससे रूस को ईंधन भरने, मरम्मत, कलपुर्जे और अन्य सहायता मिलने में आसानी होगी। यह समझौता दोनों देशों को लंबी दूरी के अभियानों में पैसे और समय की बचत करने में मदद भी करेगा।

इंडो-रशियन रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स एग्रीमेंट' फरवरी 2025 में हुआ था, जो अब पूरी तरह से लागू हो गया है। इसके तहत दोनों देशों की सेनाएं संयुक्त सैन्य अभ्यास, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और मानवीय सहायता अभियानों में संयुक्त रूप से शामिल होंगी। यह केवल सैन्य तैनाती तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें लॉजिस्टिक सहयोग का भी प्रावधान किया गया है। दोनों देश युद्धपोतों को बंदरगाह सेवा, मरम्मत सुविधा, पानी, भोजन और अन्य तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराने के साथ ही सैन्य विमानों के लिए एयर ट्रैफिक कंट्रोल, उड़ान से जुड़ी सूचनाएं, नेविगेशन सिस्टम का उपयोग, पार्किंग और सुरक्षा जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराएंगे।

भारत रूस से सर्वाधिक हथियारों की आपूर्ति करता है। अगर इतिहास की बात करें तो रूस हर मौके पर भारत के साथ खड़ा रहा है। 1971 में जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ, तो ब्रिटेन-अमेरिका जैसे देश भारत के विरुद्ध खड़े हो गए थे। उस समय सोवियत संघ (रूस) ही था, जिसने सीना तानकर भारत की मदद का न सिर्फ एलान किया, बल्कि अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों को स्पष्ट रूप से कहा कि यदि किसी ने पाकिस्तान की सैन्य मदद करने की कोशिश की तो वह भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ेगा।

यहां तक संयुक्त राष्ट्र संघ में भी रूस ने वीटो करके भारत को राजनयिक सुरक्षा प्रदान की थी। रूस की सक्रियता के कारण ही चीन, पाकिस्तान की मदद नहीं कर पाया था, जबकि पाकिस्तान को उम्मीद थी कि ब्रिटेन, अमेरिका और चीन उसके पक्ष में भारत के विरुद्ध हमले करेंगे। विदेशी मामलों के कुछ जानकार कहते हैं कि भारत और रूस के बीच कई और सामरिक समझौते जल्द होंगे, जो दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत करेंगे।

> भारत और रूस के बीच हुए अहम समझौते के तहत अब दोनों देश एक-दूसरे के देश में तीन हजार सैनिकों के अतिरिक्त 10 लड़ाकू विमान, पांच युद्धपोत तैनात कर सकेंगे।

आमने सामने

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव भी यही चाहते हैं कि सिर्फ उनकी पत्नी सांसद बनकर लोकसभा जाएं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि देश में 272 बहनें लोकसभा पहुंचें और महिलाओं को सही मायने में सशक्त बनाया जाए।

-सम्राट चौधरी
मुख्यमंत्री, बिहार

जघन्य अपराध करने वाले, अपराध से बचने के लिए उम्र बदलने वाले, विचारहीन और सिद्धांतहीन होकर दल बदलने वाले, किसी को छल से हटाने वाले तथा भ्रष्टाचार के शिरोमणि कहलाने वाले व्यक्ति बिहार के मुख्यमंत्री कैसे बन सकते हैं?

-अखिलेश यादव
राष्ट्रीय अध्यक्ष, सपा

देश के लिए अहम है फास्ट ब्रीडर रिएक्टर कार्यक्रम

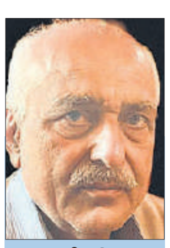

रनबीर सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

इस महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिलनाडु में कल्पक्कम पहुंचे और 500 मेगाइलेक्ट्रान क्षमता तक बिजली बनाने वाले एक 'प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' को इनके सामने चालू किया गया। परमाणु संयंत्र ने सफलतापूर्वक 'क्रिटिकैलिटी' हासिल की। भारत पहले से ही यूरेनियम खनिज को एनरिच करके और बाहर से खरीद कर भी 20 परमाणु संयंत्रों को चलाकर बिजली बना रहा है। भारत के इस पहले चरण में परमाणु विद्युत् ऊर्जा उत्पादन के लिए संवृद्ध यूरेनियम-235 का इस्तेमाल होता है। दूसरे चरण के विकास में थोरियम खनिज से विद्युत् उत्पादन आता है, जिसके लिए पहले टेस्ट रिएक्टर बनाया गया और अब पूरी क्षमता का फ़ास्ट ब्रीडर रिएक्टर बना कर चालू किया है, जिसके लिए थोरियम खनिज से प्राप्त प्लूटोनियम का इस्तेमाल हुआ है।

इसे फास्ट ब्रीडर रिएक्टर में इस्तेमाल होने वाले फ्यूल ग्रेड मटीरियल में बदलने की प्रक्रिया में न्यूट्रॉन एक्टिवेशन, यूरेनियम-233 का विखंडन, ऊर्जा का उपयोग और लगातार ब्रीडिंग वाले चरण शामिल होते हैं। थोरियम-232 एकल/सिंगल न्यूट्रॉन सोख लेता है और थोरियम-233 में बदल जाता है जो टूटकर प्रोटैक्टिनियम-233 बनता है। यह आगे टूटकर यूरेनियम-233 बन जाता है, जिसका विखंडन होता है और इस प्रक्रिया में यह ऊर्जा और अतिरिक्त न्यूट्रॉन पैदा करके कुछ और विखंडन उत्पाद बनता है। विखंडन से मिली ऊर्जा गर्मी में बदल जाती है, जिसका इस्तेमाल फिर बिजली बनाने के लिए किया जाता है। थोरियम को प्रॉसेस करके एक न्यूक्लियर फ्यूल के तौर पर काम में लाया जा सकता है, भले ही वह शुरू में विखंडनीय न हो। रिएक्टर की कोर में ऐसी व्यवस्था की जाती है, जिससे यूरेनियम-233 की लगातार ब्रीडिंग होती है और नियंत्रित तरीके से उसका इस्तेमाल संभव है। थोरियम फ्यूल आधारित रिएक्टर प्रॉसेस्ड और एनरिच्ड और मिक्स्ड ऑक्साइड फ्यूल के इस्तेमाल और कचरा कम करने के मामले में ज़्यादा कुशल हैं।

थोरियम फ्यूल साइकिल को यूरेनियम-आधारित न्यूक्लियर रिएक्टरों के एक व्यवहार्य पूरक विकल्प के तौर पर पहचान मिली है, क्योंकि इसमें न्यूक्लियर सुरक्षा, प्रसार और स्थिरता है। भारत ने इस विकल्प को इसलिए चुना है, क्योंकि हमारे पास केरल के समुद्र तट पर थोरियम का विशाल भंडार है, जो अगले पांच सौ साल तक बिजली की वर्तमान खपत बढ़ने के बाद भी ख़त्म नहीं होने वाला नहीं। संवर्द्धित यूरेनियम सप्लायर देशों पर इससे हमारी निर्भरता कम हो जाएगी। हमारा फास्ट ब्रीडर रिएक्टर सोडियम तरल से ठंडा किया जाता है। थोरियम-आधारित परमाणु ऊर्जा के प्रति चीन का दृष्टिकोण भी पारंपरिक ठोस-ईंधन वाले फ़ास्ट ब्रीडर रिएक्टरों की तुलना में अलग तरह से डिज़ाइन किया गया है।

चीन मुख्य रूप से मोल्टन सॉल्ट रिएक्टरों को विकसित करने में अग्रणी है, जो पारंपरिक रिएक्टरों में इस्तेमाल होने वाली ठोस ईंधन छड़ों के बजाय तरल ईंधन का उपयोग करते हैं। भारत ने ऐसा नहीं किया, बल्कि सुरक्षा कारणों की समीक्षा करके प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर के लिए यूरेनियम-प्लूटोनियम मिक्स्ड ऑक्साइड फ्यूल राड्स का इस्तेमाल किया है। थोरियम-232 का इस्तेमाल कोर के चारों ओर एक ठोस ब्लैंकेट सामग्री के तौर पर किया जाता है, ताकि भविष्य में इस्तेमाल के लिए यूरेनियम-233 बनाया जा सके। इस तरह यह तरल ईंधन के इस्तेमाल के बजाय एक ठोस-अवस्था वाली ब्रीडिंग प्रक्रिया बन जाती है।

कलपक्कम में चालू किया गया प्रोटोटाइप फ़ास्ट फ्रीडर रिएक्टर हमारी न्यूक्लियर इंजीनियरिंग उद्यमिता को दर्शाने के अलावा विशाल थोरियम भंडारों का उपयोग करने की दिशा में एक तसल्ली बख्श कदम है। रूस के बाद, भारत ने ही कमर्शियल-स्केल पर फास्ट ब्रीडर रिएक्टर चला कर यह क्षमता हासिल की है। प्रोटोटाइप रिएक्टर में लिक्विड सोडियम कूलेंट का इस्तेमाल करके यूरेनियम-238 को प्लूटोनियम-239 में बदला जाता है। कलपक्कम में स्थापित इस पहले प्रोटोटाइप रिएक्टर का डिजाईन स्थित इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र ने और फेब्रिकेशन इंजीनियरिंग का कार्य भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड ने किया है। इस कार्य में 200 से ज़्यादा भारतीय उद्योगों का अहम योगदान रहा है, जिसने साबित किया है कि परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल करने के लिए सभी तरह की प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग में हमें इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित कर लिया है।

कलपक्कम में प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर की 500 मेगा इलेक्ट्रान वोल्टस विद्युत उत्पादन इकाई के लिए मॉक्स-फ्यूल या मिक्स्ड-ऑक्साइड ईंधन इस्तेमाल हुआ है। यह एक ऐसा परमाणु ईंधन है, जिसे प्लूटोनियम ऑक्साइड को यूरेनियम ऑक्साइड के साथ मिलाकर बनाया जाता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> कलपक्कम में चालू किया गया प्रोटोटाइप फास्ट फ्रीडर रिएक्टर हमारी न्यूक्लियर इंजीनियरिंग उद्यमिता को दर्शाने का तसल्ली बख्श कदम है।

सोशल फोरम

नेहरू परिवार की यहूदी बहू

राज गोपाल सिंह वर्मा
लेखक

इतिहास में कुछ जीवन ऐसे होते हैं जो अपने भीतर की संवेदनशीलता और साहस के कारण याद किए जाते हैं। शोभा नेहरू, जिन्हें परिवार और मित्र 'आंटी फोरी' कहकर पुकारते थे, ऐसी ही एक असाधारण स्त्री थीं। उनका जीवन किसी उपन्यास की तरह कई महाद्वीपों, संस्कृतियों और संकटों से होकर गुजरा और हर मोड़ पर उन्होंने एक नया रूप धारण किया।

बुडापेस्ट की एक यहूदी लड़की के रूप में जन्मी फोरी ने बचपन में ही हिंसा और भय का चेहरा देखा। उन्होंने बाद में याद किया था कि एक बार ट्रेन से यात्रा करते हुए उन्होंने रास्ते में पेड़ों से लटके लोगों को देखा था। वह दृश्य उनके मन में हमेशा के लिए बस गया। उस समय शायद उन्हें यह आभास नहीं था कि जीवन उन्हें एक ऐसे देश में ले जाएगा, जहां वे केवल एक परिवार की सदस्य नहीं, बल्कि संकट के समय लोगों की संरक्षक बनेंगी।

लंदन में पढ़ाई के दौरान उनकी मुलाकात जवाहर लाल नेहरू के भतीजे बृज कुमार नेहरू से हुई। प्रेम हुआ और फिर विवाह का निर्णय। यह निर्णय आसान नहीं था। उस समय धर्म, जाति और नस्ल के प्रश्न विवाह के रास्ते में बड़ी दीवार की तरह खड़े होते थे। फिर भी उन्होंने जोखिम उठाया और 1935 में लाहौर में हिंदू रीति से विवाह किया। भारत आने पर उन्होंने जीवन का ढंग भी बदल लिया। साड़ी पहनना, हिंदी सीखना और भारतीय परिवार की परंपराओं में घुलना उनके लिए एक आत्मिक परिवर्तन की तरह था।

उनके ससुराल वालों ने उनका नाम शोभा रखा, जिसका अर्थ है चमक या सौंदर्य। इस विवाह को व्यापक रूप से प्रचारित किया गया और इसकी तस्वीरें कई समाचार पत्रों में छपीं। नेहरू परिवार ने फोरी को पूरी तरह स्वीकार किया। जवाहरलाल नेहरू उस समय जेल में थे, जिनसे मिलने फोरी भी गई थीं। बीके नेहरू अपनी आत्मकथा 'नाइस गाइज़ फ़िनिश सेकेंड' में लिखते हैं, 'जवाहर लाल की नज़र से ये छिपा नहीं रह सका कि फोरी की आंखों में आंसू थे। अगले दिन उन्होंने फ़ोरी को पत्र लिख कर कहा, अब जब तुम नेहरू परिवार का सदस्य बनने जा रही हो, तुम्हें परिवार के क़ायदे-क़ानून भी सीख लेने चाहिए। सबसे पहली चीज़ जिस पर तुम्हें ध्यान देना चाहिए, वो ये है कि चाहे जितना बड़ा दुख हो, नेहरू कभी किसी के सामने नहीं रोते।'

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

तेजी से बढ़ा तापमान बदलते मौसम का चेतावनी संकेत

संध्या अग्रवाल
लेखिका

इस वर्ष गर्मी ने अपने तेवर समय से पहले ही दिखाने शुरू कर दिए हैं। अप्रैल के महीने में ही तापमान जिस तेजी से बढ़ रहा है, वह केवल मौसम का सामान्य बदलाव नहीं, बल्कि एक गहरे पर्यावरणीय संकट की ओर संकेत करता है। यह स्थिति हमें सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम वास्तव में प्रकृति के संतुलन को समझ पा रहे हैं, या फिर हम इन परिवर्तनों को अनदेखा करते हुए उन्हें सामान्य मानने लगे हैं। कभी जो मौसम अपने निर्धारित समय और स्वरूप के अनुसार चलता था, आज वह असंतुलित होता दिखाई दे रहा है। असामान्य गर्मी, अनियमित वर्षा और बढ़ता जल संकट, ये सभी संकेत हैं कि प्रकृति के साथ हमारा संबंध अब संतुलित नहीं रह गया है।

शहरीकरण और औद्योगिकीकरण की तेज गति ने विकास तो दिया है, लेकिन इसके साथ पर्यावरणीय दबाव भी लगातार बढ़ाया है। शहरों में कंक्रीट का विस्तार, हरियाली की कमी और प्राकृतिक सतहों का नष्ट होना तापमान को और अधिक बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बढ़ती गर्मी का प्रभाव केवल असुविधा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य, जल संसाधनों और कृषि व्यवस्था पर भी गहरा असर डाल रहा है। हीटवेव की घटनाएं अब अधिक सामान्य होती जा रही हैं, जिससे विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों और श्रमिक वर्ग को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। लंबे समय तक तेज गर्मी में काम करने वाले लोगों के लिए यह स्थिति कई बार जानलेवा भी हो सकती है। इसके साथ ही, फसलों पर पड़ने वाला प्रभाव खाद्य सुरक्षा के लिए भी चिंता का विषय बनता जा रहा है।

जल स्रोतों का सूखना और पानी की कमी इस संकट को और गंभीर बना रही है। भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है और कई क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। जल संरक्षण के पारंपरिक उपायों की अनदेखी ने इस समस्या को और गहरा कर दिया है। इसके साथ ही, प्रदूषण इस संकट को बढ़ाने वाला एक प्रमुख कारण है। वायु प्रदूषण वातावरण के तापमान को प्रभावित करता है, जबकि जल और भूमि प्रदूषण प्राकृतिक संसाधनों की गुणवत्ता को कम करता है। विशेष रूप से प्लास्टिक का बढ़ता उपयोग पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है।

प्लास्टिक कचरा न केवल जमीन और जल स्रोतों को प्रदूषित करता है, बल्कि इसके कारण पारिस्थितिकी तंत्र भी प्रभावित होता है। ऐसे में आवश्यक है कि हम प्लास्टिक के उपयोग को सीमित करें और उसके स्थान पर इको-फ्रेंडली विकल्पों को अपनाएं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि हम इन परिवर्तनों को धीरे-धीरे सामान्य मानने लगे हैं। एयर कंडीशनर और कूलर के सहारे हम अस्थायी राहत तो पा लेते हैं, लेकिन यह समाधान नहीं, बल्कि समस्या को और बढ़ाने का एक कारण भी बनता है।

ऊर्जा की बढ़ती खपत और उससे जुड़ा प्रदूषण इस संकट को और गहरा कर रहे हैं। यह समय केवल चिंता करने का नहीं, बल्कि अपनी जिम्मेदारी को समझने और उसे निभाने का है। जल संरक्षण, वृक्षारोपण, प्लास्टिक का सीमित उपयोग और पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवनशैली— ये छोटे-छोटे प्रयास ही बड़े परिवर्तन की दिशा तय कर सकते हैं। इसके साथ ही, नीति स्तर पर भी ठोस और दीर्घकालिक कदम उठाने की आवश्यकता है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

आदिवासी कला का पुनरुत्थान

भारतीय आदिवासी कला के इतिहास में सन् 1980 का दशक सदैव याद किया जाएगा, क्योंकि इस समय मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भारत भवन की स्थापना हुई और भारतीय आदिवासी कला का तो जैसे पुनरुत्थान काल आरंभ हुआ। उस समय तक लोग आदिवासी चित्रकला के नाम पर महाराष्ट्र के वारली, मध्य प्रदेश के भील, गुजरात के राठवा और ओडिशा के सौरा आदिवासियों के चित्र ही जानते थे। इनमें भी वारली आदिवासियों के चित्र प्रसिद्धि के शिखर पर थे।

मुश्ताक खान
लेखक, नई दिल्ली

कलाकारों की खोज का अभियान

भारत भवन की स्थापना के साथ ही प्रसिद्ध चित्रकार जगदीश स्वामीनाथन के नेतृत्व में मध्य प्रदेश के विभिन्न आदिवासी समुदायों की कला परंपराओं और प्रतिभाशाली कलाकारों की खोज का एक सुविचारित अभियान आरंभ हुआ। इसका केंद्रबिंदु आदिवासी मानस की सृजन क्षमता की पहचान, परख और उसे पल्लवित होने के अवसर प्रदान करना था। परिणाम स्वरूप मध्य प्रदेश की परधान, गोंड, बैगा, मुरिया, भील, भिलाला, कोरवा, नगेसिया, बादी, कोरकू, भारिया, ओरांव जैसे अनेक आदिवासी समुदायों के कलाकार सामने आए। इनके साथ ही अनेक पिछड़े समुदायों के लोक कलाकारों को भी पहचान मिली। इस आभियान का फोकस समुदाय से अधिक व्यक्तिगत सृजनशीलता और संभावनाओं पर था। अत: किसी कलाकार के व्यक्तिगत सृजन को भी उसकी समूचि समुदायिक कला चेतना की अभिव्यक्ति का परिणाम मान लिया गया। यह स्थिति प्रधान-गोंड चित्रकार जनगढ़ सिंह श्याम के साथ रही और यही स्थिति बस्तर के मुरिया चित्रकार बेलगूर तथा झाबुआ की भील चित्रकार भूरी बाई और लड़ो बाई के साथ रही। उनकी व्यक्तिगत चित्रकारी क्षमताएं ही उनके समुदाय की प्रतिनिधि चित्रकला समझी जाने लगीं। यहां यह बता दूं कि मैं व्यक्तिगत तौर पर भारत भवन, भोपाल के इस अभियान का अंग रहा हूं और यह सब कुछ मेरी आंखों के सामने हो रहा था।

बैगा जनजाति में विकसित होती कला

भोपाल में स्वामीनाथन के प्रयोगों की सफलता से प्रेरित और उत्साहित होकर अन्य स्थानों पर अन्य अनेक कलाकारों एवं कला संस्थाओं ने इसी प्रकार के प्रयोग करना आरंभ किए। कुछ प्रयोग सफल भी हुए और कुछ आगे नहीं बढ़ सके। सन् 1985 के दौरान गुजरात के अहमदाबाद में ख्यातिप्राप्त चित्रकार हाकु भाई शाह ने गणेश जोगी और

उनकी पत्नी तेजल बेन के साथ ऐसा ही प्रयोग आरंभ किया और उनसे चित्र बनवाना आरंभ किया। गणेश जोगी मूलतः राजस्थान की घुमक्कड़ जोगी समुदाय से थे, जो गांव-गांव घूमकर भजन और लोक कथाएं गाते हैं। उस समय राजस्थान में सूखा पड़ा था और गणेश का परिवार मजदूरी की तलाश में अहमदाबाद आया था। वे और उनकी पत्नी सड़क किनारे गड्ढे खोदने का काम कर रहे थे, जहां से हाकु शाह उन्हें लाए थे। हाकु शाह का प्रयोग सफल रहा गणेश और तेजल दोनों ही प्रतिभा संपन्न निकले और उन्होंने लोक चित्रकला की एक नई जोगी चित्रशैली को जन्म दिया। बाद में भारत सरकार ने गणेश जोगी को जोगी चित्रकला में उनके योगदान के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। वर्तमान में उनके कुटुंब के लगभग 15-20 सदस्य चित्रकारी कर रहे हैं और जोगी लोकचित्र, कला जगत में अपनी पहचान बना चुकी हैं। ऐसा ही एक अन्य प्रयोग आशीष स्वामी नाम के एक युवा चित्रकार ने मध्य प्रदेश के उमरिया क्षेत्र के बैगा आदिवासियों के गांव में आरंभ किया। आशीष भोपाल के भारत भवन से भी जुड़ा हुआ था और स्वामीनाथन जी से बहुत प्रभावित था। वह अपने व्यक्तिगत प्रयासों से बैगा आदिवासियों के लोढ़ा गांव में रहकर उन्हें कलाकर्म के लिए प्रेरित करने लगा। बैगा लोगों की अपनी पारंपरिक भित्ति अलंकरण और मिट्टी के काम तथा लकड़ी के मुखौटे बनाने की एक सीमित परंपरा थी। आशीष ने उन्हें कागज और रंग-ब्रश देकर चित्र बनाने के लिए उत्साहित किया। अंततः एक साठ वर्षीय बैगा महिला जुधैया बाई ने उसकी पहल को स्वीकार किया और अपनी व्यक्तिगत कला प्रतिभा के बल पर कुछ ही वर्षों में वे एक सफल बैगा चित्रकार के रूप में स्थापित हो गईं। जुधैया बाई को भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया और एक नई बैगा चित्रकला विश्व में विख्यात हो गई। वर्तमान में यह कला आसपास के कुछ गांवों के अनेक बैगा स्त्री-पुरुष कर रहे हैं।

तेलंगना सरकार खरीदती है चित्र

राजस्थानी भील मांडना चित्रों का व्यवसायीकरण भी आरंभ किया गया था। सन् 1984 में जब उदयपुर के जनजातीय अनुसंधान संस्थान के सांस्कृतिक अधिकारियों को इस क्षेत्र में भेजा गया, तो उन्होंने गोमा परगी और फूला परगी नामक दो युवा भील कलाकारों को अपने पारंपरिक भित्तिचित्र मांडनो को कागज और कैनवास पर चित्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया था। उन दोनों चित्रकारों ने इन सामग्रियों का उपयोग करते हुए चित्रकारी की परंपरा को आगे बढ़ाया। परंतु इन चित्रकारों को आशातीत सफलता नहीं मिल सकी। संभवतः यह चित्रकार उतने प्रतिभशाली नहीं थे कि पारंपरिक चित्रों को एक नई ऊंचाई तक ले जा सकें।

वर्तमान में लगभग दस-पंद्रह भील चित्रकार इससे अपनी आजीविका कमा रहे हैं। इस समय यशपाल बरंडा प्रसिद्ध राजस्थानी भील चित्रकार हैं, वे उदयपुर जिले की नयागांव तहसील के कनबई गांव के रहने वाले हैं। बाद में दक्षिण भारत में भी इस प्रकार के प्रयास हुए। सन् 2016 में तेलंगाना के भद्राचलम स्थित इंटीग्रेटेड ट्राइबल डेवलपमेंट एजेंसी ने हैदराबाद स्थित नेहरू सेंटिनरी म्यूजियम के साथ मिलकर, कोया आदिवासियों के लिए जनजातीय चित्रकारी का एक ट्रेनिंग कार्यक्रम चलाया, जिसके अंतर्गत बीस कोया आदिवासी युवक-युवतियों को चित्रकारी की ट्रेनिंग दी गई। एक सप्ताह की इस ट्रेनिंग को वर्ष में तीन बार आयोजित किया गया। इसके परिणामस्वरूप कोया आदिवासी चित्रकला का उदय हुआ। इस ट्रेनिंग कार्यक्रम के मुखिया नेहरु सेंटिनरी म्यूजियम के क्यूरेटर डॉ. सत्यनारायण थे तथा चित्रकारी सिखाने के लिए

कला महाविद्यालय के शिक्षकों को लाया गया था। उन्होंने निश्चित किया कि चित्र केवल गेरू मिट्टी के लाल और सफेद मिट्टी के रंग से बनाए जाएंगे, जिनका प्रयोग कोया आदिवासी पहले से अपने घर पोतने के लिए करते रहे हैं। चित्रों के विषय भी कोया दैनिक जीवन की गतिविधियों से लिए गए। इनमें गौर सींघ नृत्य तथा सर पर लकड़ी का गट्ठर ले जाती महिला प्रमुख हैं। इस कार्यक्रम को स्वरोजगार योजना से भी जोड़ा गया है। अतः इन प्रशिक्षित चित्रकारों के बनाए चित्र प्रतिमाह राज्य सरकार खरीद लेती है। वर्तमान में कुछ कोया आदिवासी चित्रकार सक्रिय हैं।

भारतीय कला के उन्नयन में योगदान

दक्षिण भारत में अनेक आदिवासी समुदाय निवास करते हैं, लेकिन उनकी चित्रकला के बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। सन् 2022 में तमिलनाडु के नीलगिरी क्षेत्र में रहने वाले कुरुंबा आदिवासियों द्वारा पूजा अनुष्ठानों के लिए बनाए जाने वाले भितिचित्रों के बारे में चेन्नई की एक संस्था सी.पी. रामास्वामी अय्यर फाउंडेशन को पता लगा और उन्होंने कुछ कुरुंबा चित्रकारों को कागज पर इन चित्रों को बनाने के लिए प्रेरित किया। इसका परिणाम बहुत उत्साहजनक रहा। बाला सुब्रमण्यन और कृष्णन नामक दो कुरुंबा आदिवासी चित्रकारों का आदिवासी कला जगत में उदय हुआ। चेन्नई स्थित दक्षिण चित्र संग्रहालय ने इन कुरुंबा चित्रकारों को अपने कार्यक्रमों में आमंत्रित किया और इस प्रकार दक्षिण भारत की पहली आदिवासी चित्रकला से कला प्रेमियों का परिचय हुआ। इस प्रकार सन् 1982 में कला चिंतक और चित्रकार जगदीश स्वामीनाथन द्वारा भारत भवन, भोपाल के माध्यम से आरंभ किए गए, आदिवासी कला की विभिन्न परंपराओं के पुनरुत्थान के अभियान के परिणामस्वरूप भारत के अनेक आदिवासी समुदायों के चित्रकार प्रकाश में आ सके और वे अब भारतीय कला के उन्नयन में अपना योगदान दे रहे हैं।

लोकायन

परंपरा, वीरता और उत्सव की जीवंत अभिव्यक्ति

नागालैंड के लोक नृत्य वहां की सांस्कृतिक पहचान का जीवंत और आकर्षक रूप हैं। ये नृत्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक परंपराओं, धार्मिक आस्थाओं और सामूहिक जीवन की अभिव्यक्ति भी हैं। आमतौर पर ये नृत्य त्योहारों, धार्मिक अनुष्ठानों और विशेष अवसरों पर समूहों में प्रस्तुत किए जाते हैं। नागा समाज में पुरुषों का युद्ध नृत्य विशेष रूप से प्रसिद्ध है, जो साहस, शक्ति और वीरता का प्रतीक माना जाता है। इस नृत्य की शैली में मार्शल आर्ट जैसी ऊर्जा और एथलेटिक गति देखने को मिलती है, जिसमें नर्तक युद्ध-घोष और गीतों के साथ प्रदर्शन करते हैं।

नागालैंड की विभिन्न जनजातियों के अपने-अपने पारंपरिक नृत्य हैं, जिनमें कुछ समानताएं भी देखने को मिलती हैं। अधिकतर नृत्यों में शरीर को सीधा रखते हुए पैरों की लयबद्ध गतिविधि प्रमुख होती है। फसल कटाई के समय किए जाने वाले नृत्य विशेष रूप से उल्लासपूर्ण होते हैं, जिनमें समुदाय के लोग मिलकर अपनी खुशियों का इजहार करते हैं।

जेलियांग जनजाति का नृत्य इस दृष्टि से विशिष्ट है कि इसमें महिलाएं भी पुरुषों के साथ सक्रिय भागीदारी करती हैं। नृत्य की शुरुआत में प्रतिभागी धीमी गति से मंच पर प्रवेश करते हैं और फिर वृत्त या अन्य आकृतियां बनाते हुए लय में बंध जाते हैं। इसके बाद पैर पटकते हुए तालमेल के साथ नृत्य शुरू होता है। समूह में गाए जाने वाले शब्द, तालियां और सामूहिक स्वर इस नृत्य को एकजुटता और उत्साह से भर देते हैं। कई बार नर्तक काल्पनिक शत्रु पर आक्रमण का दृश्य प्रस्तुत करते हैं, जिसमें हाथों में लिए गए हथियारों को लयबद्ध ढंग से घुमाया जाता है। जेमी जनजाति के नृत्य भी अपनी विविधता के लिए प्रसिद्ध हैं। इन नृत्यों के नाम अक्सर पक्षियों, जानवरों या कीड़ों की चाल-ढाल से प्रेरित होते हैं, जैसे मुर्गा नृत्य या क्रिकेट नृत्य। कुछ नृत्य केवल पुरुषों द्वारा किए जाते हैं और इनमें गीत-संगीत का साथ होता है, जिसमें झांझ जैसी वाद्य ध्वनियां भी शामिल होती हैं। नागालैंड के विभिन्न उत्सवों, विशेषकर फसल और सांस्कृतिक पर्वों के दौरान, ये नृत्य पूरे उत्साह के साथ प्रस्तुत किए जाते हैं। पारंपरिक वेशभूषा, आभूषण और सामूहिक भागीदारी इन प्रस्तुतियों को और भी आकर्षक बनाते हैं। इस प्रकार, नागालैंड के लोक नृत्य वहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सामुदायिक जीवन की गहराई को दर्शाते हैं।

अनोखी परंपरा

प्रकृति और परंपरा का संगम मेंढकों की शादी

भारत की विविध लोक परंपराओं में कई ऐसे अनोखे रीति-रिवाज देखने को मिलते हैं, जो पहली नजर में आश्चर्यचकित कर देते हैं, लेकिन उनके पीछे गहरी आस्था और प्रकृति से जुड़ा सांस्कृतिक संबंध होता है। पेड़ों की शादी की परंपरा के बारे में तो आपने सुना ही होगा, लेकिन मेंढक और मेंढकी की शादी भी भारत के कुछ हिस्सों में विशेष महत्व रखती है। विशेष रूप से असम के जोरहाट जिले और अन्य पूर्वोत्तर क्षेत्रों के गांवों में यह परंपरा प्रचलित है। यहां के लोगों का मानना है कि जब लंबे समय तक वर्षा नहीं होती और सूखे जैसी स्थिति बन जाती है, तब मेंढकों की शादी कराने से वर्षा देवता प्रसन्न होते हैं और अच्छी बारिश होती है। यह मान्यता प्राचीन समय से चली आ रही है और आज भी लोग इसे पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ निभाते हैं।

इस अनोखी शादी में सभी पारंपरिक हिंदू विवाह रीति-रिवाजों का पालन किया जाता है। सबसे पहले गांव के लोग एक नर और एक मादा मेंढक को पकड़ते हैं। इसके बाद उन्हें स्नान कराया जाता है और हल्दी लगाई जाती है। फिर छोटे-छोटे कपड़े या फूलों से उन्हें सजाया जाता है। शादी के लिए मंडप बनाया जाता है और बाकायदा एक पुजारी को बुलाया जाता है, जो मंत्रोच्चार के साथ विवाह संपन्न कराता है। विवाह के दौरान 'बारात' भी निकलती है, जिसमें गांव के लोग गीत गाते और नाचते हुए शामिल होते हैं। इस परंपरा का एक वैज्ञानिक पहलू भी माना जाता है। मेंढक आमतौर पर बारिश के मौसम में अधिक सक्रिय होते हैं और उनकी टर्र-टर्र की आवाज वर्षा के आगमन का संकेत मानी जाती है। इसलिए यह विवाह एक प्रतीकात्मक प्रयास भी हो सकता है, जिससे लोग मानसून के प्रति अपनी आशा और विश्वास व्यक्त करते हैं।

केवल असम ही नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में भी इस तरह की परंपराएं देखने को मिलती हैं। कहीं-कहीं इसे 'मेंढक विवाह' के रूप में त्योहार की तरह मनाया जाता है, जिसमें पूरे गांव की भागीदारी होती है। हालांकि आधुनिक विज्ञान इन मान्यताओं को अंधविश्वास मान सकता है, लेकिन सामाजिक दृष्टि से यह परंपरा लोगों को एकजुट करती है और संकट के समय सामूहिक आशा और सकारात्मकता का संचार करती है। इस तरह की लोक परंपराएं भारत की सांस्कृतिक विविधता और प्रकृति के साथ उसके गहरे संबंध को दर्शाती हैं।

सिनाई की 5000 वर्ष पुरानी शिलाकृति सत्ता, हिंसा और इतिहास का दृश्य दस्तावेज

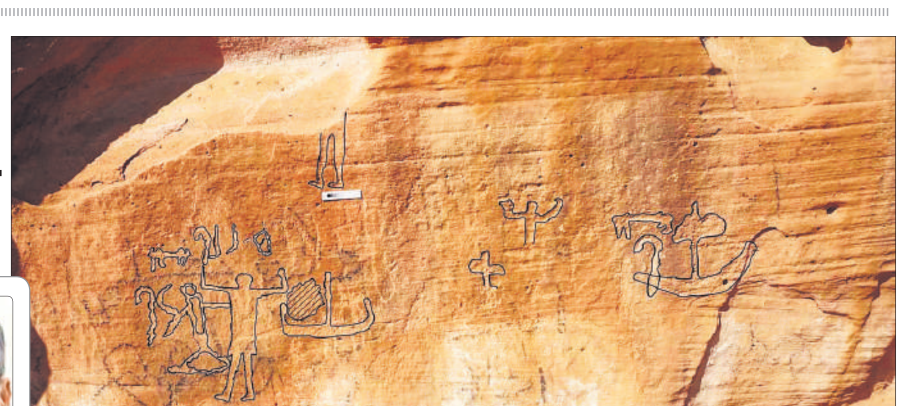

सामान्यत: कला और साहित्य को प्रेम, सौंदर्य और शांति के वाहक के रूप में देखा जाता है, किंतु मानव इतिहास का यथार्थ इससे कहीं अधिक जटिल रहा है। विश्व की विभिन्न कला परंपराओं- चाहे वह भारतीय लघुचित्र हों या पाश्चात्य आधुनिक चित्रकला में, युद्ध, विजय और सत्ता-संघर्ष के दृश्य बार-बार उभरते हैं। भारतीय संदर्भ में मुगल और राजपूत शैली के लघुचित्रों में युद्ध और विजय के प्रसंग मिलते हैं, जबकि पश्चिम में द्वितीय विश्वयुद्ध से प्रेरित अनेक कलाकृतियां निर्मित हुईं। स्पष्ट है कि विजेताओं की गाथाओं के साथ-साथ उनके दृश्यांकन की परंपरा भी उतनी ही पुरानी है। इसी परिप्रेक्ष्य में मिस्र के सिनाई प्रायद्वीप से प्राप्त लगभग 5000 वर्ष पुरानी एक शिलाकृति (पेट्रोग्लिफ) ने पुरातत्वविदों का विशेष ध्यान आकर्षित किया है।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

जर्मनी के बॉन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वादी खामिला क्षेत्र में शैल-कला के एक सर्वेक्षण के दौरान मिस्र के पुरातत्वविद मुस्तफा नूर एल-दीन और बॉन विश्वविद्यालय के विद्वान लुडविग मोरेन्ज ने इस महत्वपूर्ण खोज को सामने रखा। यह शिलाकृति प्रारंभिक मिस्री राजवंशीय काल से जुड़ी मानी जा रही है और इसमें दक्षिणी सिनाई क्षेत्र पर एक प्रारंभिक फराओ की विजय का दृश्य अंकित है।

इस उत्कीर्णन में एक व्यक्ति को लंगोटी पहने खड़े हुए दर्शाया गया है, जिसके हाथ ऊपर उठे हैं मानो वह विजय या शक्ति का प्रदर्शन कर रहा हो। उसके सामने एक अन्य आकृति घुटनों के बल बैठी है, जिसके हाथ बंधे हुए हैं और उसके सीने में एक तीर धंसा हुआ दिखाई देता है। यह दृश्य केवल एक सामान्य चित्रण नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से हिंसा, दमन और सत्ता-प्रदर्शन का प्रतीक है। यही कारण है कि विद्वानों ने इसे 'क्रूर कथा' के रूप में अभिहित किया है। शैलीगत दृष्टि से यह चित्रण मिस्र के प्रथम राजवंश से जुड़े अन्य स्थलों विशेषतः नूबिया क्षेत्र में स्थित गेबेल शेख सुलेमान पर प्राप्त चित्रों से साम्य रखता है। इससे यह संकेत मिलता है कि उस समय मिस्रवासी अपने प्रभाव क्षेत्र का विस्तार कर रहे थे और सिनाई जैसे क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित करना चाहते थे। इस क्षेत्र का महत्व विशेष रूप से वहां उपलब्ध खनिज संसाधनों- जैसे तांबा और फिरोजा के कारण था।

इस शिलाकृति के साथ एक शिलालेख भी प्राप्त हुआ है, जिसका अनुवाद "देवता मिन, तांबे की खान/खनन क्षेत्र के शासक" के रूप में किया गया है। यहां मिन का उल्लेख अत्यंत महत्वपूर्ण है। मिन प्राचीन मिस्र के ऐसे देवता थे, जिन्हें उर्वरता, प्रजनन, पुरुष शक्ति और यात्रियों के संरक्षक के रूप में पूजा जाता था। इस प्रकार यह शिलालेख न केवल धार्मिक आस्था को दर्शाता है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि इस विजय को दैवीय संरक्षण के अंतर्गत वैध ठहराया गया। विद्वानों के अनुसार, इस प्रकार की शिलाकृतियां केवल कलात्मक अभिव्यक्ति नहीं होतीं, बल्कि वे एक प्रकार की 'राजनीतिक घोषणा' भी होती हैं। इस चट्टान पर उकेरा गया दृश्य संभवतः सिनाई क्षेत्र पर मिस्र के अधिकार की औपचारिक उद्घोषणा रहा होगा। उल्लेखनीय है कि बाद के काल में इस चित्र और शिलालेख के ऊपर नबातियन और अरबी लिपियों में लेख अंकित कर दिए गए, जिससे मूल विजेता शासक का नाम अस्पष्ट हो गया। इस खोज का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि अब तक वादी खामिला क्षेत्र को मुख्यतः नबातियन शिलालेखों के संदर्भ में ही जाना जाता था, जो इस खोज से लगभग 3,000 वर्ष बाद के हैं। ऐसे में यह नई खोज इस क्षेत्र के इतिहास को कहीं अधिक प्राचीन और जटिल बनाती है।

कला-इतिहास और पुरातत्व की दृष्टि से यह शिलाकृति इस बात का सशक्त प्रमाण है कि प्रारंभिक मानव समाजों में भी सत्ता, संघर्ष और संसाधनों पर नियंत्रण की प्रवृत्ति विद्यमान थी। यह हमें यह भी समझाती है कि कला केवल सौंदर्यबोध की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि सत्ता और भय के प्रदर्शन का माध्यम भी रही है। अंततः सिनाई की यह 5,000 वर्ष पुरानी शिलाकृति केवल एक पुरातात्विक खोज नहीं है, बल्कि मानव सभ्यता के उस पक्ष का सजीव दस्तावेज है, जिसमें विकास के साथ-साथ हिंसा, वर्चस्व और राजनीतिक आकांक्षाएं भी अंतर्निहित रही हैं। यह खोज हमें अतीत के माध्यम से वर्तमान को समझने और मानव इतिहास के बहुआयामी स्वरूप पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित करती है।

बिजनेस ब्रीफ

एफएसएसएआई ने कहा-अश्वगंधा की पत्तियों उपयोग न करें

नई दिल्ली। खाद्य सुरक्षा नियामक एफएसएसएआई ने खाद्य विनिर्माताओं को केवल अश्वगंधा की जड़ों तथा उनके अर्क का उपयोग करने और किसी भी रूप में पत्तियों का इस्तेमाल न करने का निर्देश दिया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के नियमों के अनुसार अश्वगंधा का उपयोग स्वास्थ्य पूरकों, पोषक तत्वों, विशेष आहार के लिए खाद्य पदार्थों एवं चिकित्सा उद्देश्यों में करने की अनुमति है। खाद्य सुरक्षा नियामक ने नवीनतम परामर्श में स्पष्ट किया कि नियमों के तहत अश्वगंधा की पत्तियों का कच्चे रूप में, अर्क के रूप में या किसी अन्य तरीके से इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं है।

टाटा स्टील में आधा होगा कार्बन उत्सर्जन

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की इस्पात कंपनी टाटा स्टील अपने जमशेदपुर संयंत्र में इलेक्ट्रिकली-एसिस्टेड सिनगैस स्मेल्टर (ईसीमेल्ट) प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करेगी जिससे कार्बन उत्सर्जन में 50 प्रतिशत की कटौती संभव होगी। साल 2045 तक नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखने वाली टाटा स्टील ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि उसने इस प्रौद्योगिकी के लिए एसएमएस समूह की कंपनी पॉल वुर्थ के साथ अंतिम समझौता किया है। दुनिया में पहली बार इस तकनीक का औद्योगिक स्तर पर कार्यान्वयन होगा।

अकासा एयर के बेड़े में शामिल हुआ नया विमान

नई दिल्ली। अकासा एयर ने एक बोइंग 737 मैक्स 8-200 विमान की आपूर्ति प्राप्त की है। इसके साथ उसके बेड़े में विमानों की संख्या बढ़कर 38 हो गई है। कंपनी ने बताया कि इस साल के पहले चार महीनों में सात विमान शामिल किए जा चुके हैं। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि इससे उसका नेटवर्क और मजबूत होगा। कंपनी के अनुसार, 38वें विमान की आपूर्ति उड़ान का पहला चरण अमेरिका के सिएटल से आइसलैंड के रेक्जाविक तक हुआ, जबकि अंतिम चरण मिस्र के काहिरा से भारत के बेंगलुरु तक पूरा किया गया।

समुद्री खाद्य निर्यात 11.2 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। देश का समुद्री खाद्य निर्यात बीते वित्त वर्ष 2025-26 में सालाना आधार पर 11.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 8.28 अरब डॉलर पर रहा। वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि यह वृद्धि यूरोपीय बाजारों और चीन को अधिक निर्यात होने के कारण दर्ज की गई है। मंत्रालय के अनुसार, अमेरिका इन उत्पादों का सबसे बड़ा बाजार है, लेकिन पिछले वित्त वर्ष में भारत का अमेरिका को निर्यात मूल्य के हिसाब से 14.15 प्रतिशत घटकर 2.32 अरब डॉलर और मात्रा के हिसाब से 19.8 प्रतिशत कम हो गया। मंत्रालय ने कहा, भारत का समुद्री खाद्य निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 72,325.82 करोड़ रुपये (8.28 अरब डॉलर) तक पहुंच गया।

इस साल भारत की अर्थव्यवस्था 6.4% की दर से बढ़ने का अनुमान

यूएन ने जारी की 'इकोनॉमिक एंड सोशल सर्वे ऑफ एशिया एंड द पैसिफिक 2026' रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत की अर्थव्यवस्था के इस वर्ष 6.4 प्रतिशत और 2027 में 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग एशिया व प्रशांत (ईएससीएपी) ने सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि दक्षिण एवं दक्षिण-पश्चिम एशिया की अर्थव्यवस्थाएं 2025 में 5.4 प्रतिशत की दर से बढ़ीं जबकि 2024 में वृद्धि दर 5.2 प्रतिशत थी। इसमें भारत की मजबूत वृद्धि का प्रमुख योगदान रहा।

'इकोनॉमिक एंड सोशल सर्वे ऑफ एशिया एंड द पैसिफिक 2026' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की वृद्धि दर 2025 में बढ़कर 7.4 प्रतिशत हो गई। इस मजबूत खपत, विशेष रूप से ग्रामीण अर्थव्यवस्था से मांग, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती और अमेरिका के शुल्क लागू होने से पहले निर्यात में तेजी ने समर्थन दिया। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में 2025 की दूसरी छमाही में आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ीं क्योंकि अगस्त 2025 में 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद अमेरिका को निर्यात में 25 प्रतिशत की गिरावट आई। सेवा क्षेत्र प्रमुख वृद्धि चालक बना रहा।

इसमें अनुमान लगाया गया है कि भारत 2026 में 6.4 प्रतिशत और अगले वर्ष 6.6 प्रतिशत की दर से वृद्धि करेगा। देश में मुद्रास्फीति के इस वर्ष 4.4 प्रतिशत और 2027 में 4.3 प्रतिशत रहने के आसार हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि व्यापार तनाव एवं भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच विकासशील एशियाई एवं प्रशांत अर्थव्यवस्थाओं में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह घटा है। 2024 में 0.6 प्रतिशत वृद्धि के बाद 2025 में इस क्षेत्र में एफडीआई दो प्रतिशत घटा जबकि वैश्विक प्रवाह में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

रिपोर्ट में कहा गया कि अपने देश से बाहर कार्यरत एशिया और प्रशांत के श्रमिकों द्वारा भेजा जाने वाला व्यक्तिगत धन प्रेषण (रेमिटेंस) लगातार बढ़ रहा है जिससे घरेलू रोजगार की कमजोर परिस्थितियों के प्रभाव को कम करने में मदद मिली। रिपोर्ट में साथ ही कहा गया कि सरकारें ऊर्जा बदलाव का उपयोग पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ अर्थव्यवस्था की दिशा में नए घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने और सहायक समूहों का निर्माण करने के लिए कर सकती हैं।

इसमें भारत की उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का उल्लेख करते हुए कहा गया कि यह दर्शाता है कि किस प्रकार व्यापक आर्थिक नीतियां एवं फोटोवोल्टिक, बैटरी व हरित हाइड्रोजन के घरेलू विनिर्माण के लिए प्रोत्साहन देकर हरित औद्योगिक विकास को बढ़ावा दे सकती हैं।

• रिपोर्ट में कहा कि 2025 में 7.4 हो गयी भारत की वृद्धि दर और 2027 में 6.6 की दर से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

भारत ने आकर्षित किया सर्वाधिक एफडीआई

इसमें कहा गया कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में पहले तीन तिमाहियों में जिन देशों ने नए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को सबसे अधिक आकर्षित किया... वे भारत, ऑस्ट्रेलिया, कोरिया गणराज्य और कजाखस्तान हैं... जहां क्रमशः 50 अरब डॉलर, 30 अरब डॉलर, 25 अरब डॉलर और 21 अरब डॉलर के निवेश की घोषणाएं हुईं।

प. एशिया संघर्ष के बीच दूध की आपूर्ति निर्बाध जारी, दाम स्थिर: सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बावजूद देशभर में दूध एवं दुग्ध उत्पादों की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं और आपूर्ति में कोई बाधा नहीं आई है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग में निदेशक पूजा रुस्तगी ने पश्चिम एशिया के हाल के घटनाक्रम पर अंतर-मंत्रालयीय बैठक में कहा कि दुग्ध क्षेत्र को ईंधन, गैस तथा प्लास्टिक पैकेजिंग सामग्री की आपूर्ति से संबंधित कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, डेयरी उद्योग को एलपीजी के स्थान पर पाइप से मुहैया कराई जाने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। रुस्तगी ने संवाददाताओं से कहा कि मौजूदा पश्चिम एशिया संकट के बीच भी देशभर में दूध की खरीद, प्रसंस्करण एवं आपूर्ति बिना किसी बाधा के बनी हुई है।

• डेयरी उद्योग को दी एलपीजी के स्थान पर पीएनजी का इस्तेमाल करने की सलाह

दूध और दुग्ध उत्पादों के दाम स्थिर हैं। बाजार में किसी प्रकार की आपूर्ति बाधित नहीं हुई है और पश्चिम एशिया संकट की अवधि के दौरान डेयरी किसानों को भुगतान भी जारी रहा है।

देश को 100% एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य रखना चाहिए: नितिन गडकरी

नई दिल्ली, एजेंसी

• आईएफजीई के हरित परिवहन सम्मेलन में बोले गडकरी-ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना जरूरी

• हरित हाइड्रोजन को भविष्य का ईंधन बताया, कहा-एक डॉलर प्रति किलो होनी चाहिए कीमत

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि देश को निकट भविष्य में 100 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए, क्योंकि पश्चिम एशिया संकट के बीच तेल आपूर्ति की अनिश्चितता ने देश के लिए ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना जरूरी कर दिया है। उन्होंने कहा कि एक अप्रैल से लागू होने वाले कॉरपोरेट औसत ईंधन दक्षता-तीन मानकों का इलेक्ट्रिक और 'फ्लेक्स-फ्यूल' वाहनों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा।

गडकरी ने इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी (आईएफजीई) के हरित परिवहन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश इस समय पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है, इसलिए ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना जरूरी है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 में नरेन्द्र मोदी ने 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई-20) की शुरुआत की थी और वर्तमान में वाहन मामूली बदलाव के साथ इस पर चल सकते हैं। ब्राजील जैसे देशों में 100 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण पहले से लागू है।

गडकरी ने कहा कि भारत अपनी जरूरत का करीब 87 प्रतिशत तेल आयात करता है। इसलिए वैकल्पिक ईंधन और जैव ईंधन का उत्पादन बढ़ाना जरूरी है।

क्या है फ्लेक्स फ्यूल वाहन

'फ्लेक्स फ्यूल' वाहन एक ऐसा वाहन है जिसमें पेट्रोल/डीजल इंजन लगा होता है और इसे एक से अधिक प्रकार के ईंधन पर चलने के लिए डिजाइन किया गया है। आमतौर पर पेट्रोल को एथनॉल या मेथनॉल के साथ मिलाकर 'फ्लेक्स फ्यूल' के रूप में इसका उपयोग किया जाता है।

हरित हाइड्रोजन को भविष्य का ईंधन बताते हुए उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन पंप के संचालन की लागत कम करना जरूरी है, ताकि यह आर्थिक रूप से व्यवहारिक बन सके। हाइड्रोजन के परिवहन में भी चुनौतियां हैं और इसकी लागत घटाकर करीब एक डॉलर प्रति किलोग्राम करना होगा, ताकि भारत ऊर्जा निर्यातक बन सके।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 753 अंक उछला

प. एशिया तनाव घटने की उम्मीदों से ब्रेंट क्रूड 94.76 डॉलर प्रति बैरल

मुंबई, एजेंसी

कच्चे तेल में नरमी और ईरान-अमेरिका के बीच शांति वार्ता में प्रगति की उम्मीदों से मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स 753 अंक चढ़कर बंद हुआ जबकि निफ्टी 212 अंक की बढ़त में रहा।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 753.03 अंक यानी 0.96 प्रतिशत की बढ़त के साथ 79,273.33 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 846.78 अंक चढ़कर 79,367.08 के स्तर तक पहुंच गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 211.75 अंक यानी 0.87 प्रतिशत बढ़कर 24,576.60 अंक पर बंद हुआ।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.75 प्रतिशत गिरकर 94.76 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। व्यापक बाजार में मझोली कंपनियों का बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.73 प्रतिशत चढ़ गया जबकि छोटी कंपनियों के स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.29 प्रतिशत की तेजी रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में एफएमसीजी खंड सर्वाधिक 2.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ जबकि रियल्टी खंड में 2.17 प्रतिशत एवं निजी बैंक सूचकांक में 1.67 प्रतिशत की तेजी रही। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 2,531 कंपनियों के शेयर चढ़कर बंद हुए जबकि 1,760 कंपनियों में गिरावट रही और 162 अन्य अपरिवर्तित रहीं।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि अमेरिका-ईरान युद्धविराम की समय सीमा खत्म होने के पहले सबकी नजरें दूसरे दौर की शांति वार्ता पर टिक गई हैं।

बाजारों ने इससे उम्मीदें लगा रखी हैं लेकिन अगर तनाव बढ़ता है तो गिरावट का जोखिम भी है। यूरोपीय बाजार सकारात्मक रुख के साथ कारोबार कर रहे थे।

अमेरिकी बाजार सोमवार को मामूली गिरावट के साथ बंद हुए थे। इस बीच, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 1,059.93 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की। सेंसेक्स सोमवार को 26.76 अंक बढ़कर 78,520.30 और निफ्टी 11.30 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,364.85 अंक पर बंद हुए थे।

ये रहे लाभ में

बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, ट्रेंट, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक

गिरावट वाले शेयर

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एनटीपीसी

रुपया 28 पैसे टूटकर 93.44 प्रति डॉलर पर

मुंबई। पश्चिम एशिया शांति वार्ता को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच अमेरिकी मुद्रा में स्थिरता और कच्चे तेल की अस्थिर कीमतों के कारण रुपया मंगलवार को 28 पैसे टूटकर 93.44 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा विश्लेषकों के मुताबिक, घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख भी स्थानीय मुद्रा को सहारा नहीं दे पाया।

अंतरराष्ट्रीय चीनी सम्मेलन में कई देशों के प्रतिनिधि आएंगे

कानपुर, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश शुगर मिल्स एसोसिएशन (यूपीएसएमए) की ओर से 21 और 22 मई को लखनऊ में चीनी उद्योग भविष्य के लिए सतत विकास का मार्ग विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें देश के विभिन्न चीनी उत्पादक राज्यों के साथ थाईलैंड, नेपाल, श्रीलंका, मिस्र, इंग्लैंड, अमेरिका, जर्मनी और दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के पूर्व निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि वर्ष 2025-26 में गन्ने के कम उत्पादन के चलते प्रदेश में करीब 90 लाख मीट्रिक टन चीनी उत्पादन का अनुमान है। एसोसिएशन के महासचिव दीपक गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ, नीति निर्माता, वैज्ञानिक और उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

एआई से तैयार सामग्री पर लगातार दिखाना होगा पहचान चिह्न, सरकार ने रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने कृत्रिम मेधा (एआई) से बनाई गई सामग्री के लिए सख्त खुलासा मानदंड प्रस्तावित करते हुए मंगलवार को ऐसी सामग्रियों पर अनिवार्य, लगातार और स्पष्ट रूप से दिखने वाला पहचान चिन्ह लगाने का सुझाव दिया।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की तरफ से जारी मसौदा संशोधनों के तहत, अब 'प्रमुख रूप से दिखाई देने' की जगह पूरे वीडियो या विजुअल कंटेंट की अवधि के दौरान निर्धारित पहचान चिन्ह को लगातार और स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना होगा।

इन संशोधनों में स्वतंत्र रूप से समाचार सामग्री तैयार करने वालों को भी नियामकीय दायरे में लाने और उनके लिए सरकारी परामर्शों का पालन अनिवार्य करने का भी प्रावधान किया गया है। मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों में संशोधन के मसौदे में इन बदलावों को प्रस्तावित किया है।

मंत्रालय ने हितधारकों से सुझाव और टिप्पणियां आमंत्रित करने की समय-सीमा को भी बढ़ाकर सात मई कर दिया है, जो पहले 29 अप्रैल निर्धारित थी। मंत्रालय ने मसौदा दस्तावेज जारी करते हुए कहा कि नियम 3(3)(ए) (आईआई) में संशोधन कर 'विजुअल प्रदर्शन में प्रमुख रूप से दिखाई देने' वाले शब्दों की जगह यह सुनिश्चित करने का प्रावधान किया गया है कि ऐसे पहचान चिन्ह उस सामग्री की पूरी अवधि के दौरान लगातार और स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हों। प्रस्तावित बदलावों का उद्देश्य एआई-जनित या कृत्रिम रूप से तैयार सामग्री की पहचान को अधिक पारदर्शी बनाना और उपयोगकर्ताओं को भ्रामक कंटेंट से बचाना है।

• सात मई तक मांगे टिप्पणियां और सुझाव, पहले 29 अप्रैल थी तिथि

भारतीय वित्तीय संस्थानों में विदेशी शेयरधारकों की हिस्सेदारी सकारात्मक: फिच

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेशी शेयरधारकों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी भारतीय वित्तीय संस्थानों के ऋण खंड के लिए सकारात्मक हो सकती है क्योंकि इससे दीर्घकालिक पूंजी मिलती है और कुछ मामलों में कामकाज के मानकों में सुधार होता है। फिच रेटिंग्स ने मंगलवार को यह बात कही।

रेटिंग एजेंसी ने बयान में कहा कि हालांकि, केवल विदेशी रुचि को मजबूत ऋण आधार का विश्वसनीय संकेत नहीं माना जा सकता। वे लेनदेन जो आंतरिक नियंत्रण, जोखिम प्रबंधन एवं नेतृत्व की जवाबदेही को मजबूत करते हैं, केवल वित्तीय लाभ के लिए किए गए सौदों की तुलना में अधिक ऋण-संबंधी महत्व रखते हैं।

फिच ने कहा कि हाल के समय में विदेशी निवेशकों की बढ़ती रुचि भारत की दीर्घकालिक विकास संभावनाओं, वित्तीय क्षेत्र के नियमन एवं निगरानी तथा बेहतर जोखिम प्रबंधन ढांचे पर उनके बढ़ते भरोसे को दर्शाती है। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि निवेशक ऐसे मंच की तलाश करेंगे जिनमें विस्तार योग्य वितरण क्षमता और स्थानीय विशेषज्ञता हो।

इसमें कहा कि विकसित बाजारों का अनुभव रखने वाले अधिग्रहणकर्ता जोखिम नियंत्रण और निगरानी में सुधार ला सकते हैं। साथ ही प्रतिष्ठित रणनीतिक शेयरधारकों की मौजूदगी पूंजी की लागत को कम करने में सहायक हो सकती है। ये कारक वित्तीय संस्थानों की स्वतंत्र ऋण खंड को मजबूत करने में योगदान दे सकते हैं।

फिच ने बयान में कहा कि विदेशी शेयरधारकों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी भारतीय वित्तीय संस्थानों के ऋण खंड के लिए दीर्घकालिक पूंजी और वित्त पोषण लचीलेपन, व्यावसायिक विस्तार तथा कुछ मामलों में कामकाज के मानकों में सुधार के माध्यम से सकारात्मक हो सकती है।

रेटिंग एजेंसी का मानना है कि बैंकों की तुलना में गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों (एनबीएफसी) में विदेशी शेयरधारकों के नियंत्रण हासिल करने के अधिक आसार हैं क्योंकि नियमों के तहत एनबीएफआई में पूर्ण विदेशी स्वामित्व की अनुमति है।

भारत-दक्षिण कोरिया करेंगे एमएसएमई क्षेत्र में सहयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और दक्षिण कोरिया ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र में सहयोग के विस्तार के लिए एक करार किया है। राष्ट्रपति ली जे म्युंग के नेतृत्व में भारत आये प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के दौरान सोमवार को राजधानी में इस करार पर हस्ताक्षर किये गये। यह समझौता भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र मंत्रालय और दक्षिण कोरिया के 'एसएमई और स्टार्टअप मंत्रालय' के माध्यम से क्रियान्वित किया जाएगा। मंगलवार को एम एस एम ई मंत्रालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस समझौते का उद्देश्य एमएसएमई क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को सुदृढ़ बनाना है। यह समझौता ज्ञापन दोनों देशों के मंत्रालयों के बीच सहयोग के लिए एक 'व्यवस्थित ढांचा' प्रस्तुत करता है, जिससे एमएसएमई से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर सतत संवाद को सक्षम तथा पारस्परिक रूप से लाभकारी अवसरों की खोज को सुगम बनाया जा सके। इसका उद्देश्य एक-दूसरे के एमएसएमई इको-सिस्टम की गहन समझ विकसित करना तथा हितधारकों के बीच सहभागिता को सुदृढ़ करना है।

अदाणी की नई इकाई

नई दिल्ली। अदाणी पावर ने परमाणु स्रोतों से प्राप्त बिजली के उत्पादन, पारेषण और वितरण के लिए एक इकाई का गठन किया है। सरकार का लक्ष्य 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करना है। अदाणी पावर ने शेयर बाजार को सोमवार को दी सूचना में बताया कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी अदाणी एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड ने 20 अप्रैल 2026 को रावतभाटा-राज एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड नामक एक पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी का गठन किया है।

चांदी 700 रुपये मजबूत और सोने में 300 की तेजी

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में मंगलवार को चांदी की कीमत 700 रुपये बढ़कर 2.58 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, जबकि वैश्विक अनिश्चितता और मिले-जुले वैश्विक संकेतों के बीच सोने की कीमतों में भी मामूली बढ़त देखने को मिली। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 300 रुपये बढ़कर 1,57,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई। लेमन मार्केट्स डेस्क के शोध विश्लेषक, गौरव गर्ग ने बताया कि पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ने से निवेशक 'सुरक्षित निवेश' की ओर रुख कर रहे हैं।

आयोजन — चार दिवसीय 'फूड एंड हॉस्पिटैलिटी एशिया' मेले में भाग ले रही 100 से अधिक भारतीय कंपनियां: टीपीसीआई

सिंगापुर बाजार में खाद्य एवं पेय पदार्थों के लिए बड़े निर्यात अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी

सिंगापुर में घरेलू खाद्य एवं पेय पदार्थ क्षेत्र के लिए बड़े निर्यात अवसर मौजूद हैं, क्योंकि यह द्वीपीय देश अपनी आवश्यकताओं का 90 प्रतिशत आयात करता है जिसमें अभी भारत की हिस्सेदारी कम है। व्यापार निकाय टीपीसीआई ने मंगलवार को यह बात कही।

ट्रेड प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (टीपीसीआई) ने कहा कि इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए खाद्य एवं पेय क्षेत्र की 100 से अधिक भारतीय कंपनियां सिंगापुर में चार दिवसीय 'फूड एंड हॉस्पिटैलिटी एशिया (एफएचए)' मेले में भाग ले रही हैं। सिंगापुर, एशिया के सबसे रणनीतिक खाद्य आयात केंद्रों में से एक है और आसियान तथा एशिया-प्रशांत क्षेत्र में प्रवेश का एक प्रमुख द्वार है। फिर भी मजबूत द्विपक्षीय संबंधों के बावजूद भारत की उपस्थिति सीमित बनी हुई है। भारत का सिंगापुर और 10 देशों के समूह आसियान के साथ मुक्त व्यापार समझौता है।

सिंगापुर के कुल खाद्य एवं पेय आयात में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.6 प्रतिशत है जिसमें प्रमुख रूप से अनाज क्षेत्र में वर्चस्व है जहां भारत की हिस्सेदारी 25.6 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया कि अधिकतर अन्य श्रेणियों में भारत की हिस्सेदारी एकल अंक में बनी हुई है जो प्रसंस्कृत खाद्य, पेय पदार्थ, समुद्री उत्पाद, रेडी-टू-ईट उत्पाद, स्नैक्स और प्रीमियम सामग्री जैसे क्षेत्रों में विस्तार की बड़ी संभावनाओं को दर्शाता है।

• एशिया के सबसे रणनीतिक खाद्य आयात केंद्रों में से एक है सिंगापुर

• आसियान तथा एशिया-प्रशांत क्षेत्र में प्रवेश का प्रमुख द्वार भी है

• सिंगापुर के कुल खाद्य आयात में भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 2.6%

• 60 लाख की आबादी वाला ये देश करता है 16.2 अरब डॉलर के खाद्य एवं पेय पदार्थों का आयात

टीपीसीआई इन कंपनियों की मेजबानी 'इंडसफूड एशिया' के तहत कर रहा है। यह मेला 21 अप्रैल से शुरू हुआ। इसमें कहा गया है कि भारत 100 से अधिक कंपनियों के साथ भाग ले रहा है और प्रतिभागी चावल, मसाले, कॉफी, चाय तथा समुद्री उत्पादों सहित विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं।

'इंडसफूड एशिया' के लिए कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), स्पाइसेस बोर्ड, कॉफी बोर्ड, हल्दी बोर्ड और टी बोर्ड जैसे विभिन्न निर्यात प्रोत्साहन निकायों ने टीपीसीआई के साथ सहयोग किया है। टीपीसीआई के चेयरमैन मोहित सिंगला ने कहा कि लगभग 60 लाख की आबादी होने के बावजूद यह देश 16.2 अरब डॉलर के खाद्य एवं पेय पदार्थ आयात करता है जो उसकी करीब 90 प्रतिशत जरूरतों को पूरा करता है।

उन्होंने कहा कि एशियाई क्षेत्र का खाद्य एवं पेय बाजार 2034 तक 3300 अरब डॉलर से अधिक होने का अनुमान है और आतिथ्य क्षेत्र 2029 तक 181.2 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। ऐसे में एफएचए 2026 निर्यातकों को से जुड़ने और बढ़ती मांग का लाभ उठाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

रूस ने किया यूक्रेन के लुगांस्क क्षेत्र पर पूर्ण नियंत्रण का दावा

मॉस्को। रूसी जनरल स्टाफ के प्रमुख वैलेरी गेरासिमोव ने मंगलवार को घोषणा की कि रूसी सेना ने लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक (एलपीआर) को पूरी तरह से मुक्त करा लिया है। गेरासिमोव ने कहा कि लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक की मुक्ति का कार्य पूरी तरह संपन्न हो चुका है। इस समय रूसी सेना सभी मोर्चों पर तेजी से आगे बढ़ रही हैं और उनका अभियान जारी है। लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक (एलपीआर) यूक्रेन के लुहान्स्क क्षेत्र में एक स्वघोषित अलगाववादी क्षेत्र है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र समेत अधिकांश देश इसे यूक्रेन का ही हिस्सा मानते हैं। रूसी सैन्य प्रमुख ने यूक्रेनी कमान पर निशाना साधते हुए कहा कि वे फरवरी और मार्च में अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए सूचना अभियान चला रहे हैं।

इमरान खान के साथ जेल में अमानवीय व्यवहार का आरोप

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान ने आरोप लगाया है कि उनके भाई को एकांत कारावास में रखकर अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है और उन्हें पर्याप्त चिकित्सीय सुविधा नहीं दी जा रही। अलीमा द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि इमरान खान को 16 अक्टूबर 2025 से एकांत कारावास में रखा गया है। उन्होंने 2025 में केवल दो बार और फरवरी 2026 में एक बार वह भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद, अपने बेटों से बात की थी। उन्हें पढ़ने के लिए किताबें भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं और जो किताबें भेजी गईं, उनमें से केवल तीन ही उन्हें मिल पाईं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरी तरह स्वस्थ खान की आंख में अचानक खून का थक्का बन गया, लेकिन उन्हें समय पर चिकित्सा नहीं दी गई।

शहबाज और मुनीर के लिए नोबेल पुरस्कार का प्रस्ताव पेश किया

पेशावर। खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा में मंगलवार को पेश किए गए एक प्रस्ताव में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को कूटनीति के जरिए क्षेत्रीय तनाव कम करने में उनकी भूमिका के मद्देनजर नोबेल शांति पुरस्कार के लिए अनुशंसित किया गया। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की विधायक फराह खान ने यह प्रस्ताव विधानसभा सचिवालय को दिया। इसमें वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर बढ़ते तनाव के समय पाकिस्तान की जिम्मेदार, विवेकपूर्ण और सक्रिय कूटनीतिक भागीदारी की सराहना की गई है। प्रस्ताव के अनुसार, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तर पर शांति को बढ़ावा देने और उसे बनाए रखने में पाकिस्तान के योगदान को स्वीकार किया गया है।

कांग्रेस ने बिरला को दिया प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस

राष्ट्र के नाम संबोधन में संसद में हुई चर्चा को अपने उद्देश्यों के लिए सड़कों पर ले जाने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को दिया। पार्टी ने आरोप लगाया कि सदन में महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक के पारित न होने के बाद प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम संबोधन में विपक्षी दलों पर आक्षेप लगाया, जो सदन के विशेषाधिकार का हनन और अवमानना का गंभीर मामला है।

पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने लोकसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन नियमों के नियम 222 के तहत बिरला को दिए नोटिस में यह आग्रह भी किया कि संसद की गरिमा और इसके सदस्यों को दी गई संवैधानिक सुरक्षा को बनाए रखने के लिए तत्काल और निर्णायक कदम उठाया जाए ताकि इस तरह के उल्लंघन को न दोहराया जा सके।

लोकसभा सदस्य वेणुगोपाल ने दावा किया कि गत 17 अप्रैल को लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2026 के पारित नहीं होने के बाद 18 अप्रैल 2026 को प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय टेलीविजन पर राष्ट्र को संबोधित किया था और 29 मिनट के अपने संबोधन में उन्होंने विधेयक को रोकने के लिए विपक्षी दलों की आलोचना की, साथ ही विपक्ष के सदस्यों के मतदान के तरीके का प्रत्यक्ष रूप से उल्लेख किया और इसमें निहित उद्देश्यों को जोड़ दिया। वेणुगोपाल के मुताबिक यह एक स्थापित परंपरा है कि संसद सदस्यों की ओर से संसद में दिए गए भाषणों के संबंध में सदन के बाहर उन पर बात करना, आक्षेप लगाना या किन्हीं उद्देश्यों को लेकर दोषारोपण विशेषाधिकार का घोर उल्लंघन के साथ सदन की अवमानना भी है।

बिरला को संबोधित पत्र में उन्होंने कहा, वह विशेषाधिकार हनन का यह नोटिस उन्हें सौंप रहे हैं ताकि इस गंभीर घटना और जानबूझकर किए गए विशेषाधिकार हनन और सदन की अवमानना का संज्ञान लिया जा सके तथा मामले को विस्तृत जांच के लिए लोकसभा की विशेषाधिकार समिति को भेजा जा सके ताकि प्रधानमंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार कार्यवाही शुरू की जा सके। उन्होंने बिरला कहा कि वह संसद की गरिमा और उसके सदस्यों को दी गई संवैधानिक सुरक्षा को बनाए रखने के लिए तत्काल और निर्णायक कदम उठाएं ताकि इस तरह के उल्लंघनों को न दोहराया जाए।

राष्ट्र के नाम संबोधन में कांग्रेस पर साधा 59 बार निशाना प्रधानमंत्री के रिकॉर्ड में यह स्थायी दाग बनकर रहेगा

वेणुगोपाल के पत्र को टैग करते हुए, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, मेरे वरिष्ठ सहयोगी, केसी वेणुगोपाल ने लोकसभा में प्रधानमंत्री के नापाक मंसूबों के नाकाम होने के बाद राष्ट्र के नाम उनके संबोधन के लिए प्रधानमंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया। एक प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संबोधन हमेशा राष्ट्रीय एकता और विश्वास निर्माण के सर्वोपरि उद्देश्य के लिए समर्पित होता है। रमेश ने कहा, इस संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने पक्षपातपूर्ण ढंग से बात की, कांग्रेस पार्टी पर 59 अलग-अलग बार नाम लेकर हमले किए। यह प्रधानमंत्री के रूप में उनके रिकॉर्ड पर एक और स्थायी दाग होगा।

संसद में बहुमत न जुटा पाने को लेकर राष्ट्र को संबोधित करना बेहद अनैतिक

वेणुगोपाल ने कहा, मौजूदा मामले में यानी 16 व 17 अप्रैल 2026 को विपक्षी दलों के संसद सदस्य अपनी वास्तविक चिंताएं व्यक्त कर रहे थे। इसके तहत उन्होंने उक्त संविधान संशोधन विधेयक के खिलाफ संसद में अपना वोट डाला। वेणुगोपाल ने कहा, पहले देश के प्रधानमंत्री राष्ट्रीय चिंता के एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर राष्ट्र को संबोधित करते रहे हैं। इसलिए, प्रधानमंत्री के ऐसे संबोधन बहुत कम होते हैं। सरकार के संसद में अपेक्षित बहुमत न जुटा पाने को लेकर विपक्षी दलों की आलोचना करने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को संबोधित करना अभूतपूर्व है जो अनैतिक और सत्ता का खुला दुरुपयोग है। देश के प्रधानमंत्री का इस तरह का बयान देना सदन के विशेषाधिकार का हनन और अवमानना का गंभीर मामला है।

- वेणुगोपाल ने कहा कि इस मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया जाना चाहिए, क्योंकि एक निर्वाचित प्रतिनिधि पर अपना कर्तव्य निभाने को लेकर सवाल उठाया जाना न केवल एक व्यक्तिगत हमला है, बल्कि संसद के अधिकार और भारत के लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है।

विपक्ष की शिकायत की जांच करेगा निर्वाचन आयोग

निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने कहा है कि वह विपक्ष की इस शिकायत की जांच करेगा कि प्रधानमंत्री मोदी का राष्ट्र के नाम संबोधन चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन था। वामपंथी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर यह शिकायत की थी। विभिन्न क्षेत्रों के 700 प्रमुख लोगों ने भी चुनाव आयोग से यही शिकायत की है।

पाकिस्तान के गैंगस्टर शहजाद भट्टी से जुड़े दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस ने आईएसआई के लिए काम करने वाले पाकिस्तानी गैंगस्टर शाहज़ाद भट्टी से जुड़े आपराधिक मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए उसके दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि इन गिरफ्तारियों से शाहजाद भट्टी की ओर से दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में गोलीबारी/ग्रेनेड हमले और लक्षित हत्याएं करने के लिए रची गई एक आपराधिक साजिश का खुलासा हुआ है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपियों की पहचान मध्य प्रदेश के ग्वालियर निवासी 21 वर्षीय राजवीर और 19 साल के विवेक बंजारा के तौर पर हुई है। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने बताया कि खुफिया जानकारी मिली थी कि पाकिस्तान स्थित गैंगस्टर शाहजाद भट्टी और आईएसआई के अन्य एजेंट भारत के कुछ सहयोगियों के साथ मिलकर, दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र और आसपास के इलाकों में ग्रेनेड हमले और लक्षित हत्याओं को अंजाम देने की आपराधिक साजिश रच रहे हैं। उन्होंने बताया कि 31 मार्च को मामला दर्ज किया गया। इसके बाद पता चला कि एक आरोपी बंजारा ग्वालियर जिले के डबरा में है, 16 अप्रैल को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। एक अदालत ने उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा है। बंजारा से पूछताछ के आधार पर राजवीर को 18 अप्रैल को दिल्ली के सराय काले खां इलाके से गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि राजवीर शाहजाद भट्टी के निर्देशानुसार दिल्ली/एनसीआर क्षेत्र के किसी प्रमुख होटल पर गोलीबारी करने की फिराक में था। पुलिस ने उसके पास से एक पिस्तौल और छह कारतूस तथा दो मोबाइल फोन बरामद किए जिनमें आपत्तिजनक वीडियो और वाइस नोट मिले। जांच में पता चला कि राजवीर को सोशल मीडिया पर शाहजाद भट्टी के सहयोगी राणा भाई ने भर्ती किया था और बाद में, राजवीर ने बंजारा को राणा भाई और भट्टी से मिलवाया।

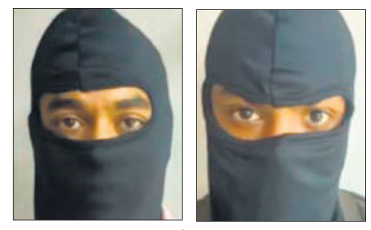

विवेक बंजारा और राजवीर।

- दिल्ली में ग्रेनेड हमलों और लक्षित हत्याओं को अंजाम देने की थी साजिश

केरलः पटाखा गोदाम में आग, 8 की मौत, 40 घायल

त्रिशूर। केरल में त्रिशूर के समीप मुंडाथिकोड में पटाखे गोदाम में मंगलवार शाम भीषण आग लग जाने से आठ लोगों की मौत हो गई जबकि 40 लोग घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर है। केरल में प्रसिद्ध त्रिशूर पूरम के लिए गोदाम में पटाखे तैयार किए जा रहे थे। घटना के बाद धान के खेत में कई शव बिखरे पड़े दिखाई दिए। पुलिस ने बताया कि दमकल और पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन आग की लपटों के कारण घटनास्थल के पास नहीं पहुंच सके। घायलों को पास के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कनाडा में गाजियाबाद के छात्र के हत्यारे को उम्रकैद की सजा

गाजियाबाद/टोरंटो, एजेंसी

टोरंटो की एक अदालत ने भारतीय छात्र कार्तिक वासुदेव की हत्या के मामले में आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई और उसकी यह दलील खारिज कर दी कि मानसिक विकार के कारण वह आपराधिक रूप से जिम्मेदार नहीं है।

न्यायमूर्ति जेन केली की अध्यक्षता वाली टोरंटो की सुपीरियर कोर्ट ने सोमवार को रिचर्ड एडविन को सात और नौ अप्रैल 2022 को दो अजनबियों की हत्या के लिए फर्स्ट-डिग्री मर्डर (साजिश के तहत की गई हत्या) के दो मामलों में दोषी ठहराया। एडविन ने गाजियाबाद निवासी एवं सेनेका कॉलेज के 21 वर्षीय छात्र वासुदेव को गोली मारने की बात स्वीकार की लेकिन बचाव पक्ष ने दलील दी कि आरोपी मानसिक बीमारी से ग्रस्त था और सही-गलत में फर्क नहीं कर सकता था, इसलिए उसे आपराधिक रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। अदालत ने माना कि घटना के समय एडविन सिजोफ्रेनिया से पीड़ित था, लेकिन दलील खारिज करते हुए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

अदालत के आदेश के अनुसार, वासुदेव शेरबोर्न स्टेशन से ब्लूर स्ट्रीट ईस्ट की सीढ़ियों की ओर जा रहा था, तभी एडविन उसके पास से गुजरा, फिर पीछे मुड़कर वासुदेव की पीठ पर कई गोलियां दाग दीं।

- आरोपी की मानसिक विकार के कारण अपराध करने की दलील अदालत ने खारिज की

शहीद अग्रिवीर की मां की याचिका पर केंद्र ने चार महीने बाद भी नहीं दिया जवाब

मुंबई, एजेंसी

बंबई हाईकोर्ट ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मारे गए एक अग्निवीर की मां की याचिका का चार महीने बाद भी जवाब न देने पर मंगलवार को केंद्र पर नाराजगी जताते हुए भारी जुर्माना लगाने की चेतावनी दी। अग्निवीर की मां ने अग्निवीरों के लिए भी सैनिकों के समान मरणोपरांत लाभ देने की मांग की थी।

न्यायमूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति हितेन वेनेगांवकर की पीठ ने केंद्र को अग्निवीर मुरली नाइक की मां की याचिका के जवाब में अपना हलफनामा दाखिल करने के लिए 6 मई तक का समय दिया। नाइक पिछले साल मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जम्मू कश्मीर में सीमा पार से हुई गोलाबारी में मारे गए थे। अदालत ने कहा कि केंद्र को पिछले साल दिसंबर और फिर जनवरी में नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन आज तक जवाब दाखिल नहीं किया गया है। न्यायमूर्ति घुगे ने चेतावनी दी, यह याचिका पिछले साल से लंबित है। याचिका में उठाए गए मुद्दों पर याचिकाकर्ता ने पिछले साल जुलाई में सरकार को लिखे एक पत्र में भी बात की है। अगर अगली तारीख तक जवाबी हलफनामा दाखिल नहीं किया गया, तो हम भारी जुर्माना लगाएंगे।

अदालत ने कहा कि अब और कोई स्थगन नहीं लगाया जाएगा। अदालत ने महाराष्ट्र सरकार को अपना हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई 18 जून को करना तय किया। मुरली नाइक की मां ज्योतिबाई नाइक ने अपनी याचिका में कहा कि केंद्र की अग्निपथ योजना अग्निवीरों और नियमित सैनिकों के बीच मनमाना फर्क पैदा करती है। उन्होंने परिवार को मरणोपरांत मिलने वाले पूरे लाभ नहीं दिए जाने में भेदभाव का आरोप लगाया।

- बंबई हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी, भारी जुर्माना लगाने की चेतावनी
- याचिका में की गई थी सैनिकों के जैसे मरणोपरांत लाभ की मांग

मेक्सिको में गोलीबारी, कनाडाई नागरिक की मौत

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको की राजधानी के उत्तर में स्थित ऐतिहासिक टियोटिहुआकन पिरामिडों में से एक के ऊपर खड़े एक हथियारबंद व्यक्ति ने पर्यटकों पर गोलियां चलाईं, जिसमें एक कनाडाई नागरिक की मौत हो गई और 13 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर ने बाद में खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सुरक्षा अधिकारियों को घटनास्थल से एक बंदूक, एक चाकू और गोला-बारूद मिला है। इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराए गए लोगों में छह अमेरिकी, तीन कोलंबियाई, एक रूसी, दो ब्राज़ीलियाई और एक कनाडाई नागरिक शामिल है। वीडियो और तस्वीरों में एक व्यक्ति पिरामिड पर बंदूक लिए खड़ा दिख रहा है, लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे हैं।

- हमलावरों ने पर्यटकों को बनाया निशाना, कई देशों के पर्यटक घायल

पाकिस्तान को सऊदी अरब से मिले एक अरब डॉलर

कराची। पाकिस्तान को सऊदी अरब से एक अरब डॉलर की दूसरी एवं अंतिम किस्त प्राप्त हुई है। यह तीन अरब डॉलर के सहायता पैकेज का हिस्सा है जिसका उद्देश्य उसके विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाना है। सऊदी अरब ने पिछले सप्ताह पाकिस्तान के लिए तीन अरब डॉलर जमा करने का भरोसा दिलाया था और अपनी मौजूदा पांच अरब डॉलर की सुविधा को तीन वर्ष के लिए बढ़ा दिया था। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि की और लिखा कि उसे सऊदी अरब से दूसरी किस्त प्राप्त हो गई है।

क्रूर हमले की यादें

जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले की मंगलवार को पहली बरसी पर यादें फिर ताजा हो गईं। मुंबई में एक कलाकार ने इस हमले में मारे गए लोगों को चित्र बनाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

पाकिस्तान ने भारतीय विमानन कंपनियों पर हवाई प्रतिबंध बढ़ाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र में भारतीय विमानों पर लगाए गए प्रतिबंध को एक महीने के लिए और बढ़ा दिया। पाकिस्तान ने 24 अप्रैल 2025 से भारतीय उड़ानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद रखा है, जिससे भारतीय विमानन कंपनियों को अरबों का नुकसान हुआ है। पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण ने नोटिस टू एयरमेन (नोटम) में कहा है कि सभी भारतीय-पंजीकृत, पट्टे पर लिए गए, वाणिज्यिक और सैन्य विमानों को 24 मई 2026 को सुबह पांच बजे तक पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी।

मैंडलसन को दबाव में बनाया गया था अमेरिका में राजदूत

लंदन, एजेंसी

पीटर मैंडलसन को अमेरिका में ब्रिटेन के राजदूत के रूप में नियुक्त करने का निर्णय लेने वाले एक पूर्व अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा चिंताओं को जताने के बावजूद उन पर मैंडलसन की नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्र पूरी करने का राजनीतिक दबाव बनाया गया। हालांकि ये चिंताएं यौन अपराधी जेफरी एप्स्टीन के साथ मैंडलसन के संबंधों से अलग थीं।

विदेश कार्यालय के पूर्व प्रमुख ऑली रॉबिन्स ने सांसदों की ओर से पूछे जाने पर उन्होंने यह बताने से इन्कार कर दिया कि सरकारी जांच एजेंसी ने मैंडलसन को संभावित सुरक्षा जोखिम के रूप में क्यों चिह्नित किया। रॉबिन्स ने कहा कि जांच एजेंसी ने मैंडलसन को संदिग्ध मामला माना और उसका मत उन्हें सुरक्षा मंजूरी देने के खिलाफ सिफारिश करने का था। विदेश कार्यालय ने फिर भी उन्हें मंजूरी देने का फैसला किया। इस फैसले को लेकर प्रधानमंत्री केयर स्टार्मर ने पिछले हफ्ते रॉबिन्स को बर्खास्त कर दिया। स्टार्मर को इस नियुक्ति को लेकर अपने फैसले पर सवालों का सामना करना पड़ रहा है और उनसे इस्तीफे की मांग भी की जा रही है। रॉबिन्स ने मंगलवार को हाउस ऑफ कॉमन्स की विदेश मामलों की समिति को बताया कि स्टार्मर कार्यालय से दबाव का माहौल बनाया जा रहा था। उनसे बहुत प्रबल अपेक्षा की गई थी कि मैंडलसन को जल्द पदभार ग्रहण करके अमेरिका में होना चाहिए।

- ब्रिटेन के पूर्व अधिकारी के बयान से एप्स्टीन मामले में फिर घिरे स्टार्मर

परमाणु हथियारों की होड़ कर रहे हैं ब्रिटेन और फ्रांसः रूस

मास्को। रूस ने कहा है कि ब्रिटेन और फ्रांस अपनी परमाणु क्षमता में वृद्धि करके परमाणु हथियारों की होड़ को आगे बढ़ा रहे हैं जो परमाणु अप्रसार संधि के लक्ष्यों के अनुरूप नहीं है। रूस ने इसे क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए अतिरिक्त रणनीतिक जोखिम करार दिया है।

रूस के उप विदेश मंत्री अलेक्जेंडर ग्रुशको ने एक साक्षात्कार में कहा कि फ्रांस के नए सैद्धांतिक दृष्टिकोण कई मायनों में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की विस्तारित परमाणु निवारण नीति की याद दिलाते हैं और वे खुले तौर पर नाटो के संयुक्त परमाणु मिशनों में सहायक बनने की योजनाओं को भी उजागर करते हैं। ग्रुशको ने कहा, ऐसे कदम नाटो के सदस्य देशों की उकसाने वाली सैन्य-परमाणु गतिविधियों के सामान्य पैटर्न के अनुरूप हैं।

इराक-सीरिया सीमा मार्ग एक दशक के बाद फिर खुला

बगदाद। इराक और सीरिया के बीच एक अहम सीमा पार मार्ग एक दशक से अधिक समय तक बंद रहने के बाद पुनः खोल दिया गया, जिसके बाद क्षेत्रीय व्यापार और तेल निर्यात को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

सीरिया ने इस मार्ग को तेल निर्यात के लिए सुरक्षित जमीनी विकल्प के रूप में पेश किया है, खासकर ऐसे समय में जब होर्मुज जलडमरूमध्य पर अनिश्चितता बनी हुई है। इराक में राबिया और सीरिया में यारुबियाह के नाम से जाना जाने वाला यह मार्ग 2011 में सीरियाई गृहयुद्ध शुरू होने के बाद बंद कर दिया गया था। बाद में 2014 में इस क्षेत्र पर इस्लामिक स्टेट के लड़ाकों ने कब्जा कर लिया, जिसे इराकी कुर्द बलों ने फिर से अपने नियंत्रण में ले लिया।

खतरे की घंटी — देश के हथियार उद्योग को मजबूत करने और रक्षा साझीदारों से सहयोग मजबूत करने की इच्छा जताई

जापान ने शांतिवादी रुख छोड़ा, हथियारों का निर्यात करेगा

टोक्यो, एजेंसी

जापान ने मंगलवार को घातक हथियारों के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटाने को मंजूरी देते हुए साफ किया कि देश हथियार उद्योग को मजबूत करने के साथ अपने रक्षा भागीदारों के साथ सहयोग को गहरा करना चाहता है। जापान के इस फैसले को उसकी युद्धोत्तर शांतिवादी नीति में बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री साने ताकाइची के मंत्रिमंडल की ओर से नए दिशा-निर्देशों को मंजूरी मिलने के साथ ही जापान के युद्धोत्तर हथियार निर्यात के रास्ते में मौजूद अंतिम बाधाएं भी दूर हो गई हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब क्षेत्र में बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों के बीच देश अपनी सैन्य क्षमता को तेजी से मजबूत करने में जुटा है। जहां इस नीति बदलाव की चीन ने आलोचना की है, वहीं ऑस्ट्रेलिया जैसे जापान के रक्षा सहयोगी देशों ने इसका स्वागत किया है, और दक्षिण-पूर्व एशिया तथा यूरोप के देशों में भी इसके प्रति रुचि देखी जा रही है। विरोधियों का कहना है कि यह बदलाव जापान के शांतिवादी संविधान की भावना के खिलाफ है और इससे वैश्विक तनाव बढ़ सकता है, साथ ही जापानी नागरिकों की सुरक्षा पर भी खतरा हो सकता है। मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरु किहारा ने कहा, तेजी से बदलते सुरक्षा परिदृश्य के बीच नई नीति जापान की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

दूसरे विश्वयुद्ध के बाद बना था शांतिवादी संविधान

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बने अपने शांतिवादी संविधान के तहत जापान लंबे समय तक अधिकांश हथियारों के निर्यात पर रोक लगाए रहा। हालांकि, हाल के वर्षों में वैश्विक और क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के कारण इसमें कुछ ढील दी गई, लेकिन निर्यात को बचाव, परिवहन, सतर्कता, निगरानी और बारूदी सुरंग हटाने के केवल पांच क्षेत्रों तक सीमित रखा गया था। नए दिशा-निर्देश इन सीमाओं को समाप्त करते हैं और लड़ाकू विमान, मिसाइल और विध्वंसक जैसे उपकरणों के निर्यात को अनुमति देते हैं।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज हर बात पर तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें। किसी भी स्थिति को समझकर निर्णय लें। जल्दबाजी से नुकसान हो सकता है।

तुला — आज बदलाव आपके लिए अच्छा साबित होगा। आपको नया सीखने का मौका मिलेगा। पुराने तरीका छोड़कर नया अपनाना फायदेमंद रहेगा।

वृष — आज सही प्लानिंग करने पर आगे चलकर लाभ मिलेगा। आपका ध्यान धन और स्थिरता पर रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें।

वृश्चिक — आज थोड़ा संभलकर चलने की जरूरत है। किसी स्थिति में अचानक बदलाव आ सकता है। धैर्य बनाए रखें और जल्दबाजी से बचें।

मिथुन — आज आप एक्टिव और निर्णायक रहेंगे। फोकस बनाए रखना जरूरी है। सही दिशा में प्रयास करेंगे, तो अच्छे परिणाम मिलेंगे।

धनु — आज रिश्तों और सहयोग पर ध्यान देना होगा। किसी के साथ मिलकर काम करने से बेहतर परिणाम मिलेंगे। बातचीत में स्पष्टता रखें।

कर्क — आज शांत रहकर काम करना बेहतर रहेगा। हर बात में शामिल होने की जरूरत नहीं है। अपनी ऊर्जा सही जगह इस्तेमाल करें।

मकर — आज काम का दबाव रहेगा। आपको लगातार व्यस्त रहना पड़ेगा। सही प्राथमिकता तय करेंगे तो दिन आपके पक्ष में जाएगा।

सिंह — आज नया अवसर मिल सकता है। नेटवर्क मजबूत करने का दिन है। लोगों से जुड़कर काम करने का फायदा मिलेगा।

कुंभ — आज रचनात्मक सोच आपके काम आएगी। कुछ अलग करने का मन करेगा। अपने तरीके से काम करें।

कन्या — आज काम को लेकर गंभीरता रखें। कोई जिम्मेदारी आपके ऊपर आ सकती है, उसे टालने के बजाय पूरा करना ही बेहतर रहेगा।

मीन — आज किसी बात को सुलझाने का समय है। बाहर से ज्यादा अंदर की स्थिति पर फोकस करें। निजी मामलों पर ध्यान दें।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

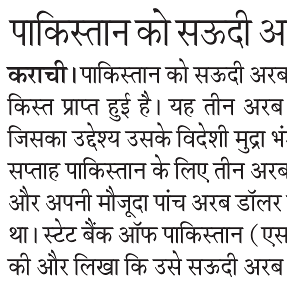

आज की ग्रह स्थिति : 22 अप्रैल, बुधवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 22.49 तक तत्पश्चात सप्तमी।

दिशाशूल-उत्तर, **ऋतु**- ग्रीष्म।

चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।

ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र-आर्द्रा 22.13 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

सुडोकू - 126 का हल

2	8	1	9	3	7	6	5	4
4	6	7	1	8	5	2	3	9
5	3	9	6	4	2	1	8	7
1	4	3	5	6	8	7	9	2
7	2	5	3	9	1	4	6	8
6	9	8	2	7	4	5	1	3
8	5	2	4	1	3	9	7	6
9	7	4	8	5	6	3	2	1
3	1	6	7	2	9	8	4	5

सुडोकू -127

		7		4		5		
	5			6	1			
		9			3			
	6	3		7		2		
	8		3		9		4	
		2			6	8	9	
			8			3		
4			2	3				
		5		9		1		

“ ‘’गुजरात टाइटंस के खिलाफ लगाया गया शतक टीम और मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। पिछले चार-पांच मैचों से मेरे दिमाग में लगातार एक ही बात चल रही थी कि मैंने क्रीज पर ज्यादा समय नहीं बिताया है। मेरा लक्ष्य विकेट पर समय बिताना था।’’

–तिलक वर्मा, मुंबई इंडियंस

स्टेडियम

लखनऊ, बुधवार ,22 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

लखनऊ सुपर जॉयंट्स

बनाम

राजस्थान रॉयल्स

समय - शाम 7:30 बजे

ऑरेंज कैप

- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद-283 रन
- शुभमन गिल गुजरात-251 रन
- विराट कोहली बेंगलुरु-247 रन

पर्पल कैप

- अंशुल कंबोज चेन्नई - 13 विकेट
- प्रसिद्ध कृष्णा गुजरात - 12 विकेट
- प्रिंस यादव लखनऊ- 11 विकेट

हाईलाइट

आयुष म्हात्रे आईपीएल से बाहर

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज आयुष म्हात्रे हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं, जो पांच बार की चैंपियन टीम के लिए करारा झटका है। म्हात्रे 18 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सीएसके के पिछले मैच के दौरान चोटिल हो गए थे और उन्हें छह से 12 सप्ताह तक 'रिहैबिलिटेशन' से गुजरना पड़ेगा। सीएसके ने सोशल मीडिया पर कहा कि आयुष म्हात्रे 18 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान बल्लेबाजी करते समय बायीं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आने के कारण आईपीएल 2026 के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं।

हेडन ने गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाजों को लताड़ा

अहमदाबाद। गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाजी कोच मैथ्यू हेडन ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के हाथों मिली 99 रन की हार के लिए अपने खिलाड़ियों की कड़ी आलोचना करते हुए इसके लिए अपने बल्लेबाजों के 'भयावह प्रदर्शन' और डेथ ओवरों में खराब गेंदबाजी को जिम्मेदार ठहराया। इस मैच में मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी लेकिन उसने अंतिम चार ओवर में 73 रन बनाकर पांच विकेट पर 199 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में गुजरात टाइटन्स की टीम 100 रन पर ढेर हो गई, जिसमें वाशिंगटन सुंदर के 26 रन सर्वोच्च स्कोर रहा।

हॉकी इंडिया के महासचिव अवमानना के दोषी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह को जानबूझकर उसके आदेश की अवहेलना करने के लिए अदालत की अवमानना का दोषी ठहराया है। न्यायमूर्ति पुरुषेन्द्र कुमार कौरव ने कहा कि वह चार मई को सजा के मुद्दे पर सुनवाई करेंगे, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने भोलानाथ सिंह को 'उचित समझे जाने वाले उपाय' करके अवमानना को 'सुधारने' की स्वतंत्रता दी। कोर्ट ने हॉकी इंडिया की निर्वाचित उपाध्यक्ष सईद असीमा अली द्वारा दायर अवमानना से संबंधित याचिका पर 20 अप्रैल को फैसला सुनाया।

लखनऊ सुपर जॉयंट्स के टॉप आर्डर को जोफ्रा आर्चर से रहना होगा सावधान

लखनऊ, एजेंसी

आईपीएल 2026 में हार की हैट्रिक लगा चुकी लखनऊ सुपर जॉयंट्स (एलएसजी) अपने घर में बुधवार को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) का सामना करेगी। लगातार चार जीत के साथ शानदार शुरुआत करने वाली आरआर ने भी पिछले दो मैचों में लगातार हार झेली है। हालांकि, इसके बावजूद आरआर की टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है, लेकिन एलएसजी नौवें स्थान पर है। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए छह में से चार मैच आरआर ने जीते हैं। इकाना स्टेडियम में दोनों टीमों की अब तक एक ही भिड़ंत हुई है जिसमें आरआर ने आसानी से जीत दर्ज की थी।

आईपीएल 2025 से अब तक एलएसजी ने अपने घर में नौ में से सात मैच गंवाए हैं तो आगामी मैच से पहले उनके ऊपर भारी दबाव होगा। एलएसजी के टॉप ऑर्डर की परीक्षा लेंगे आर्चर इस सीज़न लगातार तीन मैच हो चुके हैं जिनमें जोफ्रा आर्चर ने पहली गेंदों पर ही विकेट निकाले हैं। अब उनका सामना एलएसजी के उस टॉप ऑर्डर से होगा जो इस सीजन काफ़ी संघर्ष करती दिख रही है। इस सीजन पावरप्ले में आर्चर ने छह पारियों में 8.6 की इकॉनमी के साथ छह विकेट चटकाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक-रेट 11 का रहा है। एलएसजी का टॉप आर्डर इस सीजन काफ़ी ख़राब फ़ॉर्म में दिख रहा है। मिचेल मार्श ने इस सीज़न 134 और ऋषभ पंत ने 136 की स्ट्राइक-रेट से रन बनाए हैं। मार्श ने छह पारियों में 155 रन बनाए हैं और अब तक एक भी अर्धशतक नहीं लगा सके हैं। पंत ने एक अर्धशतक तो लगाया है, लेकिन इस सीजन अब तक केवल 147 रन ही बना पाए हैं। एडन मारक्रम टीम के सबसे अच्छे बल्लेबाज़ नजर आए हैं जिन्होंने छह पारियों में 160 की स्ट्राइक-रेट से 162 रन बनाए हैं। क्या आरआर के ओपनर्स को परेशान करेंगे प्रिंस? आरआर के ओपनर बल्लेबाज़ों ने इस सीजन धमाकेदार प्रदर्शन किया है और ख़ास तौर से पावरप्ले में उन्होंने काफ़ी तेज़ी से रन बनाए हैं। अब उनका सामना प्रिंस यादव से होगा जो इस सीजन शानदार गेंदबाज़ी कर रहे हैं।

मैच में चप्पे-चप्पे पर होगी निगरानी

अमृत विचार, लखनऊ: भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच आईपीएल मैच को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पूरे स्टेडियम परिसर को तीन सुपर जोन, छह जोन और 16 सेक्टर में विभाजित कर हर स्तर पर निगरानी सुनिश्चित की गई है। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए संदिग्ध गतिविधियों, अराजकतत्वों और टिकट ब्लैक करने वालों पर नजर रखी जाएगी। कंट्रोल रूम से अधिकारी लगातार सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था की मॉनिटरिंग करेंगे। संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था बबलू कुमार के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था में एंटी टेररिस्ट स्क्वायड (एटीएस), एंटी माइन टीम, बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वायड, अर्धसैनिक बल और पुलिस मिलाकर 2000 से अधिक जवान तैनात किए गए हैं। इसके तहत तीन पुलिस उपायुक्त, छह अपर पुलिस उपायुक्त, 16 सहायक पुलिस आयुक्त, 35 इंस्पेक्टर, 254 दरोगा और 465 सिपाही ड्यूटी पर रहेंगे।

अभ्यास के दौरान एक दुसरे से मिलते एलएसजी व राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी।

अभिषेक बने हैदराबाद की जीत के सूरज

आईपीएल-2026 : सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली कैपिटल्स को 47 रन से दी शिकस्त

हैदराबाद, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के 10 चौकों और 10 छक्कों से सजे नाबाद 135 रन की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल मुकाबले में मंगलवार को 47 रन से करारी शिकस्त दे दी। हैदराबाद ने दो विकेट पर 242 रन का विशाल स्कोर बनाने के बाद दिल्ली को नौ विकेट पर 195 रन पर थाम लिया। हैदराबाद सात मैचों में अपनी चौथी जीत के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, जबकि दिल्ली छह मैचों में तीसरी हार के साथ पांचवें स्थान पर है।

विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की तरफ से नीतीश राणा ने 57, समीर रिजवी ने 41, के एल राहुल ने 37 और ट्रिस्टन स्टब्स ने 27 रन बनाए। हैदराबाद की तरफ से ईशान मलिंगा ने 32 रन देकर चार विकेट झटके। हर्ष दुबे ने पारी के आखिरी ओवर में तीन विकेट हासिल किये। इससे पहले टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरे अभिषेक ने मात्र 68 गेंदों में अपनी नाबाद शतकीय पारी खेली। यह उनका आईपीएल में दूसरा शतक और ओवरआल टी 20 में नौवां शतक है जिसके साथ ही वह टी 20 में सर्वाधिक शतक बनाने में रन मशीन विराट कोहली की बराबरी पर आ गए हैं। यह आईपीएल इतिहास में पांचवां सर्वाधिक स्कोर भी है। अभिषेक शर्मा ने एकदम सही समय पर धमाकेदार शुरुआत की और अपना दूसरा आईपीएल शतक पूरा किया। 135 रन बनाकर नाबाद रहे-जो टूर्नामेंट में उनका दूसरा सबसे बड़ा स्कोर था-उन्होंने पूरी पारी में बल्ला चलाते हुए 10 लंबे छक्के मारे। हालांकि हेड और क्लासेन ने बहुत अच्छा साथ दिया, लेकिन अभिषेक की पारी शानदार थी; 49 रन पर उन्हें एक लाइफलाइन मिली जब राहुल ने एक आसान रन-आउट का मौका गंवा दिया। उन्हें 87 रन के स्कोर पर नीतीश राणा ने भी बॉउंड्री पर जीवनदान दिया। इन दो मौकों को छोड़कर उनकी पारी पूरी तरह बेदाग़ रही। ट्रेविस हेड 26 गेंदों पर 37 रन में दो चौके और दो छक्के मारे। क्लासेन ने मात्र 13 गेंदों पर नाबाद 37 रन में तीन चौके और तीन छक्के मारे। कप्तान ईशान किशन ने 13 गेंदों पर 25 रन में दो चौके और एक छक्का लगाया। 243 रन के टारगेट का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स कभी ठीक से चल नहीं पाई। राहुल और नीतीश राणा ने 50 से ज़्यादा रन की पार्टनरशिप करके टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन वे तब आउट हुए जब इनिंग्स ने थोड़ी रफ़्तार पकड़नी शुरू की थी।

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	6	5	0	1	11	1.420
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	6	4	2	0	8	1.171
3.	सनराइज़र्स हैदराबाद	7	4	3	0	8	0.820
4.	राजस्थान रॉयल्स	6	4	2	0	8	0.599
5.	दिल्ली कैपिटल्स	6	3	3	0	6	-0.130
6.	गुजरात टाइटंस	6	3	3	0	6	-0.821
7.	मुंबई इंडियंस	6	2	4	0	2	0.067
8.	चेन्नई सुपर किंग्स	6	2	4	0	4	-0.780
9.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	6	2	4	0	4	-1.173
10.	कोलकाता नाइट राइडर्स	7	1	5	1	3	-0.879

ऑरेंज आर्मी के सामने परफॉर्म करना स्पेशल : शर्मा

आईपीएल मुकाबले में मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ नाबाद 135 रन बनाने वाले अभिषेक शर्मा ने कहा कि ऑरेंज आर्मी के सामने परफॉर्म करना हमेशा स्पेशल होता है। अभिषेक ने शतकीय पारी खेलने के बाद कहा कि पिछले साल के शतक की तुलना इस साल के शतक से कर सकते हैं। हर कोई जानता है कि इस ग्राउंड के लिए मेरा प्यार बेमिसाल है। लेकिन हाँ, जिस तरह से उन्होंने डेथ ओवर्स में बॉलिंग की, मुझे लगा कि वे असल में अपने प्लान पर काम कर रहे थे और बस, मुझे लगता है कि मैंने डेथ बैटिंग की ठीक से प्रैक्टिस नहीं की है। यही सिचुएशन थी। लेकिन जिस तरह से क्लासी ने इनिंग्स खत्म की, मुझे लगता है कि इससे वहां के टोटल में सच में मदद मिली।

तिलक काफी प्रतिभावान बल्लेबाज : हार्दिक पंड्या

अहमदाबाद, एजेंसी

सोमवार को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस (जीटी) पर मिली जीत को मुंबई इंडियंस (एमआई) के कप्तान हार्दिक पंड्या ने "टीम के लिए बहुत जरूरी" बताया। हार्दिक ने गेंद से जॉस बटलर को आउट किया और इससे पहले तिलक वर्मा के साथ 81 रनों की साझेदारी भी की। इससे आईपीएल 2026 में उनके लगातार चार हार का सिलसिला भी टूट गया। तिलक इस मैच के सबसे बड़े सितारे रहे। उनकी 45 गेंदों में नाबाद 101 रन की पारी ने एमआई को आख़िरी चार ओवरों में 73 रन बनाने में मदद की और उन्होंने जीटी के सामने 200 रन का लक्ष्य रखा। यह तिलक का पहला आईपीएल शतक था, जिसमें आठ चौके और सात छक्के शामिल थे। हार्दिक ने मैच के बाद ब्रॉडकास्ट पर बात करते हुए कहा कि तिलक के पास जितनी प्रतिभा है, उन्हें ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। मैं उन्हें बस यही कहता रहा कि गेंद को देखो और मारो। क्योंकि मुझे सच में लगता है कि उनके बल्ले से गेंद जिस तरह निकलती है, वह बहुत ख़ास है। समय आ गया था कि वह आकर प्रदर्शन करें। मुझे लगता है कि मैं डगआउट में इतना ज़ोर से चिल्लाया कि मुझे थोड़ा चक्कर आ गया। लेकिन यह टीम के लिए जरूरी था, तिलक के लिए जरूरी था, मुंबई इंडियंस के लिए जरूरी था। एक कप्तान के तौर पर भी मुझे उस तरह की ऊर्जा चाहिए थी ताकि चीज़ें बदली जा सकें।

नरवाल को स्वर्ण, चिराग को कांस्य पदक

काहिरा। भारत के शीर्ष निशानेबाज शिवा नरवाल ने लंबे अंतराल के बाद अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार वापसी करते हुए आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप (राइफल, पिस्टल, शॉटगन) की पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। चिराग शर्मा ने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता के पहले दिन महिला 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में पनाह भुगरा ने रजत पदक जीतकर देश के पदकों की संख्या तीन कर दी। नरवाल ने पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में 241.8 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। चिराग ने 218.9 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता, जबकि एक अन्य भारतीय निशानेबाज अभिनव देशवाल 136.7 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहे। पनाह भुगरा ने महिला 10 मीटर एयर राइफल में क्वालीफिकेशन में 629.4 अंक हासिल कर फाइनल में जगह बनाई थी। उन्होंने लगातार स्थिर प्रदर्शन करते हुए 250.6 अंकों के साथ रजत पदक जीता।

अंतरराष्ट्रीय संस्था ने भारतीय वॉलीबॉल महासंघ की मान्यता की रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी।

विश्व वॉलीबॉल महासंघ (एफआईवीबी) ने 'कानूनी और प्रशासनिक मानकों' के उल्लंघन का हवाला देते हुए भारतीय वॉलीबॉल महासंघ की मान्यता तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब कुछ दिन पहले ही दो अनुभवी खिलाड़ियों ने 'खराब सुविधाओं' तथा चयन में 'राजनीति' का आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय शिविर छोड़ दिया था।

एफआईवीबी ने बयान में कहा कि उसके नियमों के अनुरूप आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक शर्तों का पालन नहीं किया गया, जिसके कारण भारतीय संघ की अंतरिम मान्यता वापस ले ली गई है। एफआईवीबी ने देश में खेल की निरंतरता और खिलाड़ियों के हितों की रक्षा के लिए एक संचालन समिति गठित की है, जिसमें विश्व संस्था और भारतीय ओलंपिक संघ के प्रतिनिधि शामिल हैं। संचालन समिति का मुख्य उद्देश्य बदलाव के इस दौर में खेल संचालन में स्थिरता, पारदर्शिता और सुशासन सुनिश्चित करना है। इसके तहत खिलाड़ियों के हितों की सुरक्षा, एथलीट आयोग का गठन, राज्य संघों के चुनाव और संविधान को कानूनी मानकों के अनुरूप बनाना शामिल है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की नजरें स्मृति व दीप्ति पर

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच

भारतीय महिला टीम बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जीत की राह पर लौटकर श्रृंखला में अपनी दावेदारी बरकरार रखना चाहेगी। इसके लिए उसे स्मृति मंधाना व ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम पांच मैच की श्रृंखला में 2-0 से आगे है। तीसरे मैच को जीतकर श्रृंखला में विजयी बढ़त बनाना चाहेगी।

टीम की सबसे प्रभावशाली बल्लेबाज स्मृति शुरुआती दो मैच में 13 और 12 रन ही बना पाई हैं। भारतीय टीम इन मुकाबलों में 157 और 147 रन ही बना सकी जिन्हें मेजबान टीम ने आसानी से जीत लिया। टीम के लिए दीप्ति की फॉर्म अधिक चिंता का विषय है। पहले मैच में नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने नाबाद एक रन बनाया जबकि दूसरे मैच में छठे नंबर पर खेलते हुए भी एक रन बनाकर आउट हुईं।

दोनों ही मैच में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। भारतीय पारी काफी हद तक स्मृति की तेजतर्रार शुरुआत पर निर्भर करती है और बाएं हाथ की यह बल्लेबाज पहले दो मैच के खराब प्रदर्शन की भरपाई करना चाहेंगी।

महिला टी20 में भारतीय खिलाड़ियों के रैंकिंग में उछाल

दुबई। भारत की ओपनर शेफाली वर्मा डरबन में दूसरे टी20 में 38 बॉल में 57 रन बनाने के बाद आईसीसी महिला टी20 बैटिंग रैंकिंग में दो स्लॉट ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर आ गई हैं। ओपनर ने दो छक्के और चार चौके मारे, लेकिन यह उनकी टीम को जीत दिलाने के लिए काफी नहीं था क्योंकि दक्षिण अफ्रीका ने मैच आठ विकेट से जीत लिया। मेजबान टीम वीकेंड की शुरुआत में छह विकेट से मिली जीत के बाद पांच मैचों की सीरीज़ में 2-0 से आगे है, इस हफ्ते मैच डरबन से जोहान्सबर्ग शिफ्ट हो रहे हैं। वर्मा की तरक्की से वेस्टइंडीज की कैप्टन हेली मैथ्यूज एक स्लॉट ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गई हैं। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पहले मैच में 33 बॉल में नाबाद 47 रन बनाए थे, जिससे उन्हें दो स्लॉट ऊपर चढ़कर जॉइंट 11वें नंबर पर जगह मिली है। दक्षिण अफ्रीका की कैप्टन लॉरा वोल्वार्ट अब तक सीरीज़ में सबसे ज़्यादा 105 रन बना चुकी हैं, उन्होंने पहले दो मैचों में 51 और 54 रन बनाए थे। वह बैट्समैन में पांचवें स्थान पर बनी हुई हैं। लिस्ट में दूसरी रैंकिंग में एनेरी डर्कसेन और सुने लुस शामिल हैं।

लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवाड्र्स

लगातार दूसरे साल मैड्रिड में हुई यह सेरेमनी

अल्काराज़ और सबालेंका को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार

मैड्रिड, एजेंसी

स्पेनिश टेनिस प्लेयर कार्लोस अल्काराज को सोमवार रात 2026 लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवाड्र्स में वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर चुना गया। अल्काराज ने साइकिलिस्ट तादेज पोगाकर, जिन्होंने 2025 में अपना चौथा टूर डी फ्रांस जीता था, और कई दूसरी रेस जीती थीं, और अपने मुख्य टेनिस राइवल, जानिक सिनर जैसे कैंडिडेट्स को हराया।

टेनिस को एक और कामयाबी तब मिली जब आर्यना सबालेंका को वर्ल्ड स्पोर्ट्सवुमन ऑफ़ द ईयर चुना गया। उन्होंने कहा कि इस समय स्पोर्ट्स में बहुत सारी मजबूत, महान और इंस्पायरिंग महिलाएं हैं। उन्होंने एक ऐसे कमरे में शुक्रिया अदा किया जहां "बहुत सारे स्टार्स" थे।

यह सेरेमनी लगातार दूसरे साल मैड्रिड में हुई, जिसमें टेनिस प्लेयर नोवाक जोकोविच और चीनी फ्रीस्टाइल स्कीयर गु ऐलिंग प्रेजेंटिंग ड्यूटी पर थे। गु ने अपनी नई भूमिका की तुलना स्कीइंग से करते हुए कहा कि दोनों से उनके पेट में "तितलियाँ" दौड़ जाती हैं। एफसी बार्सिलोना के स्पेन इंटरनेशनल खिलाड़ी लैमिन यामल को वर्ल्ड यंग स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ़ द ईयर चुना गया, गु ने अपनी जीत का एक कारण यह बताया कि उनका "पूरी पीढ़ी पर" असर पड़ा है। एक और फुटबॉल जीत हुई जब यूरोपियन चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन को लॉरियस वर्ल्ड टीम ऑफ़ द ईयर का अवॉर्ड मिला, जिसमें उन्होंने इंग्लैंड महिला फुटबॉल टीम और भारत महिला क्रिकेट टीम जैसे अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराया। वर्ल्ड कमबैक ऑफ़ द ईयर का अवॉर्ड मौजूदा यूएस मास्टर्स गोल्फ चैंपियन रोरी मैक्लरॉय को मिला, जिन्होंने यूरोप को यूनाइटेड स्टेट्स में राइडर कप जीतने में भी मदद की थी। मैक्लरॉय ने कहा, "मैं कई बार बाल-बाल बचा, लेकिन इससे मुझे और मेहनत करना और कभी हार न मानना सिखाया और पिछले साल ऑगस्टा में इसका इनाम मिला।"

उन्होंने दो हफ़्ते से भी कम समय पहले अपना मास्टर्स टाइटल बरकरार रखा था। फ़ॉर्मूला वन वर्ल्ड चैंपियन लैंडो नोरिस वर्ल्ड ब्रेकथ्रू ऑफ़ द ईयर के विनर रहे, इस कैटेगरी में चीन के यू ज़िदी भी नॉमिनीज़ में से एक थे। वर्ल्ड स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ़ द ईयर विद अ डिसेबिलिटी ब्राज़ील के पैरालंपिक स्विमर गैब्रियल अराउजो बने, जबकि क्लोई किम को 2019 और 2020 में लगातार जीत के बाद तीसरी बार वर्ल्ड एक्शन स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ़ द ईयर चुना गया। स्पोर्टिंग इंस्पिरेशन अवॉर्ड रियल मैड्रिड और बायर्न म्यूनिख के पूर्व मिडफील्डर टोनी क्रूस के लिए था, जिनकी एक एकेडमी है और वे अपने देश जर्मनी में बीमार बच्चों के साथ काम करते हैं। उन्होंने अपनी एक्सेप्टेंस स्पीच में कहा, "अगर हम सब एक हो जाएं और मिलकर काम करें, तो हम सब एक बड़ा कदम आगे बढ़ा सकते हैं।" जबकि फुटबॉल मास प्रोजेक्ट को स्पोर्ट फ़ॉर गुड अवॉर्ड मिला।

सूर्यकुमार यादव स्केचर्स क्रिकेट टीम में हुए शामिल

मुंबई, एजेंसी

स्केचर्स, द कम्फर्ट टेक्नोलॉजी कंपनी, सूर्यकुमार यादव को साइन करके अपने क्रिकेट सफर को तेज कर रही है-जो इंडियन क्रिकेट टीम के सबसे काबिल और असरदार बैट्समैन में से एक हैं और हाल ही में 2026 टी 20 वर्ल्ड कप चैंपियन बने हैं। अपनी कंसिस्टेंसी, शांत और मैच जिताने वाले परफॉर्मेंस के लिए मशहूर, सूर्यकुमार यादव अब स्केचर्स क्रिकेट फुटवियर में खेल रहे हैं और क्रिकेट और दूसरे परफॉर्मेंस फुटवियर कलेक्शन को सपोर्ट करने वाले ब्रांड के मार्केटिंग कैंपेन में शामिल होंगे।

इस एसोसिएशन पर बात करते हुए, टीम इंडिया के टी20 वर्ल्ड कप कैप्टन, सूर्यकुमार यादव ने कहा कि क्रिकेट के सबसे ऊंचे लेवल पर, आराम आपको फोकस्ड और कंसिस्टेंट रहने में मदद करने में अहम रोल निभाता है। आराम को परफॉर्मेंस के साथ जोड़ने का स्केचर्स का तरीका सच में सबसे अलग है और इसी वजह से यह ब्रांड मेरे लिए एकदम सही है। चाहे मैच का दिन हो या ट्रेनिंग, उनके जूते खेल की ज़रूरतों को पूरा करते हैं, और मैं स्केचर्स परिवार का हिस्सा बनकर उत्साहित हूं। मुंबई में जन्मे, सूर्यकुमार यादव ने 35 साल की उम्र में खुद को एक डाइनैमिक राइट-हैंडेड टी20 बैट्समैन के तौर पर स्थापित किया है।